हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

www.naisochlive.com | पटना, गुरुवार, 27 अगस्त 2026, वर्ष- 09, अंक- 183, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

श्रीलंका 290 रन पर ऑलआउट, भारत ...

नेपाल की भीषण बाढ़ में 22 लोगों की मौत, 105 भारतीयों समेत 400 से ज्यादा पर्यटक लापता

एजेंसी। काठमांडू/नई दिल्ली

नेपाल की भोटेकोशी नदी में बुधवार सुबह अचानक आई भीषण बाढ़ की चपेट में आने वाले 22 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। प्रभावितों की मौत का आंकड़ा बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। हादसे के बाद से 105 भारतीयों समेत 400 से ज्यादा पर्यटक लापता हैं। सेना, स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां प्रभावित बड़े इलाके में राहत और बचाव कार्यों में जुटी हैं। नेपाल में बुधवार सुबह करीब साढ़े 08 बजे तिब्बत सीमा से लगे इलाके में रासुवा की भोटे कोशी नदी में अचानक आई बाढ़ ने भारी तबाही मचा दी। अधिकृत जानकारी के मुताबिक बाढ़ में अबतक 22 लोगों की मौत हो चुकी है। बागमती प्रदेश पुलिस कार्यालय के नवीनतम विवरण के अनुसार, रसुवा, नुवाकोट, धादिङ और चितवन में इन 22 लोगों की मौत हुई है। विवरण के अनुसार, रसुवा में 01 पुरुष, नुवाकोट में 05 महिलाओं और 06 पुरुषों समेत 11 लोगों, धादिङ में 05 महिलाओं, 02 पुरुषों समेत 09 लोगों तथा चितवन में एक महिला की मौत हुई है। बचाव अभियान के दौरान राहत दलों ने प्रभावित क्षेत्रों से 65 लोगों को घायल हालत में बचाया है। इनमें रसुवा से 43, नुवाकोट से 19 और धादिङ से 03 लोगों को बचाया गया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार तिब्बत की ओर से किसी हिमनद झील (ग्लेशियल लेक) के फटने या जलस्तर में अचानक भारी वृद्धि के कारण यह बाढ़ आई है। इस भीषण बाढ़ से पूरे इलाके में भारी तबाही हुई है। कई गांव, सड़कें और पुल इस दौरान बह गए। कई हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट को भी काफी नुकसान हुआ है। नेपाल पर्यटन बोर्ड, पर्यटक पुलिस और अन्य संबंधित निकाय प्रभावित क्षेत्रों में मौजूद पर्यटकों की खोज और बचाव के लिए समन्वय कर रहे हैं। हादसे के बाद से अधिकृत तौर पर 384 पर्यटक लापता हैं। नेपाल पर्यटन बोर्ड के मुताबिक लापता लोगों में 105 भारतीय पर्यटक हैं। बोर्ड ने 384 यात्रियों के लापता होने की पहचान की है। इनमें 291 विदेशी नागरिक और 93 नेपाली नागरिक शामिल हैं। प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार सबसे अधिक ट्रेकर्स सोसाइटी के माध्यम से यात्रा पर गए 92 लोग और सम्राट टूर एंड ट्रैवल्स के माध्यम से गए 71 लोग लापता हैं।

इसके अलावा लीफ होलिडे के 55, हिमालयन ग्लेशियर के 52 पर्यटकों समेत अन्य एजेंसियों के माध्यम से यात्रा कर रहे लोग भी लापता हैं। लापता विदेशी पर्यटकों में भारत, ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड्स, अमेरिका, मलेशिया, ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका के नागरिक शामिल हैं। बोर्ड ने बताया कि कुछ लापता पर्यटकों की राष्ट्रीयता की जानकारी अभी प्राप्त नहीं हो सकी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से की बात, बाढ़ में जनहानि पर जताया दुख

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से फोन पर बात की और नेपाल में बाढ़ के कारण हुई जनहानि पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने इस मुश्किल समय में नेपाल के लोगों के साथ भारत की एकजुटता व्यक्त करते हुए हर संभव मानवीय और राहत सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से बात कर नेपाल में बाढ़ के कारण हुई जनहानि पर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में भारत की जनता नेपाल के अपने भाई-बहनों के साथ मजबूती से खड़ी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत नेपाल को हर संभव मानवीय सहायता देने के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि बचाव और राहत कार्यों के लिए भारतीय दल नेपाल के संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रही हैं।

नेपाल में भारी बारिश से बिहार में बाढ़ का खतरा, अमित शाह ने मुख्यमंत्री से की बात

नई दिल्ली। नेपाल में मूसलाधार बारिश और ग्लेशियर फटने की घटनाओं के कारण बिहार में बाढ़ के खतरे को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से फोन पर बातचीत की। उन्होंने राज्य में संभावित संकट से निपटने के लिए केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। गृह मंत्री ने स्थिति से निपटने और किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव अभियान शुरू करने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) को भी सक्रिय किया है। केंद्र सरकार बिहार की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और आवश्यकता के अनुसार राज्य को अतिरिक्त सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

अब कुत्ता जनता पार्टी ने किया ट्रेंड, केजेपी जिंदाबाद के नारे लगा रहे छात्र

एजेंसी। पटना

बीपीएससी विवाद के बीच परीक्षा नियंत्रक की 'हाथी चले बाजार, कुत्ता भौंके हजार' वाली टिप्पणी पर भड़के अभ्यर्थियों ने यूं दिया जवाब

बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की भर्ती प्रक्रिया को लेकर चल रहे विवाद के बीच छात्रों के विरोध का एक अनोखा तरीका सोशल मीडिया पर सामने आया है। बीपीएससी के एक अधिकारी की टिप्पणी से नाराज अभ्यर्थियों ने सोशल मीडिया पर अपनी एक 'पार्टी' बना ली है, जिसका नाम 'कुत्ता जनता पार्टी' (केजेपी) रखा गया है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ युवा हाथों में बैनर लेकर 'कुत्ता जनता पार्टी जिंदाबाद' के नारे लगाते नजर आ रहे हैं। वायरल वीडियो में दिखाई दे रहे बैनर पर लिखा है- 'कुत्ता जनता पार्टी-केजेपीः बीपीएससी ने छात्रों की तुलना कुत्तों से की, ये अपमान हम नहीं सहेंगे।' छात्रों का कहना है कि अधिकारी की टिप्पणी से उन्हें अपमानित महसूस हुआ और इसी के विरोध में उन्होंने यह नाम अपनाया है।

ऐसे शुरू हुआ था विवाद : दरअसल, बीपीएससी के परीक्षा नियंत्रक राजेश कुमार सिंह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अभ्यर्थियों की मांगों से जुड़े सवालों का जवाब दे रहे थे। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थी शिक्षक भर्ती परीक्षा को प्रीलिम्स और मेंस, दो चरणों में कराने की नई व्यवस्था का विरोध कर रहे हैं। कुछ छात्रों का आरोप है कि नई व्यवस्था से हिंदी माध्यम के अभ्यर्थियों को नुकसान हो सकता है। जब अधिकारी से प्रदर्शन और आयोग के फैसले को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि जिन लोगों को आयोग के फैसले पर आपत्ति है, वे कोर्ट क्यों नहीं जाते। इसी दौरान उन्होंने एक कहावत का इस्तेमाल करते हुए कहा, 'हाथी चले बाजार, कुत्ता भौंके हजार।' इसके बाद उनका बयान विवाद का कारण बन गया। इस पर अधिकारी का कहना था कि उन्होंने महज एक प्रचलित कहावत का इस्तेमाल किया था। हालांकि, छात्रों और कई सोशल मीडिया यूजर्स ने इसे प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों से जोड़कर देखा और आरोप लगाया कि उनकी तुलना कुत्तों से की गई है। प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विवाद बढ़ गया। राजेश कुमार सिंह को वीडियो में पत्रकारों से अपनी कही बात को नजरअंदाज करने की अपील करते हुए भी सुना गया। हालांकि, तब तक बयान सोशल मीडिया पर तेजी से फैल चुका था। नाराज छात्रों ने विरोध दर्ज कराने के लिए 'कुत्ता जनता पार्टी' के नाम से पोस्ट और वीडियो साझा करना शुरू कर दिया। इस तरह बीपीएससी भर्ती प्रक्रिया से जुड़ा विवाद सोशल मीडिया पर एक अलग तरह के अभियान में बदल गया।

तेजस्वी यादव ने भी साधा निशाना : इस मामले को लेकर विपक्ष भी सक्रिय हो गया है। आरजेडी के कार्यकारी अध्यक्ष और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने अधिकारी से माफी मांगने की मांग की। उन्होंने सरकार से मामले में सख्त कार्रवाई करने की भी मांग की। तेजस्वी यादव गार्डनिबाग पहुंचकर प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों से मिले। छात्रों ने उनसे अधिकारी की टिप्पणी को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति समेत नेताओं ने ओणम पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। ओणम के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत कई मुख्यमंत्रियों ने देशवासियों, विशेषकर केरल के लोगों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू ने अपने एक्स संदेश में कहा कि ओणम केरल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और सदियों पुरानी परंपराओं को दर्शाने वाला प्रिय त्योहार है। उन्होंने कामना की कि यह पर्व हर घर में खुशी, अच्छा स्वास्थ्य और समृद्धि लेकर आए तथा समाज में आपसी मेल-जोल, एकता और उम्मीद की भावना को मजबूत करे। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने ओणम पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए त्योहार के सुख, शांति और समृद्धि का संदेश देने की कामना की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि ओणम के रंग और उत्सव हर परिवार के लिए शांति, समृद्धि और नई शुरुआत लेकर आएं। उन्होंने कहा कि यह शुभ त्योहार एकता के बंधन को मजबूत करने के साथ जीवन को खुशियों और खुशहाली से भर दे। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने केरल के लोगों को बधाई देते हुए कामना की कि ओणम का यह खुशी का अवसर सभी के जीवन में शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए।

उत्तराखंड, असम और गुजरात में UCC लागू होने पर ओवैसी ने साधा निशाना, हिजाब पर फैसले को 'इस्लाम पर हमला' बताया

हैदराबाद । एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी की ओर से उत्तराखंड, असम और गुजरात में यूसीसी लागू किए जाने को लेकर सरकार पर जमकर निशाना साधा गया। उन्होंने हिजाब को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर भी अपनी तीखी प्रतिक्रिया दी है। मंगलवार को दारुस्सलाम में एआईएमआईएम हेडक्वार्टर में 'जलसा-ए-रहमतुल-लिल-आलमीन' की एक बड़ी सभा को संबोधित करते हुए ओवैसी यूसीसी कानून को मुसलमानों पर थोपे जाने की बात कही। उन्होंने कहा, "उत्तराखंड, असम और गुजरात में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू किया गया है। अगर लागू किए जा रहे कानून असल में हिंदू मैरिज एक्ट, हिंदू डिवोर्स एक्ट और हिंदू सक्सेशन एक्ट के प्रावधानों पर आधारित हैं, तो उन्हें वास्तव में यूनिफॉर्म सिविल कोड कैसे कहा जा सकता है? जब ये कानून हिंदू पर्सनल लॉ पर आधारित हैं, तो मुसलमानों पर इन्हें क्यों थोपा जाना चाहिए?" ओवैसी ने कहा कि मुसलमानों को उनकी धार्मिक मान्यताओं से अलग करने की कोशिशें सफल नहीं होंगी और जो लोग इस्लाम को मानते हैं, वे कुरान और सुन्नत का पालन करते रहेंगे। उन्होंने कहा, "याद रखें, हमें हमारे विश्वास से दूर करने की कोशिशें, नाकाम होंगी। जो लोग इस्लाम में विश्वास रखते हैं, वे कुरान और सुन्नत की शिक्षाओं का पालन करते रहेंगे। हम अपने दीन (धर्म) को नहीं छोड़ेंगे। ओवैसी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले की कड़ी आलोचना की है, जिसमें प्रयागराज के एक स्कूल के नाबालिग छात्रा की याचिका खारिज कर दी गई थी।

प्रधानमंत्री 27 अगस्त को 'खेलो इंडिया संवाद में युवाओं को करेंगे संबोधित

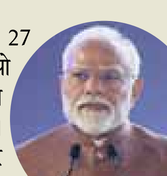

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 अगस्त को सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'खेलो इंडिया संवाद को संबोधित करेंगे। राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को भारत की खेल यात्रा से जोडऩा, उनकी आकांक्षाओं और विचारों को समझना तथा युवा नेतृत्व के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना है। 'मेरा युवा भारत द्वारा आयोजित इस राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम में देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रत्येक जिले से दो-दो महाविद्यालयों के युवा भाग लेंगे। कार्यक्रम प्रधानमंत्री के उस दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसमें युवाओं की आकांक्षाओं को राष्ट्रीय विकास के केंद्र में रखते हुए स्वस्थ, अनुशासित और खेल के प्रति समर्पित भारत के निर्माण पर जोर दिया गया है।

खेल, युवा नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण पर संवाद : 'खेलो इंडिया संवाद खेल, युवा नेतृत्व, नागरिक जिम्मेदारी, स्वयंसेवा, फिटनेस और राष्ट्र निर्माण को एक साझा मंच पर लाएगा। इसके माध्यम से युवाओं को देश की खेल संबंधी आकांक्षाओं से सीधे जुडऩे और खेल एवं युवा क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार रखने का अवसर मिलेगा। राष्ट्रीय कार्यक्रम के बाद स्थानीय स्तर पर भी संवाद आयोजित किए जाएंगे। इनमें युवा प्रतिभागियों के साथ 'मेरा युवा भारत के स्वयंसेवक, स्थानीय खिलाड़ी और जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। कार्यक्रम की प्रमुख विशेषता खेलों में रुचि रखने वाले युवाओं और देश के अग्रणी खिलाडिय़ों एवं पदक विजेताओं के बीच सीधा संवाद होगा।

लोकायन-2026 के तहत तीन दिन की बंदरगाह यात्रा के बाद लिस्बन से रवाना हुआ आईएनएस सुदर्शिनी

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय नौसेना का पाल प्रशिक्षण पोत आईएनएस सुदर्शिनी ने 'लोकायन-2026 महासागरीय अभियान के तहत पुर्तगाल के लिस्बन में तीन दिन की बंदरगाह यात्रा पूरी करने के बाद 25 अगस्त 2026 को वहां से प्रस्थान किया। यह यात्रा भारत और पुर्तगाल के बीच लंबे समय से चले आ रहे समुद्री सहयोग और मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण रही। बंदरगाह यात्रा के दौरान आईएनएस सुदर्शिनी के कमांडिंग ऑफिसर ने पुर्तगाली नौसेना अकादमी के कमांडेंट रियर एडमिरल मिगुएल बेसा पचेको तथा पुर्तगाली नौसेना के उप-बेड़ा कमांडर रियर एडमिरल जोआओ पाउलो सिल्वा परेरा से मुलाकात की। इन बैठकों के दौरान दोनों नौसेनाओं के बीच संस्थागत संबंधों और आपसी समझ को मजबूत करने से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई।

समुद्री प्रशिक्षुओं ने पुर्तगाली नौसेना अकादमी का किया दौरा : पेशेवर गतिविधियों के तहत भारतीय नौसेना के समुद्री प्रशिक्षुओं ने पुर्तगाली नौसेना अकादमी 'एस्कोला नवलó का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अपने पुर्तगाली समकक्षों के साथ संवाद किया और अकादमी के ऐतिहासिक परिसर तथा प्रशिक्षण सुविधाओं का अवलोकन किया। दोनों देशों के प्रशिक्षुओं ने समुद्री कौशल और लंबी दूरी के पाल प्रशिक्षण से संबंधित अपने अनुभव और विचार साझा किए। इस आदान-प्रदान से दोनों नौसेनाओं के प्रशिक्षुओं के बीच पेशेवर समझ और सहयोग को बढ़ावा मिला।

डेक स्वागत समारोह में शामिल हुए सैन्य अधिकारी और भारतीय समुदाय के लोग : बंदरगाह यात्रा के दौरान आईएनएस सुदर्शिनी पर एक डेक स्वागत समारोह का भी आयोजन किया गया। इसमें पुर्तगाल के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों, राजनयिक समुदाय के सदस्यों और भारतीय प्रवासी समुदाय के लोगों ने भाग लिया। आईएनएस सुदर्शिनी की पुर्तगाल के पोंटा डेलगाडा और लिस्बन बंदरगाहों की यात्रा दोनों देशों के बीच मजबूत समुद्री साझेदारी को दर्शाती है।

भारत-सेशेल्स उच्चस्तरीय बैठक में मत्स्य, जलीय कृषि और ब्लू इकोनॉमी में सहयोग पर सहमति

नई दिल्ली। भारत और सेशेल्स ने मत्स्य, जलीय कृषि और ब्लू इकोनॉमी के क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने के लिए उच्चस्तरीय द्विपक्षीय बैठक की। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सचिव डॉ. अभिलक्ष लिखी ने किया, जबकि सेशेल्स की ओर से मत्स्य, कृषि और ब्लू इकोनॉमी मंत्री वॉलेस कॉसग्रो ने प्रतिनिधित्व किया। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के अनुसार मंगलवार को हुई बैठक में दोनों पक्षों ने मौजूदा ढांचे की समीक्षा की, नए सहयोगी अवसरों पर चर्चा की और समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग के लिए एक ठोस रोडमैप तैयार करने पर सहमति जताई। भारतीय नेतृत्व ने सेशेल्स प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच गहरी समुद्री साझेदारी है और भारत मत्स्य, जलीय कृषि, वैज्ञानिक अनुसंधान और क्षमता निर्माण में तकनीकी सहयोग बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। चर्चा के दौरान दोनों पक्षों ने मत्स्य क्षेत्र और ब्लू इकोनॉमी को आर्थिक विकास, ग्रामीण रोजगार और सतत विकास के अहम स्तंभ बताया।

चेन्नई में भारत-वियतनाम तटरक्षक बलों की सातवीं उच्च स्तरीय बैठक, समुद्री सहयोग बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल और वियतनाम तटरक्षक बल के बीच सातवीं उच्च स्तरीय बैठक 25 अगस्त 2026 को चेन्नई में आयोजित की गई। बैठक का आयोजन वर्ष 2015 में दोनों देशों के तटरक्षक बलों के बीच हुए सहयोग संबंधी समझौता ज्ञापन के तहत किया गया। इसमें समुद्री सुरक्षा, खोज एवं बचाव, समुद्री कानून प्रवर्तन और समुद्री प्रदूषण से निपटने सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। बैठक की सह-अध्यक्षता भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक परमेश शिवमणि और वियतनाम तटरक्षक बल के उप-कमांडेंट मेजर जनरल लुओंग दिन्ह हंग ने की। दोनों पक्षों ने समुद्री सहयोग से जुड़ी मौजूदा गतिविधियों की समीक्षा की और भविष्य में सहयोग तथा परिचालन समन्वय को बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक में समुद्री खोज एवं बचाव, समुद्री कानून प्रवर्तन, समुद्री प्रदूषण की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया और तटरक्षक बलों की क्षमता निर्माण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया। दोनों पक्षों ने पेशेवर आदान-प्रदान और जहाज यात्राओं सहित जारी द्विपक्षीय सहयोग की भी समीक्षा की। भारतीय और वियतनामी तटरक्षक बलों ने समुद्री क्षेत्र में सहयोग को प्रभावी बनाने के लिए नियमित संस्थागत संवाद को महत्वपूर्ण बताया।

नीतीश कुमार की विरासत के असली हकदार निशांत कुमार: शैलेंद्र कुमार

नई सोच एक्सप्रेस नई दिल्ली। जनता दल यूनाइटेड (JDU) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राजनीतिक विरासत को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की विरासत के असली हकदार उनके पुत्र निशांत कुमार हैं।दरअसल, राष्ट्रीय लोक मोर्चा (RLM) के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए शैलेंद्र कुमार ने कहा कि जो लोग दूसरे की विरासत संभालने की बात कर रहे हैं, वे अपने विरासत को अपने पत्नी और बेटे का क्यों?शैलेंद्र कुमार ने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि उपेंद्र कुशवाहा को जनता दल यूनाइटेड से इतना ही लगाव और प्रेम था, तो उन्होंने अपनी पार्टी को JDU में विलय कर क्यों नहीं लव कुश की विरासत की जिम्मेदारी निशांत जी को सौंप दिए। जो सामाजिक तौर पर एक प्रशंसनीय होता और लव कुश समीकरण सदा एकजुट रहता।उन्होंने आगे कहा कि दूसरे की विरासत की चिंता करने के बजाय उपेंद्र कुशवाहा जी को अपनी पार्टी को बचाने और मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए। शैलेंद्र कुमार ने निशांत कुमार को नीतीश कुमार की विरासत का हकदार बताते हुए कहा कि राजनीतिक विरासत को लेकर बहस लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप होनी चाहिए।हालांकि, शैलेंद्र कुमार ने यह भी स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में किसी व्यक्ति की राजनीतिक विरासत पर किसी एक व्यक्ति या परिवार का स्थायी अधिकार नहीं होता। उन्होंने कहा कि असली विरासत बिहार की 14 करोड़ जनता की है और इस पर अंतिम अधिकार जनता का ही रहना चाहिए।शैलेंद्र कुमार के इस बयान के बाद बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार के राजनीतिक उत्तराधिकार और लव-कुश समीकरण को लेकर नई बहस तेज होने की संभावना है।

दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन ने एनसीआर में स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई, जारी की एडवाइजरी

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन (डीएमए) ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में स्वाइन फ्लू (एच1एन1) के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई है। खबरों के अनुसार, अब तक 2000 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन दिल्ली में इन्फ्लूएंजा की स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है और इस संक्रमण से होने वाली बीमारी और मौतों की निगरानी कर रही है। इन्फ्लूएंजा के मामलों में मौसमी बढ़ोतरी को देखते हुए डीएमए ने लोगों से सतर्क रहने और बचाव के ज़रूरी उपाय अपनाने की अपील की है। एसोसिएशन ने लोगों को सलाह दी है कि वे सांस से जुड़ी स्वच्छता का ध्यान रखें, साफ-सफाई बनाए रखें, भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें और इन्फ्लूएंजा के लक्षण दिखने पर समय रहते डॉक्टर की सलाह लें। डीएमए ने स्वाइन फ्लू से संक्रमण से बचने के लिए उपाय बताए हैं। डीएमए ने कहा कि खांसते या छींकते समय अपना मुंह और नाक रूमाल या टिश्यू से ढकें। साबुन और पानी से बार-बार हाथ धोएं या अल्कोहल-बेस्ड हैंड सैनिटाइज़र का इस्तेमाल करें। बिना धुले हाथों से अपनी आँखों, नाक और मुंह को छूने से बचें। भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें, खासकर तब जब इन्फ्लूएंजा का असर ज्यादा हो। एच1एन1 या इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी से पीड़ित लोगों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। इसके अलावा, पर्याप्त आराम करें और अच्छी नींद लें और खूब तरल पदार्थ पिएं और पौष्टिक भोजन करें। दोबारा इस्तेमाल होने वाले रूमाल को ठीक से साफ़ करें और इस्तेमाल किए गए टिश्यू को सुरक्षित रूप से फेंक दें। सार्वजनिक जगहों पर थूकने से बचें। फ्लू के लक्षण होने पर वायरस को फैलने से रोकने के लिए एन95 मास्क पहनें। हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स को खुद को और मरीज़ों को बचाने के लिए क्लीनिक, अस्पतालों और ओपीडी में मास्क जरूर पहनना चाहिए। डीएमए ने कहा कि दूसरों से मिलते समय हाथ मिलाने या गले मिलने से बचें, खासकर तब जब फ्लू जैसे लक्षण हों। किसी योग्य डॉक्टर की सलाह के बिना दवाएं, खासकर एंटीबायोटिक्स या एंटीवायरल दवाएं न लें। अगर आपको फ्लू जैसे लक्षण हैं, तो संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए रिश्तेदारों, दोस्तों या अन्य लोगों से मिलने से बचें।

हैदराबाद-विजयवाड़ा जा रही बस ट्रक से टकराई, 6 की मौत

हैदराबाद। तेलंगाना के सूर्यापेट जिले में बुधवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। हादसा करीब सुबह 5:20 बजे दुर्गापुरम स्टेज के पास हुआ, जब हैदराबाद से विजयवाड़ा जा रही एक निजी ट्रैवल बस की ट्रक से टक्कर हो गई। बस में कुल 43 यात्री सवार थे। हादसे में कई यात्री घायल हुए हैं, जिन्हें स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। सूर्यापेट पुलिस ने मीडिया को बताया, कि यात्री बस हैदराबाद से विजयवाड़ा की ओर जा रही थी। इसी दौरान कोडद मंडल के द्वारकुंटा के पास दुर्गापुरम स्टेज के नजदीक बस की एक कंटेनर ट्रक से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में अब तक छह लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि दुर्घटना के वक्त बस और ट्रक की गति कितनी थी और टक्कर किन परिस्थितियों में हुई।

तेलंगाना के सूर्यापेट सड़क हादसे पर उपराष्ट्रपति और पीएम ने जताया दुख

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को तेलंगाना के सूर्यापेट में हुए भीषण सड़क हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। दोनों नेताओं ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने एक्स पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि सूर्यापेट की दुखद सड़क दुर्घटना से उन्हें गहरा आघात पहुंचा है। उन्होंने शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त कीं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री मोदी ने भी एक्स पर कहा कि सूर्यापेट में हुए हादसे की खबर से वह बेहद व्यथित हैं। उन्होंने कहा कि इस दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के साथ उनकी संवेदनाएं हैं और वह सभी घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। उल्लेखनीय है कि तेलंगाना के सूर्यापेट जिले के कोडाड के पास हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार तड़के हैदराबाद से एलुरु जा रही एक निजी बस सड़क किनारे खड़े लोहे की छड़ों से लदे ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक यात्री घायल हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री ने ईद-ए-मिलाद-उन-नबी पर बधाई और शुभकामनाएं दी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पैगम्बर-ए-इस्लाम हजरत मुहम्मद साहब के जन्मदिन 'ईद-ए-मिलाद-उन-नबी' के पाक अवसर पर राज्यवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पैगम्बर हजरत मुहम्मद साहब की शिक्षा पूरे मानव समाज की तरक्की और खुशहाली के लिए थी। उनका संदेश प्रेम, सहिष्णुता, शांति एवं विश्व बंधुत्व का था। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से पारस्परिक सौहार्द, आपसी प्रेम एवं भाईचारे के साथ ईद-ए-मिलाद-उन-नबी मनाने का आह्वान किया।

नीतीश कुमार के विकसित बिहार के सपनों को साकार कर रही है मौजूदा एनडीए सरकार : जदयू

पटना। प्रदेश जदयू प्रवक्ता शंभूनाथ सिन्हा ने जारी बयान में कहा कि राज्य की मौजूदा एनडीए सरकार नीतीश कुमार के विकसित बिहार के सपनों को धरातल पर साकार करने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण सहित सभी प्रमुख क्षेत्रों में सरकार तेजी से काम कर रही है। नीतीश कुमार ने बिहार को विकसित राज्य बनाने का जो सपना देखा था, उसे साकार करने की दिशा में मौजूदा एनडीए सरकार निरंतर महत्वपूर्ण और प्रभावी निर्णय ले रही है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में माननीय श्री नीतीश कुमार ने कई ऐतिहासिक फैसले लिए। पंचायतों एवं नगर निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण, सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण तथा लाखों स्वयं सहायता समूहों के गठन के माध्यम से करोड़ों जीविका दीदियों को आत्मनिर्भर बनाने का काम किया गया। इसी क्रम में मौजूदा एनडीए सरकार ने अपने ताजा फैसले में आगामी तीन वर्षों में एक करोड़ महिलाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ने का लक्ष्य रखा है। इसके अलावा स्टार्टअप चैलेंज योजना के तहत 50 हजार से 2 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता, मुख्यमंत्री पीएचडी फेलोशिप योजना के अंतर्गत एक हजार मेधावी छात्राओं को चार वर्षों तक प्रतिमाह 10-10 हजार रुपये की सहायता जैसी महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। ये योजनाएं महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में गेम चेंजर साबित होंगी।

बाढ़ के खतरों को लेकर आपदा प्रबंधन की ओर से मुकम्मल तैयारी : रत्नेश सदा

पटना। बुधवार को जदयू प्रदेश कार्यालय, पटना में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में मंत्री रत्नेश सदा ने राज्य के विभिन्न जिलों से आए फरियादियों की समस्याओं सुनीं तथा उनके विधिसम्मत निष्पादन हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी एवं प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी शंभू कुशवाहा मौजूद रहे। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए रत्नेश सदा ने कहा कि विद्यार्थियों और युवाओं का हित एनडीए सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की बेहतर व्यवस्था हो या युवाओं के लिए नौकरी एवं रोजगार के अवसरों का सृजन नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने बीते दो दशकों में विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। उसी सोच और संकल्प को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से मुकम्मल तैयारी की गई है। सामुदायिक किचन, पशु चारा, सूखा राशन, चिकित्सीय सहायता सहित अन्य आवश्यक राहत सामग्रियों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। विभाग द्वारा परिस्थितियों पर पैनी नजर रखी जा रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि दिसंबर में होने वाले फरक्का जल संधि का नवीनीकरण नहीं होना चाहिए। बिहार को उसके हिस्से का पर्याप्त जल मिलना चाहिए, ताकि राज्य के किसानों, आमजन और भविष्य की जल आवश्यकताओं के हितों की समुचित रक्षा हो सके।

भाकपा की बदलाव जरूरी है रैली की तैयारी जोरो पर

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के आह्वान पर 01 सितंबर 2026 को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित रैली की तैयारी पूरे बिहार में जोर शोर से चल रही है। पार्टी की जिला और अंचल परिषद की बैठकों का दौर जारी है। बिहार से विभिन्न रेलवे स्टेशन और जंक्शन से दिल्ली के लिए रवाना होंगे। भाकपा के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि दिल्ली रैली की व्यापक तैयारी की गई है। रैली को लेकर पार्टी के नेता और कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह है। रैली भाजपा सरकार की साम्प्रदायिक नीति,निजीकरण, शिक्षा के भगवाकरण के खिलाफ और लोकतंत्र एवं संविधान को बचाने के लिए ह्ह्ह्हबदलाव जरूरी ह्ह्ह्ह नारे के साथ आयोजित की गई है। अब ह्ह्ह्हबदलाव जरूरी हैह्ह्ह। नरेंद्र मोदी सरकार के 12 वर्षों का कार्यकाल देश को निराशा और कठिनाइयों में बदल चुका है। एक के बाद एक चुनाव में भाजपा ने विकास, रोजगार, समृद्धि, सुशासन और बेहतर भविष्य के बड़े-बड़े वादे किए। लेकिन इसके बदले देश को बढ़ती बेरोजगारी, बेकाबू महंगाई, गहरी होती असमानता, कमजोर होती ग्रामीण अर्थव्यवस्था, सिकुड़ता लोकतांत्रिक दायरा और बढ़ता सामाजिक तनाव मिला है। इसके बावजूद जब भी मोदी सरकार से जवाब मांगा जाता है, तो राष्ट्रीय विमर्श को किसी और दिशा में मोड़ दिया जाता है। आम जनता की रोजमर्रा की चिंताओं को सुलझाने के बजाय भाजपा और आरएसएस बार-बार सांप्रदायिक ध्रुवीकरण, भावनात्मक मुद्दों और गड़े हुए विवादों का सहारा लेता हैं। जवाबदेही से बचने के लिए धर्म की आड़ ली जाती है। अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए नफरत को बढ़ावा दिया जाता है। यह फूट इसलिए डाली जाती है ताकि जनता का ध्यान उनके असली मुद्दों से भटकाया जा सके। वर्तमान सरकार ने संविधान सम्मत और विधि सम्मत व्यवस्था को कमजोर किया है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी दलित, शोषित, किसानों और मजदूरों की पार्टी है। पार्टी इन वर्गों की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार संघर्ष और आंदोलन करती रही है। दिल्ली की रैली में आमलोगों की जबरदस्त भागीदारी होगी।

'तुलसी के राम' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ शामिल हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी

नई सोच एक्सप्रेस

» तुलसीदास जी की वाणी में राम केवल आराध्य नहीं, आदर्श जीवन-मूल्यों के प्रतीक : संजय सरावगी

» 'तुलसी के राम' का संदेश सनातन संस्कृति और जीवन मूल्यों को सशक्त बनाने की प्रेरणा देता है : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

» राम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लें : संजय सरावगी

पटना। गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती सप्ताह के अवसर पर सनातन संस्कृति चेतना परिषद के तत्वावधान में आज रवींद्र भवन, पटना में 'तुलसी के राम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिक्षा मंत्री मिथिलेश कुमार तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी भी शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी ने अपनी रचनाओं के माध्यम से भगवान श्रीराम के चरित्र को जन-जन तक पहुंचाने का महान कार्य किया। तुलसीदास जी की वाणी में राम केवल आराध्य नहीं, बल्कि समाज के लिए आदर्श जीवन-मूल्यों के प्रतीक हैं। मर्यादा, त्याग, करुणा, सत्य, सेवा और कर्तव्यबोध जैसे गुण भगवान श्रीराम के चरित्र से हमें निरंतर प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि 'तुलसी के राम' का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना सदियों पहले था। बदलते समय में जब समाज के सामने अनेक चुनौतियां हैं, तब श्रीराम के आदर्श हमें संयम, सद्भाव और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की ऐसी समृद्ध परंपरा है, जो मानवता, संस्कार और सामाजिक समरसता का संदेश देती है। प्रदेश अध्यक्ष सरावगी ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी ने रामचरितमानस के माध्यम से भारतीय समाज को संस्कार और संस्कृति से जोड़ने का काम किया। आज आवश्यकता है कि हम नई पीढ़ी को भगवान श्रीराम के आदर्शों, तुलसीदास जी के साहित्य और भारतीय संस्कृति की महान परंपरा से परिचित कराएं। राम के आदर्श परिवार, समाज और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि श्रीराम का जीवन हमें यह सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी सत्य और धर्म के मार्ग से विचलित नहीं होना चाहिए। उनके आदर्शों को आत्मसात कर समाज में प्रेम, भाईचारा, सेवा और सद्भाव की भावना को मजबूत किया जा सकता है। यही तुलसीदास जी के साहित्य और 'तुलसी के राम' की सार्थकता है। संजय सरावगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश अपनी सांस्कृतिक विरासत और गौरव को पुनर्स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। बिहार की धरती सदियों से ज्ञान, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना की भूमि रही है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से हमारी युवा पीढ़ी अपनी जड़ों और गौरवशाली परंपराओं से और मजबूती से जुड़ती है। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया, विधायकगण, सनातन संस्कृति चेतना परिषद के अध्यक्ष मनीष शुक्ला सहित बड़ी संख्या में रामभक्त एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने पुलिस दीदी (अभया ब्रिगेड) हेतु 4700 स्कूटर-मोटरसाइकिल का किया लोकार्पण

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर बिहार की बेटियों और बहनों के सम्मान, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण की दिशा में नई शुरुआत हुई। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पुलिस दीदी (अभया ब्रिगेड) हेतु 4,700 स्कूटर एवं मोटरसाइकिल का लोकार्पण एवं फ्लैग-ऑफ किया। मुख्यमंत्री बालिका पीएचडी फेलोशिप का शुभारंभ हुआ जिसके अंतर्गत लगभग 1,000 छात्राओं को 4 वर्षों तक 10,000 प्रतिमाह की सहायता दी जाएगी। 'बहनों का सम्मान, सरकार की पहचान' के तहत 'बिहार की बेटी स्टार्टअप चैलेंज योजना' का भी शुभारंभ किया गया, जिसमें 50,000 से 2 लाख तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महिलाओं की उन्नति ही बिहार की प्रगति है। बेटियों और बहनों की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए हमारी सरकार निरंतर प्रतिबद्ध है। महिला सुरक्षा, उच्च शिक्षा, उद्यमिता एवं सशक्तिकरण को नई गति देने की दिशा में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके माध्यम से स्कूल-कॉलेज में पढ़ने वाली हमारी बहनों की उचित सुरक्षा एवं संरक्षण को सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, उपमुख्यमंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री मिथिलेश तिवारी सहित अनेक जनप्रतिनिधि और अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बिहार की जनता ने अपनी आंखों से देखा है अकल्पनीय परिवर्तनः- मंत्री श्रवण कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

बिहारशरीफ। बिहारशरीफ प्रखंड के ग्राम पंचायत राज मेघी नगवां के ग्राम दीपनगर में षष्टम वित्त से 8 लाख 18 हजार की राशि से देवी स्थान में चाहरदिवारी एवं चबुतरा मरम्मत कार्य का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक सह बिहार सरकार के ग्रामीण विकास एवं सूचना जनसंपर्क मंत्री जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार के द्वारा किया गया।इस अवसर पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि बिहार आज विकास के क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ आगे बढ़ रहा है नीतीश मांडल का कमाल 2005 के बाद बिहार ने देखा है आज वहीं मांडल पर चलकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की सरकार चल रही है।जनसेवा को अपना धर्म मानने वाले नीतीश कुमार को बिहार की जनता ने जो काम सौंपा था, उसे उन्होंने पूरी तन्मयता से पूरा किया है।वे आज भी बिहार के विकास के प्रति संकल्पित हैं और उनके मार्गदर्शन तथा दूरदर्शिता से बिहार प्रगति के पथ पर अग्रसर है।समाज की आखिरी पंक्ति में खड़े व्यक्ति के समग्र विकास के लिए संकल्पित रहकर हर बिहारी की चिंता की है।उन्होंने न धर्म, न जाति और न ही क्षेत्र के आधार पर किसी के साथ कोई भेदभाव किया।वे सदैव बिहार और बिहारवासियों को आगे बढ़ाने के लिए कटिबद्ध रहे हैं।वे सच्चे अर्थों में बिहार के नायक हैं।आज वहीं आत्मीय भाव, संवेदनशील निर्णय और जनसेवा के प्रति समर्पण निशांत कुमार के रुप में दिख रहा है वे एक जनसेवक के रूप में निरंतर बिहारवासियों की सेवा कर रहे हैं।स्वास्थ्य विभाग को जवाबदेह बनाने की दिशा में उनके कार्यों की आज चहुँओर सराहना हो रही है। सम्राट सरकार के कामों की सराहना हर तरफ हो रही है सभी वर्गों हर क्षेत्रों के न्याय के साथ विकास को सरकार कृतसंकल्पित है आज पूरे देश में गर्व से लोग कहते है हम बिहार से है देवीस्थान सिर्फ मंदिर नहीं है, यह हमारी आस्था, संस्कृति और एकता का केंद्र है। इसका जीर्णोद्धार होने से आने वाली पीढ़ियों को भी अपनी परंपरा से जुड़े रहने का मौका मिलेगा।सरकार विकास के साथ-साथ विरासत को भी संवार रही है। देवीस्थान का यह नया रूप भक्तों को बेहतर सुविधा देगा।" "यह स्थान सभी को जोड़ता है।मरम्मत के बाद इसे साफ-सुथरा बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है।अतिक्रमण न हो और श्रद्धालुओं को परेशानी न हो, इसका ध्यान रखें।"उन्होंने कहा "मां दुर्गा से प्रार्थना है कि क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि बनी रहे।इस अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष धनंजय प्र कुशवाहा प्रमुख प्रतिनिधि जीतन चौहान जिला जदयू प्रवक्ता डॉ धनंजय कुमार देव रामवृक्ष प्रसाद रविन्द्र कुशवाहा युगल किशोर मुखिया संजय प्र कुशवाहा पैक्स अध्यक्ष शिवचरण प्रसाद मुन्ना पासवान संतोष मेहता गुलशन कुशवाहा सुनील रविदास सहित कई समाजसेवी उपस्थित रहे।

काजीकोरैया–राघोपुर मार्जिनल बांध के कटाव प्रभावित हिस्से का पथ निर्माण मंत्री इं. कुमार शैलेंद्र ने किया निरीक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

बिहपुर। पथ निर्माण मंत्री इं. कुमार शैलेंद्र ने काजीकोरैया–राघोपुर मार्जिनल बांध के कटाव प्रभावित हिस्से का जल संसाधन विभाग के वरीय अधिकारियों एवं अभियंताओं के साथ स्थल निरीक्षण कर वर्तमान स्थिति का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने कटाव की स्थिति, गंगा की धारा के दबाव, क्षतिग्रस्त E-Nose के कट-एंड की सुरक्षा तथा डाउनस्ट्रीम में हो रहे भूक्षरण को नियंत्रित करने के लिए किए जा रहे बाढ़ संघर्षात्मक कार्यों की जानकारी ली। गंगा की धारा तटबंध की ओर शिफ्ट होने के कारण वर्तमान में तटबंध पर अत्यधिक दबाव बना हुआ है। क्षतिग्रस्त E-Nose के हिस्से को कट-एंड-होल्ड करने तथा डाउनस्ट्रीम में हो रहे भूक्षरण को रोकने के लिए आवश्यक सुरक्षात्मक कार्य लगातार जारी हैं। दोनों कट-एंड को सुरक्षित रखने एवं पानी के फैलाव को नियंत्रित करने के लिए रिंग बांध का निर्माण भी कराया जा रहा है। मौके पर 2.50 लाख बालू भरे बोरे, 20 नाव, 30 ट्रैक्टर, 1 पोकलेन एवं 3 जेसीबी उपलब्ध हैं तथा लगभग 250 श्रमिकों द्वारा दिन-रात बाढ़ संघर्षात्मक कार्य किया जा रहा है। मुख्यालय से दो विशेष दल भी स्थल पर प्रतिनियुक्त किए गए हैं। मंत्री इं. कुमार शैलेंद्र ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि तटबंध की सुरक्षा के लिए किए जा रहे तत्कालीन सुरक्षात्मक कार्यों में किसी प्रकार की कमी न रहे तथा आवश्यक सभी तकनीकी उपाय पूरी तत्परता से किए जाएँ। उन्होंने कहा कि तटबंध की सुरक्षा एवं क्षेत्रवासियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्थिति पर लगातार निगरानी रखते हुए आवश्यकता के अनुसार बाढ़ संघर्षात्मक कार्य जारी रहेंगे। बाढ़ अवधि के बाद मैथमेटिकल मॉडलिंग एवं उसके अध्ययन के परिणामों के आधार पर तटबंध की दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए आवश्यक अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी।

गंडक नदी में संभावित फ्लैश फ्लड के मद्देनजर बिहार में अलर्ट

नई सोच एक्सप्रेस

» मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक, NDRF/ SDRF की अग्रिम तैनाती एवं व्यापक तैयारियों के निर्देश

पटना। नेपाल में गंडक नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में फ्लैश फ्लड की स्थिति उत्पन्न होने तथा गंडक नदी में अचानक जलप्रवाह बढ़ने की संभावना को देखते हुए बिहार में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। प्राप्त सूचनाओं के अनुसार गंडक नदी में लगभग 3 मीटर तक ऊंची फ्लैश फ्लड वेव/जलप्रवाह आने की संभावना व्यक्त की गई है। इससे गंडक नदी से जुड़े जिलों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने की संभावना को देखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं। नेपाल के रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, गोरखा, लमजुंग एवं तनहुँ (गंडक कैचमेंट) तथा दोलखा एवं सिंधुपालचोक (कोसी कैचमेंट) में फ्लैश फ्लड का उच्च जोखिम पूर्वानुमानित है। वहीं कोसी, बागमती एवं गंडक कैचमेंट के कई अन्य क्षेत्रों में मध्यम जोखिम का पूर्वानुमान है। **मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षाः** माननीय मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में आज उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबंधित जिलों के जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस पदाधिकारी/पुलिस अधीक्षक बैठक में शामिल हुए। बैठक में विकसित हो रही स्थिति की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित जिलों को सतर्क रहने तथा आवश्यक बचाव एवं राहत तैयारियां पूरी रखने के निर्देश दिए गए। **गंडक नदी से जुड़े जिलों में विशेष सतर्कताः** गंडक नदी के संभावित बढ़े हुए जलप्रवाह को देखते हुए पश्चिमी चंपारण (बेतिया), पूर्वी चंपारण (मोतिहारी), गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर एवं वैशाली में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त सीतामढ़ी, शिवहर एवं अन्य संवेदनशील जिलों में भी स्थिति पर लगातार नजर रखने को कहा गया है। सभी जिलाधिकारियों को नदी के जलस्तर, तटबंधों, निचले इलाकों, पुल-पुलियों एवं अन्य संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी करने तथा स्थानीय समुदाय को समय पर अलर्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। **गंडक बैराज एवं नहरों के संचालन के निर्देशः** जल संसाधन विभाग द्वारा गंडक बैराज के सभी गेटों तथा उससे जुड़े नहरों में पानी प्रवाहित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि उपलब्ध जलप्रवाह का सुरक्षित एवं प्रभावी प्रबंधन किया जा सके। संबंधित जल संसाधन पदाधिकारियों एवं अभियंताओं को अपने-अपने क्षेत्रों में सतत निगरानी रखने तथा तटबंधों सहित जल संसाधन संरचनाओं की निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया है। **NDRF एवं SDRF की अग्रिम तैनातीः** संभावित परिस्थिति से निपटने के लिए NDRF एवं SDRF के अतिरिक्त संसाधनों की मूवमेंट सुनिश्चित की जा रही है। गोपालगंज के लिए एक NDRF टीम भेजने का निर्देश दिया गया है तथा एक NDRF टीम को मुजफ्फरपुर में स्टैंडबाय रखा जाएगा। इसके अतिरिक्त बेतिया में भी NDRF की टीम की मूवमेंट/तैनाती लगभग दो घंटे के भीतर सुनिश्चित करने की कार्रवाई की जा रही है। SSB DIG द्वारा भी आवश्यकतानुसार QRT एवं अन्य संभावित सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया है, जो बेतिया में उपलब्ध रहेगा। **निकासी, नाव, शेल्टर एवं सामुदायिक रसोई की तैयारीः** सभी संबंधित जिलाधिकारियों को संभावित प्रभावित आबादी के लिए Evacuation Plan, पर्याप्त नावों की व्यवस्था, Community Kitchen एवं Shelter की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। आवश्यकता पड़ने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर समय रहते पहुंचाने की पूरी तैयारी रखने को कहा गया है। **आम जनता से अपील — घबराएं नहीं, लेकिन तैयार रहेंः** राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार की घबराहट या पैनिक की आवश्यकता नहीं है। प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और सभी आवश्यक संसाधनों एवं बचाव दलों को अग्रिम रूप से तैयार किया जा रहा है। साथ ही, आम नागरिकों से अपील है कि घबराएं नहीं, लेकिन संभावित बाढ़ की स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार रहें। प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं एवं निर्देशों का पालन करें तथा अफवाहों पर ध्यान न दें। **अफवाहों पर रोक एवं नियमित मीडिया ब्रीफिंगः** सभी जिलाधिकारियों को प्रतिदिन Media Briefing करने तथा सोशल मीडिया पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचना अथवा अफवाह के प्रसार को रोका जा सके। नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे केवल आधिकारिक एवं विश्वसनीय स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं पर ही भरोसा करें। **सभी विभाग अलर्ट मोड मेंः** जिला प्रशासन, पुलिस, आपदा प्रबंधन, जल संसाधन विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सतत भ्रमण एवं निगरानी करते हुए आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। तटबंधों एवं जल संसाधन से संबंधित सभी महत्वपूर्ण संरचनाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जा रही है। राज्य सरकार स्थिति पर लगातार नजर रख रही है। आवश्यकतानुसार अतिरिक्त NDRF/SDRF टीमों, नावों, QRT तथा अन्य संसाधनों की तैनाती तत्काल की जाएगी। **संदेश स्पष्ट है** — "घबराने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन सतर्क एवं तैयार रहना आवश्यक है।" प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है और संभावित बाढ़ की स्थिति में जनहानि को रोकने, समय पर चेतावनी देने, आवश्यकता पड़ने पर त्वरित निकासी तथा प्रभावी बचाव एवं राहत कार्य सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रहा है।

'अटल साहित्यकार सम्मान' से विभूषित हुए बिहार के हिन्दी-सेवी

नई सोच एक्सप्रेस

» आजात-शत्रु थे अटल बिहारी बाजपेयी : संजय सरावगी

पटना। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और लोकप्रिय कवि अटल बिहारी बाजपेयी भारत के महान नेताओं में से एक थे। वे अजात-शत्रु और सबके लिए सम्माननीय तो थे ही एक बड़े कवि साहित्यकार थे। अटल जी के व्यक्तित्त्व को किसी साँचे में नहीं रखा जा सकता। संसार को कानोकान खबर नहीं हुई और उन्होंने भारत को परमाणु-संपन्न बना दिया। यह बातें बुधवार को, बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में, 'एडूकेशनल रिसर्च ऐंड डेवलपमेंट संस्थान' के तत्त्वावधान में, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और कवि अटल बिहारी बाजपेयी की स्मृति में आयोजित 'अटल साहित्यकार सम्मान समारोह' में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए, बिहार भाजपा के अध्यक्ष संजय सरावगी ने कही। उन्होंने सम्मानित हुए साहित्यकारों को बधाई देते हुए कहा कि अटल जी चाहते थे कि विकसित भारत के निर्माण में साहित्यकारों की भूमिका सबसे महत्त्वपूर्ण होगी। समारोह मुख्य के अतिथि और प्रदेश भाजपा के संगठन महासचिव भीखू भाई दलसानिया ने कहा कि अटल जी के साहित्य में मातृ-भूमि के प्रति भक्ति की भावना है। अपने अध्यक्षीय उद्गार में सम्मेलन के अध्यक्ष डा. अनिल सुलभ ने कहा कि अटल जी यदि राजनीति में नहीं होते तो हिन्दी के महान महाकवियों में परिगणित होते। वे राष्ट्र और राष्ट्रभाषा के प्रति समर्पित भारत के गौरव-पुरुष थे। उनकी काव्य-प्रतिभा और काव्य-दृष्टि भी प्रदीप्त थी। उनकी वक्तृता ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को भी प्रभावित किया था। नेहरू जी ने उनको बधाई देते हुए यह आशीष दिया था कि एक दिन आप भारत के प्रधानमंत्री बनेंगे। नेहरू जी की वह भविष्यवाणी सिद्ध हुई। अरवल के विधायक मनोज शर्मा, अचल सिन्हा, डा शैलेश कुमार सिंह, अजीत चौधरी, जनार्दन शर्मा योगी, सुनील सिन्हा आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अतिथियों का स्वागत संस्थान के अध्यक्ष डा विनोद शर्मा ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन अधिवक्ता डा कौशलेन्द्र नारायण ने किया। इस अवसर पर, वरिष्ठ साहित्यकार डा शंकर प्रसाद, डा कल्याणी कुसुम सिंह, प्रो बलिराज ठाकुर, ब्रजेंद्र कुमार सिन्हा, डा नन्दजी दूबे, रामेश्वर सिंह 'विहान', आराधना प्रसाद, डा पूनम आनन्द, डा पूनम देवा, डा पुष्पा जमुआर, लोकनाथ तिवारी 'अनगढ़', डा रामाश्रय प्रसाद सिन्हा, डा अशोक कुमार, डा कामेश्वर पंकज, डा विपिन दूबे, उदय नारायण सिंह, डा ध्रुव कुमार, कुमार अनुपम, ईं अशोक कुमार, डा विद्या चौधरी, डा प्रतिभा रानी, डा रेणु शर्मा, शशि भूषण कुमार, डा अरुण कुमार निराला, देशबंधु शर्मा, मोहन फ़तहपुरी, डा आलोक कुमार, ईं आनन्द किशोर मिश्र, सुधीर मधुकर,मिश्र, प्रवीर कुमार पंकज,डा मनोज गोवर्धनपुरी, पं उमेश इन्दु भूषण सहाय, डा अर्चना त्रिपाठी, डा नीतू सिंह, अनीता मिश्र सिद्धि , रेणु मिश्रा, नमिता लोहानी, नीरव समदर्शी, सुनील कुमार आदि हिन्दी-सेवियों को 'अटल साहित्यकार सम्मान' से विभूषित किया गया। मंच का संचालन आश्रिती शर्मा ने किया।

मंत्री के आवास पर आयोजित महामृत्युंजय जाप एवं पूजन कार्यक्रम में नीतीश कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार आज बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी के आवास पर आयोजित महामृत्युंजय जाप एवं पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर नीतीश कुमार ने विधिवत पूजा-अर्चना की तथा भगवान शिव से प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने सभी के मंगलमय जीवन और बिहार की निरंतर प्रगति के लिए प्रार्थना की। धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण में आयोजित इस पूजन में उपस्थित लोगों ने भी नीतीश कुमार का आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर बिहार सरकार के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उप-नेता ललन कुमार सर्राफ एमएलसी भी साथ रहे।

संक्षिप्त समाचार

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने हेक्टर टोमहॉक को लॉन्च किया

पटना। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने हेक्टर टोमहॉक का अनावरण किया। यह एडवांस्ड ड्राइव आर्किटेक्चर प्लेटफॉर्म टेक्नोलॉजी और भारत के पहले मल्टी-न्यू एनर्जी व्हीकल प्लेटफॉर्म पर इंजीनियर किया गया पहला उत्पाद है। यह इंटेलीजेंट तकनीक, प्रीमियम आराम, उन्नत सुरक्षा और एलेक्ट्रिफाइड परफॉर्मेंस का बेजोड़ संगम है। एमजी हेक्टर टोमहॉक को इलेक्ट्रिक व्हीकल और प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल दोनों पॉवरट्रेन विकल्पों के साथ पेश किया जा रहा है। पार्थ जिंदल, निदेशक, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने कहा कि हेक्टर टोमहॉक इलेक्ट्रिक व्हीकल और हेक्टर टोमहॉक प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल की शुरूआत नई पीढ़ी के मोबिलिटी समाधानों की एक विविध पोर्टफोलियो पेश करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है जो ग्राहकों की बदलती जरूरतों और ड्राइविंग पैटर्न को भी पूरा कर रही है। अनुराग मेहरोत्रा, प्रबंध निदेशक, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने कहा कि मोबिलिटी का भविष्य केवल एक तकनीकी समाधान द्वारा परिभाषित नहीं किया जाएगा, बल्कि ग्राहकों को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप मार्ग चुनने की स्वतंत्रता प्रदान करके किया जाएगा।

जनप्रतिनिधियों की सुविधाओं पर खर्च का हो हिसाब : डॉ. पटेल

फतुहा। भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने जनप्रतिनिधियों को मिलने वाली सरकारी सुविधाओं पर होने वाले खर्च की समीक्षा की मांग की है। उन्होंने कहा कि देश में गरीब परिवार आज भी पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जबकि सरकारी खजाने से जनप्रतिनिधियों की सुविधाओं पर भारी राशि खर्च होती है। डॉ. पटेल ने कहा कि सांसद और विधायक जनता के सेवक हैं। उन्हें आवश्यक सुविधाएं मिलनी चाहिए, लेकिन सरकारी धन के उपयोग में मितव्ययिता और पारदर्शिता जरूरी है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों की सुविधाओं के स्वतंत्र ऑडिट और खर्च का पूरा विवरण सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने कहा कि सुविधाओं में तार्किक कटौती से बचाई गई राशि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार और पेयजल जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं पर खर्च की जानी चाहिए। सरकारी धन जनता की अमानत है और जनप्रतिनिधियों को उसका हिसाब जनता को देना चाहिए।

हनुमान जी और भोलेनाथ की भक्ति में झूमा आश्रय ओल्ड एज होम परिवार

पटना। सावन के पावन अवसर पर आश्रय ओल्ड एज होम परिसर में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। हनुमान जी और भगवान भोलेनाथ की भक्ति से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा। भक्ति गीतों पर बुजुर्गों सहित उपस्थित लोग झूमते, तालियां बजाते और भजनों के साथ गुनगुनाते नजर आए। पटना के प्रसिद्ध गायक संजीत कुमार यशस्वी, रवीश मिश्रा, अरविंद कुमार रंजन और निराला ने भक्ति गीतों की शानदार प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। बुजुर्गों ने कहा कि ऐसे आयोजन उन्हें मानसिक प्रसन्नता और नई ऊर्जा प्रदान करते हैं तथा कुछ समय के लिए अपने दुख-दर्द भूलकर ईश्वर की भक्ति में लीन होने का अवसर देते हैं। आश्रय ओल्ड एज होम के सचिव राकेश कुमार ने आयोजन के लिए इनर व्हील क्लब की सदस्यों और कलाकारों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम बुजुर्गों में उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। कार्यक्रम का आयोजन इनर व्हील क्लब ऑफ पटना सत्या, दानापुर आशियाना पटना, प्रेरणा पटना, पाटलिपुत्रा ध्वनि, पटना सेंट्रल, पटना नव्या और अरावली पटना के संयुक्त सहयोग से हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विभा चरण पहाड़ी, आयोजक विनीता सागर सहित क्लब की सदस्याएं और आश्रय परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

बाबा पशुपतिनाथ मंदिर में आयोजित हुआ सावन महोत्सव

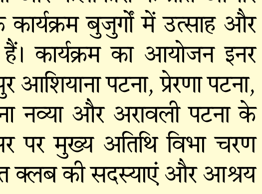

पटना। राजधानी के अनिसाबाद, वाशिष्ठ कॉलनी स्थित बाबा पशुपतिनाथ मंदिर से सावन के पावन माह में सावन महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के तमाम भक्तगण शामिल हुए.। इस अवसर पर हरे परिधानों में सजी महिलाओं ने भगवान शिव और माता पार्वती के गीत गाकर शमा बांध दिया। इस अवसर पर महिला मंडली से स्वाति सिंह,आरती सिन्हा, आरती पाठक, पूनम देवी, रंजीता, नीलम, सहित अन्य महिला भक्तगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान बाबा पशुपतिनाथ शिव मंदिर सञ्चालन समिति के सदस्यों के द्वारा बाबा पशुपतिनाथ का विशेष श्रृंगार और पूजन किया गया। इस अवसर पर विशेष पूजा अर्चना का आयोजन हुआ और भगवन शिव से सभी के सुख-समृद्धि की कामना की गई।

जिले के विभिन्न क्षेत्रों में धूमधाम से निकाला गया जुलूस-ए-मोहम्मदी

नई सोच एक्सप्रेस

हाजीपुर/महुआ/महनार/पातेपुर (वैशाली)। जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी के पावन अवसर पर वैशाली जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं गांवों में जुलूस-ए-मोहम्मदी पूरी अकीदत, सम्मान, उत्साह एवं शांतिपूर्ण वातावरण में निकाला गया। इस दौरान बड़ी संख्या में अकीदतमंदों की भीड़ उमड़ी। विशेष रूप से युवाओं ने पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद की विलादत की खुशी में जुलूस-ए-मोहम्मदी में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर जिले के बिदुपुर प्रखंड क्षेत्र स्थित मदरसा दारुल कुरआन गौसिया, किला लरुई, हाजीपुर, वैशाली के तत्वावधान में छमाही परीक्षा भी हजरत मौलाना मोहम्मद तबारक हुसैन अमजदी कादरी साहब एवं हाफिज मोहम्मद अरशद रज़ा साहब की निगरानी में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस खुशी और उत्साह से भरे माहौल में मदरसा दारुल कुरआन गौसिया के परिसर में मदरसा के सचिव डॉ. मोहम्मद जमाल अंसारी के संरक्षण एवं हाफिज मोहम्मद खतीब आजम साहब की अध्यक्षता में बीती शाम महफिल-ए-पाक का आयोजन किया गया। जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर सुबह 8:30 बजे मदरसा परिसर से जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया, जो फलहारा बाजार, काशीपुर तेतरा होते हुए पुनः मदरसा परिसर पहुंचा। जुलूस के दौरान अकीदतमंदों की जुबान पर नारा-ए-तकबीर, नारा-ए-रिसालत, सरकार की आमद मरहबा, पत्ती-पत्ती फूल-फूल या रसूल या रसूल जैसे नारे गूंजते रहे। जुलूस में शामिल लोग अपने हाथों में तिरंगा एवं इस्लामी झंडे लिए हुए नजर आए। पूरे रास्ते श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना रहा। इसके बाद मदरसा के बच्चों का उत्साहवर्धन किया गया तथा डॉ. मोहम्मद जमाल अंसारी के हाथों बच्चों के बीच धार्मिक पुस्तकों का पुरस्कार के रूप में वितरण किया गया। इस अवसर पर मोहम्मद चांद रज़ा अशरफी, गुलाम गौस, मौलाना मोहम्मद सरफराज, मोहम्मद नियाज अहमद, भुट्टो भाई, अब्दुल मन्नान सहित सैकड़ों की संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। वहीं जंदाहा प्रखंड क्षेत्र के रसूलपुर गांव में भी रसूलपुर मुस्लिम टोला की ओर से जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। इसमें मौलवी मोहम्मद रोज़ीद अंसारी, नूर मोहम्मद, मोहम्मद अशरफ, मोहम्मद नाजिम अंसारी, मोहम्मद सुल्तान, मोहम्मद नूर ऐन, मोहम्मद अजमत, मोहम्मद रहमत, मोहम्मद अली हसन, मोहम्मद मोइनुद्दीन, मोहम्मद अकबर अली, मोहम्मद समद सहित सैकड़ों लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में निकाले गए जुलूस-ए-मोहम्मदी के दौरान लोगों ने आपसी भाईचारे, शांति एवं सौहार्द का संदेश दिया और पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद की शिक्षाओं को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

इनर व्हील क्लब ऑफ पटना ने मनाया 26वाँ अधिष्ठापन समारोह एवं जिला चेयरमैन का आधिकारिक दौरा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। इनर व्हील क्लब ऑफ पटना, डिस्ट्रिक्ट 325 द्वारा 26वाँ अधिष्ठापन समारोह एवं जिला चेयरमैन श्रीमती प्रियंका कुमार का आधिकारिक दौरा 26 अगस्त 2026 को होटल चाणक्य, पटना में गरिमापूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह के साथ क्लब के 2026–27 कार्यकाल की नई टीम ने कार्यभार संभाला। श्रीमती अंजू गुप्ता ने अध्यक्ष, डॉ. माला सिंह ने सचिव तथा श्रीमती अंतरा मित्रा ने क्लब एडिटर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। क्लब की गतिविधियों, सेवा परियोजनाओं एवं उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से दस्तावेजित और जन-जन तक पहुँचाने की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई। क्लब एडिटर श्रीमती अंतरा मित्रा ने कहा कि "किसी भी सेवा कार्य की सफलता तभी सार्थक होती है, जब उसकी सकारात्मक कहानी समाज तक पहुँचे। मेरा प्रयास रहेगा कि क्लब की प्रत्येक पहल, उपलब्धि और प्रेरक कार्य को प्रभावी एवं संवेदनशील ढंग से लोगों तक पहुँचाया जाए।" उन्होंने आगे कहा कि "हमारा उद्देश्य केवल गतिविधियों का दस्तावेजीकरण करना नहीं, बल्कि इन प्रयासों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को सेवा और सामाजिक परिवर्तन से जोड़ना है।" इस अवसर पर क्लब द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण सेवा परियोजनाएँ आयोजित की गईं, जिससे स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, आजीविका एवं सामुदायिक कल्याण के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया।

नारायण हेल्थ और माँ वैष्णो देवी सेवा समिति के बीच स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर हुआ महत्वपूर्ण एमओयू (MoU)

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। माँ वैष्णो देवी सेवा समिति एवं माँ ब्लड सेंटर परिवार के मानवतावादी और सामाजिक सेवा कार्यों को आध्यात्मिक शक्ति प्रदान करते हुए परम पूज्य गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी ने समिति को अपना विशेष आशीर्वचन दिया। गुरुदेव ने समिति द्वारा चलाए जा रहे सेवा अभियानों की सराहना करते हुए कहा कि मानव कल्याण का यह पुण्य कार्य निर्बाध गति से आगे बढ़ता रहना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने ध्यान और मेडिटेशन के माध्यम से बिहार के नागरिकों को मानसिक तनाव और चिंता से मुक्त करने की दिशा में भी सामूहिक प्रयास करने का आग्रह किया। इस विशेष अवसर पर समिति की ओर से नारायण हेल्थ के संस्थापक एवं अध्यक्ष (पद्म श्री व पद्म भूषण से सम्मानित) डॉ. देवी प्रसाद शेट्टी तथा डॉ. सुनील भट्ट को सम्मानित किया गया। यह सम्मान बेंगलुरु में बिहार के 33 थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के सफल बोन मैरो ट्रांसप्लांट में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया। कार्यक्रम के दौरान बिहार के 90 से अधिक अन्य थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों—जिनके सगे भाई-बहनों का बोन मैरो 100% मैच हो चुका है—के सुरक्षित एवं त्वरित बोन मैरो ट्रांसप्लांट की योजना पर डॉ. शेट्टी, डॉ. भट्ट और उनकी विशेषज्ञ टीम के साथ विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। नारायण हेल्थ के साथ ऐतिहासिक एमओयू (MoU) समिति ने जानकारी दी कि इस अवसर पर नारायण हेल्थ, बेंगलुरु के साथ एक महत्वपूर्ण एमओयू (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहतः माँ वैष्णो देवी सेवा समिति और माँ ब्लड सेंटर में निस्वार्थ सेवा दे रहे स्वयंसेवकों एवं उनके परिजनों को नारायण हेल्थ में इलाज में प्राथमिकता दी जाएगी। कार्यक्रम में समिति की ओर से मुकेश हिसारिया, रामकृष्ण कुमार, राजकमल और सूरज भारती उपस्थित रहे। समिति परिवार ने पूज्य गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी, डॉ. देवी प्रसाद शेट्टी, डॉ. सुनील भट्ट और नारायण हेल्थ की पूरी टीम का आभार व्यक्त किया। अंत में समिति ने संकल्प दोहराया कि रक्तदान, थैलेसीमिया उन्मूलन और जनसेवा के इस अभियान को भविष्य में और अधिक व्यापक स्तर पर ले जाया जाएगा।

एम. पी. जैन

बच्चों की प्रतिभा को मिलेगा मंच, 30 अगस्त को आयोजित होगा 'श्री कृष्ण महोत्सव 4.0'

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। श्री कृष्ण महोत्सव ट्रस्ट (प्रभु आहार फाउंडेशन द्वारा संचालित) के तत्वावधान में बच्चों में भारतीय संस्कृति, रचनात्मकता एवं आध्यात्मिक मूल्यों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'श्री कृष्ण महोत्सव 4.0' का आयोजन 30 अगस्त 2026, रविवार को किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए संयोजक एम पी जैन ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ भगवान श्री कृष्ण के आदर्शों और भारतीय संस्कृति से जोड़ना है। महोत्सव का आयोजन प्रातः 11 बजे से शाम 5 बजे तक बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, खेमचंद चौधरी मार्ग, अंटाघाट, पटना में होगा। कार्यक्रम में बच्चों के लिए 'श्री कृष्ण-राधा रूप-सज्जा प्रतियोगिता' विशेष आकर्षण का केंद्र होगी। इसमें बच्चे अपनी पसंद के श्री कृष्ण अथवा राधा का रूप धारण कर अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता एवं आत्मविश्वास का प्रदर्शन करेंगे। इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम, आकर्षक पुरस्कार एवं सम्मान समारोह, भव्य श्री कृष्ण जन्मोत्सव तथा विशेष दही हांडी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव में बच्चों एवं अभिभावकों के लिए प्रसाद एवं सांध्यकालीन भोजन की भी व्यवस्था रहेगी। आयोजकों ने बताया कि इस आयोजन के माध्यम से बच्चों को मनोरंजन के साथ भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। आयोजकों ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने की अपील की है। इच्छुक प्रतिभागी अपने विद्यालय अथवा अभिभावक के माध्यम से पंजीकरण करा सकते हैं।

एडवांस्ड एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी में एम्स पटना का रिकॉर्ड

नई सोच एक्सप्रेस

» पाँच या उससे अधिक लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स उपलब्धियाँ हासिल करने वाला बना देश का पहला संस्थान

पटना। जहां सर्जरी का चीरा महज 1.5-2 सेंटीमीटर था वहीं उपलब्धि 8 सेंटीमीटर की थी। एडवांस्ड एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी के क्षेत्र में एम्स पटना ने एक ऐसी उपलब्धि हासिल की है जिसने अत्याधुनिक न्यूरोसर्जरी में संस्थान की पहचान को नई ऊंचाई दी है। एम्स पटना में 8 सेंटीमीटर की विशाल हर्नियेटेड डिस्क को एक ही टुकड़े में सफलतापूर्वक निकालने की इस जटिल सर्जरी को लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में आधिकारिक रूप से दर्ज किया गया है। यह ऐतिहासिक प्रक्रिया एम्स पटना के न्यूरोसर्जरी विभाग के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. सरज कुमार सिंह के नेतृत्व में अत्याधुनिक एंडोस्कोपिक तकनीक से की गई। इस उपलब्धि के साथ एम्स पटना इस तरह की एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी में लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज होने वाला देश का पहला संस्थान बन गया है। बिहार पुलिस में इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत मरीज की सर्जरी में केवल 1.5-2 सेंटीमीटर का चीरा लगाया गया। विशेष एंडोस्कोप के माध्यम से मांसपेशियों को सुरक्षित रखते हुए प्रभावित हिस्से तक पहुंच बनाई गई। आवश्यक हड्डी को सावधानीपूर्वक ड्रिल करने के बाद नसों और डिस्क की पहचान की गई। नसों को सुरक्षित रखते हुए पूरी 8 सेंटीमीटर लंबी डिस्क को एक ही टुकड़े में बाहर निकाला गया। इस दौरान रक्तस्राव बेहद कम हुआ और आसपास के ऊतकों को भी न्यूनतम नुकसान पहुंचा। डॉ. सरज कुमार सिंह ने बताया कि एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी आधुनिक स्पाइन सर्जरी की अत्याधुनिक तकनीकों में से एक है। इसमें बहुत छोटे चीरे से रीढ़ तक पहुंच बनाई जाती है जिससे मांसपेशियों और आसपास के ऊतकों को अधिकतम सुरक्षित रखा जा सकता है। इससे रक्तस्राव, ऑपरेशन के बाद का दर्द और रिकवरी का समय कम करने में मदद मिलती है। यह उपलब्धि डॉ. सरज कुमार सिंह और एम्स पटना की न्यूरोसर्जिकल उपलब्धियों की लंबी श्रृंखला में एक और महत्वपूर्ण अध्याय है। इससे पहले डॉ. सरज कुमार सिंह ने 2.280 किलोग्राम (2,280 ग्राम) वजन के मस्तिष्क ट्यूमर को सफलतापूर्वक निकालकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। इसके अलावा उन्होंने रीढ़ से सबसे लंबे फॉरेन बॉडी, सबसे बड़े स्कल बोन ट्यूमर, सबसे बड़े आई ट्यूमर और सबसे बड़े ईयर ट्यूमर को निकालने के राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाए हैं। एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल ने कहा कि यह उपलब्धि एम्स पटना को एडवांस्ड, एंडोस्कोपिक और मिनिमली इनवेसिव स्पाइन सर्जरी के उत्कृष्ट केंद्र के रूप में और मजबूत करती है। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से जटिल स्पाइन सर्जरी अब बिहार और पड़ोसी राज्यों के मरीजों के लिए उनके अपने क्षेत्र में ही उपलब्ध हो रही है।

हिमालया बेबीकेयर ने प्योर बिगिनिंग्स घी गिफ्ट पैक पेश किया

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। हिमालया बेबीकेयर ने अपने नए हिमालया बेबीकेयर प्योर बिगिनिंग्स घी गिफ्ट पैक के लिए एआई से तैयार किया गया नया डीवीसी लॉन्च किया है। तकनीक आधारित कहानी कहने, सांस्कृतिक जुड़ाव और प्रीमियम प्रोडक्ट पोजिशनिंग के माध्यम से हिमालया बेबीकेयर नवजात शिशुओं के लिए तेजी से विकसित हो रही गिफ्टिंग श्रेणी में अपनी उपस्थिति को और मजबूत कर रहा है। कैंपेन के बारे में बात करते हुए एनवी चक्रवर्ती, डायरेक्टर, बेबीकेयर, हिमालया वेलनेस कंपनी ने कहा कि हिमालया बेबीकेयर में हमारा मानना है कि शिशु का पहला उपहार सोच-समझकर चुना गया, शुद्ध और वास्तव में खास होना चाहिए, क्योंकि यह नवजात शिशु के आगमन पर मिलने वाले प्यार और देखभाल को दर्शाता है। प्योर बिगिनिंग्स घी गिफ्ट पैक के माध्यम से हमारा उद्देश्य एक ऐसा अलग और विशिष्ट विकल्प तैयार करना था, जिसमें प्रीमियम प्रस्तुति, सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक अवयव और भरोसेमंद बेबीकेयर उत्पाद एक ही सोच-समझकर तैयार किए गए फॉर्मेट में शामिल हों। इस कैंपेन में एआई आधारित स्टोरीटेलिंग का इस्तेमाल आज के डिजिटल रूप से जुड़े माता-पिता के साथ बेहतर जुड़ाव रखने वाले नए क्रिएटिव तरीकों को तलाशने के हमारे प्रयास को भी दर्शाता है, जबकि इसकी भावनात्मक प्रामाणिकता को बरकरार रखा गया है।

दानापुर मंडल में "प्रोजेक्ट रेल साथी" के अंतर्गत चलाया गया जन जागरूकता अभियान

नई सोच एक्सप्रेस

» बच्चों को प्रोत्साहित करने हेतु दिया गया उपहार

पटना। दानापुर मंडल में "प्रोजेक्ट रेल साथी" अभियान के अंतर्गत स्थानीय लोगों से संवाद स्थापित किया जा रहा है। यह अभियान रेलवे पटरियों और स्टेशनों के आसपास रहने वाले समुदायों के साथ विश्वास और साझेदारी बनाने के उद्देश्य की पूर्ति के लिए एक सामुदायिक पुलिसिंग पहल है। इस पहल के मूल में रेलवे और आसपास के समुदायों के बीच की दूरी को पाटना और यह संदेश पहुंचाना है कि रेलवे कोई बाहरी या दूर की संस्था नहीं, बल्कि उनके अपने समुदाय और रोजमर्रा की जिंदगी का अभिन्न हिस्सा है। इसलिए रेलवे संपत्ति की सुरक्षा करना, ट्रेनों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना और पत्थरबाजी, अनधिकृत प्रवेश तथा अवरोध जैसी गतिविधियों को रोकना रेल प्रशासन, यात्रियों और स्थानीय निवासियों सभी के सामूहिक हित की बात है। प्रोजेक्ट रेल साथी के तहत आरपीएफ कर्मी, बच्चों, युवाओं, अभिभावकों, स्थानीय प्रतिनिधियों और समुदाय के अन्य सदस्यों के साथ संवाद, जागरूकता कार्यक्रमों, खेलकूद और अन्य सहभागी गतिविधियों के माध्यम से सीधे जुड़ रहे हैं। इस अभियान का जोर संवाद, विश्वास निर्माण और रेलवे सुरक्षा के प्रति साझा जिम्मेदारी की भावना विकसित करने पर है। इस पहल से समुदायों के भीतर "रेल साथियों" का एक नेटवर्क तैयार करने की योजना भी है, जो असुरक्षित गतिविधियों को हतोत्साहित कर सकें, अपने साथियों के बीच जागरूकता फैला सकें और आरपीएफ के साथ समय पर जानकारी साझा कर सकें। इसी क्रम में दिनांक 25.08.2026 (मंगलवार) को दानापुर रेलवे स्टेशन के समीप स्थित जगजीवन स्टेडियम के आसपास के क्षेत्र में रहने वाले बच्चों एवं अभिभावकों को सामूहिक रूप से विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से उन्हें विभिन्न सुरक्षात्मक पहलुओं से अवगत कराया गया तथा इस जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित विभिन्न गतिविधियों जैसे, म्यूजिकल चेयर, रनिंग इत्यादि में भाग लेने वाले लगभग 100 बच्चों को प्रोत्साहित करने हेतु उन्हें उपहार एवं अल्पाहार भी दिए गए। इस अवसर पर आरपीएफ के सहायक सुरक्षा आयुक्त/पटना प्रियरंजन एवं निरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल/दानापुर पी के बरनवाल सहित बड़ी संख्या में आरपीएफ के सुरक्षा कर्मी तथा स्थानीय लोग उपस्थित थे।

युवाओं के समस्याओं को गम्भीरता से ले सरकार - प्रेम कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार में बीपीएससी एवं टी आर 4 को लेकर आंदोलनरत छात्र-युवाओं और अभ्यर्थियों की न्यायपूर्ण मांगों के समर्थन में प्रेम यूथ फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने कहा कि राज्य सरकार की गलत नीतियों, भर्ती प्रक्रियाओं में लगातार हो रही देरी और स्पष्टता , पेपर लीक , युवाओ के लिए ठोस नीति के अभाव के कारण आज बिहार का युवा अपने भविष्य को लेकर सड़कों पर उतरने को मजबूर है। रोजगार, शिक्षक भर्ती एवं प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर सरकार की उदासीनता युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि बीपीएससी एवं टी आर 4 को लेकर अभ्यर्थियों का आंदोलन केवल किसी एक परीक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बिहार की पूरी भर्ती व्यवस्था में व्याप्त अनिश्चितता, देरी और पारदर्शिता की कमी के खिलाफ छात्र-युवाओं का आक्रोश है। टी आर 4 अभ्यर्थी परीक्षा प्रक्रिया में स्पष्टता, भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता, परीक्षा से जुड़े नियमों पर स्पष्ट निर्णय तथा अभ्यर्थियों की न्यायपूर्ण मांगों के समाधान की मांग कर रहे हैं। उन्होंने ने सरकार को चेताते हुये कहा कि आज बिहार का युवा केवल आश्वासन नहीं, बल्कि समय पर परीक्षा, निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया, समयबद्ध परिणाम और निश्चित नियुक्ति चाहता है। विभिन्न भर्ती प्रक्रियाओं में लगातार हो रही देरी के कारण हजारों युवा वर्षों से नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। सरकार को भर्ती प्रक्रियाओं को अनावश्यक रूप से लंबित रखने की अपनी कार्यशैली पर रोक लगानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आंदोलनरत अभ्यर्थियों की आवाज को केवल कानून-व्यवस्था का विषय मानने के बजाय सरकार को उनकी वास्तविक समस्याओं और भविष्य की चिंता को समझना चाहिए। छात्र-युवाओं के प्रतिनिधियों के साथ तत्काल संवाद स्थापित कर बीपीएससी एवं टी आर 4 से जुड़े सभी लंबित एवं विवादित मुद्दों का स्पष्ट, न्यायपूर्ण और सकारात्मक समाधान किया जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि बिहार के युवाओं के धैर्य की परीक्षा लेना बंद करे सरकार। रोजगार और भर्ती के मुद्दे पर सरकार को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। छात्र-युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि सरकार ने समय रहते अभ्यर्थियों की न्यायपूर्ण मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया, तो छात्र-युवा समाज लोकतांत्रिक तरीके से अपने आंदोलन को और व्यापक बनाने के लिए बाध्य होगा।

संक्षिप्त समाचार

सुगांव मन में डूबने से 20 वर्षीय युवक की मौत, तीन घंटे की मशक्कत के बाद बरामद हुआ शव

मोतीहारी। सुगौली प्रखंड के सुगांव मन में मंगलवार की देर शाम डूबने से 20 वर्षीय युवक कुंदन कुमार की मौत हो गई। मृतक सुगांव निवासी लड्डू लाल मिश्र का पुत्र बताया गया है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर जुट गए और युवक की तलाश शुरू कर दी। स्थानीय लोगों ने करीब तीन घंटे तक मन के पानी में कड़ी मशक्कत कर युवक की तलाश की। काफी प्रयास के बाद कुंदन कुमार का शव पानी से बरामद किया गया। शव मिलने की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया, जबकि गांव में मातम पसरा रहा। घटना की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया और बाद में परिजनों को सौंप दिया। युवक की मौत से परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल बना हुआ है।

शिक्षा में बदलाव की नई कहानी लिख रहा टीचर्स ऑफ बिहार

पटना। सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और शिक्षकों को नवाचार व डिजिटल संसाधनों से जोड़ने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स सशक्त मंच के रूप में उभर रहा है। मंच के माध्यम से शिक्षक अपने उत्कृष्ट कार्य, नई शिक्षण विधियां और गतिविधियां साझा कर एक-दूसरे से सीख रहे हैं। मंच द्वारा विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं, शैक्षणिक गतिविधियों, डिजिटल शिक्षण सामग्री और ई-पत्रिकाओं के जरिए सीखने के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। गतिविधि आधारित शिक्षण, परियोजना कार्य और शिक्षण सहायक सामग्री के माध्यम से सरकारी स्कूलों में हो रहे बेहतर प्रयासों को भी मंच पहचान और व्यापक स्तर पर पहुंच दे रहा है। टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने बताया कि मंच का उद्देश्य शिक्षकों के अनुभवों को साझा कर शिक्षा में सकारात्मक बदलाव लाना है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के सामूहिक प्रयास और नवाचार से ही सरकारी विद्यालयों की तस्वीर बदली जा सकती है।

बिजली विभाग द्वारा बिलों में अज्ञात मद की कटौती से उपभोक्ता परेशान

पटना। स्मार्ट प्रीपेड मीटर वाले करीब 5.06 लाख घरेलू उपभोक्ताओं के खातों से बिजली कंपनी ने एकमुश्त करोड़ों रुपये की राशि काटने की खबर सामने आई है। कई उपभोक्ताओं के खाते से 600 से 1500 रुपये तक कटे हैं। मोबाइल पर सिर्फ 'इनवॉइस सेटलमेंट' का मैसेज आया, लेकिन किस मद में कितनी रकम कटी, इसकी जानकारी नहीं दी गई। बिजली कंपनी के मुताबिक, बिलिंग सॉफ्टवेयर में बदलाव के कारण जून से फिक्स्ड चार्ज की नियमित कटौती रुक गई थी। अब नया रेवेन्यू मैनेजमेंट सिस्टम (RMS) लागू होने के बाद जून, जुलाई और अगस्त की रुकी हुई राशि का एकमुश्त सेटलमेंट किया गया है। पेसू क्षेत्र में 7.61 लाख उपभोक्ता हैं, जिनमें लगभग 6.33 लाख के यहां स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगे हैं। कंपनी के अनुसार, कटौती में फिक्स्ड चार्ज के अलावा स्वीकृत लोड से अधिक खपत की पेनाल्टी जैसी राशि भी शामिल हो सकती है। हालांकि, उपभोक्ताओं की सबसे बड़ी शिकायत मदवार ब्रेकअप नहीं मिलने को लेकर है। इससे कई लोग कटौती की वजह समझने के लिए बिजली कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं।

बीआईए की वार्षिक आमसभा में शामिल होंगी उद्योग मंत्री

पटना। बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने महासचिव अमरनाथ जायसवाल के नेतृत्व में उद्योग मंत्रीश्रेयसी सिंह से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के आगामी वार्षिक समारोह में पधारने हेतु औपचारिक आमंत्रण दिया। मंत्री ने एसोसिएशन के आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए वार्षिक समारोह में अपनी उपस्थिति प्रदान करने की सहमति व्यक्त की। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने बिहार के औद्योगिक विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर मंत्री का ध्यान आकृष्ट कराया तथा उद्योग जगत की समस्याओं, अपेक्षाओं और सुझावों से उन्हें अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने विशेष रूप से मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली उद्यमी पंचायत को पुनः प्रारंभ कराने का अनुरोध किया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि उद्यमी पंचायत के माध्यम से राज्य के उद्यमियों को अपनी समस्याओं एवं सुझावों को सीधे मुख्यमंत्री के समक्ष रखने तथा उनके त्वरित समाधान का प्रभावी मंच प्राप्त होता रहा है। उद्योग मंत्री ने इस संबंध में सकारात्मक आश्वासन देते हुए कहा कि वह स्वयं मुख्यमंत्री से मिलकर उद्यमी पंचायत को पुनः प्रारंभ करने का अनुरोध करेंगी। उद्योग मंत्री ने यह भी जानकारी दी कि राज्य सरकार उद्योग जगत के साथ नियमित संवाद एवं समन्वय को और अधिक प्रभावी बनाना चाहती है। इसके लिए उन्होंने प्रत्येक माह राज्य के विभिन्न औद्योगिक संगठनों के साथ बैठक आयोजित कर उनकी समस्याओं, सुझावों एवं अपेक्षाओं को सुनने तथा उनके समाधान के लिए आवश्यक निर्णय लेने की अपनी मंशा व्यक्त की। इस संदर्भ में बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की ओर से सुझाव दिया गया कि उद्योग मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली ऐसी मासिक बैठक के लिए प्रत्येक माह के तीसरे बुधवार का दिन निर्धारित कर दिया जाए, ताकि उद्योग संगठनों और सरकार के बीच नियमित एवं संस्थागत संवाद सुनिश्चित हो सके।

संभावित बाढ़ को लेकर प्रशासन अलर्ट, तटबंधों और राहत केंद्रों पर रहेगी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा। नेपाल के कैचमेंट एरिया से पानी छोड़े जाने के बाद संभावित बाढ़ की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। डीएम वैभव श्रीवास्तव ने समाहरणालय में अधिकारियों के साथ बैठक कर बाढ़ से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को पूरी तत्परता के साथ अपने-अपने क्षेत्र में निगरानी रखने का निर्देश दिया। डीएम ने सभी बीडीओ को संवेदनशील इलाकों में लगातार माइकिंग कराने और लोगों को सतर्क करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोगों में किसी तरह का पैनिक नहीं होना चाहिए। जिला प्रशासन की ओर से जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने की अपील की गई। डीएम ने तटबंधों के संवेदनशील और अति संवेदनशील स्थलों की पहचान कर लगातार निगरानी करने का निर्देश दिया। इन स्थानों पर बालू, बोरा, गैबियन और अन्य जरूरी सामग्री पर्याप्त मात्रा में रखने को कहा गया। अभियंताओं को तटबंधों का निरीक्षण कर जहां मरम्मत की जरूरत हो, वहां तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। सभी प्रखंडों में संभावित सामुदायिक किचन, राहत केंद्र और ऊंचे सुरक्षित स्थान पहले से चिन्हित करने को कहा गया। सूखा राशन, गैस, टेंट-पंडाल और जनरेटर की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। डीएम ने नाव परिचालन में सुरक्षा को प्राथमिकता देने को कहा। अंधेरे में नाव नहीं चलाने, ओवरलोडिंग रोकने और नावों पर लाइफ जैकेट समेत जरूरी सुरक्षा उपकरण उपलब्ध रखने का निर्देश दिया गया। स्वास्थ्य विभाग को मेडिकल टीमों को अलर्ट रखने और एंटी-वेनम, जीवनरक्षक दवाओं, क्लोरीन टैबलेट व ब्लीचिंग पाउडर की पर्याप्त व्यवस्था रखने को कहा गया। पथ निर्माण विभाग को बाढ़ या जलजमाव से सड़क क्षतिग्रस्त होने पर तत्काल मरम्मत के लिए टीम तैयार रखने का निर्देश दिया गया। पुलिस अधीक्षक रोशन कुमार ने थाना प्रभारियों को चौकीदारों को सक्रिय रखने और वायरलेस, मोबाइल व व्हाट्सऐप समेत सभी संचार माध्यमों को सुचारु रखने का निर्देश दिया। डीएम ने कहा कि संभावित बाढ़ की स्थिति में पूर्व तैयारी ही सबसे प्रभावी बचाव है। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें और आम लोगों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

संस्कृत युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त माध्यम : प्रो. अर्कनाथ चौधरी

नई सोच एक्सप्रेस

दरभंगा। श्रीरामसुन्दर संस्कृत विश्वविद्यालय प्रतिष्ठानम् एवं केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को संस्कृत सप्ताह के तहत "युवशक्तिविकासाय संस्कृतस्य महत्त्वम्" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित हुई। वक्ताओं ने संस्कृत को युवाओं के ज्ञान, संस्कार, व्यक्तित्व एवं कौशल विकास का सशक्त माध्यम बताया। पूर्व कुलपति प्रो. अर्कनाथ चौधरी ने कहा कि संस्कृत भारतीय संस्कृति एवं ज्ञान-विज्ञान की आधारभूत भाषा है। उन्होंने युवाओं की आत्मशक्ति, मानसिक शक्ति एवं शारीरिक शक्ति के विकास पर बल दिया। डॉ. रामसेवक झा ने कहा कि संस्कृत युवाओं को ज्ञान और संस्कार देने के साथ रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों के अवसरों से भी जोड़ती है। कार्यक्रम में प्रो. दिलीप कुमार झा, डॉ. प्रियव्रत मिश्र सहित अन्य विद्वानों ने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. अर्कनाथ चौधरी ने ऑनलाइन माध्यम से की। इस अवसर पर शिक्षक, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बाबा पत्नेश्वर धाम में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुआ विशेष रुद्राभिषेक

नई सोच एक्सप्रेस

जमुई। बरहट प्रखंड क्षेत्र के प्रसिद्ध ऐतिहासिक बाबा पत्नेश्वर धाम मंदिर में बुधवार को भगवान भोलेनाथ का विशेष रुद्राभिषेक श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न कराया गया। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बाबा पत्नेश्वर नाथ की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। मंदिर के पुजारी राजीव पांडे, नीरज पांडे, सोनू पांडे एवं बालाजी मानस जी ने वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार भगवान शिव का रुद्राभिषेक कराया। पूजा-अर्चना में पंचमेवा, गंगाजल, दूध, दही, घी, शहद, बेलपत्र सहित अन्य पूजन सामग्रियों का प्रयोग किया गया। इस अवसर पर मंदिर के मुख्य पुजारी राजीव पांडे ने कहा कि रुद्राभिषेक करने से भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न होते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार रुद्राभिषेक से श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं तथा जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का संचार होता है। उन्होंने कहा कि सावन माह में रुद्राभिषेक का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। किऊल नदी के तट पर स्थित बाबा पत्नेश्वर धाम मंदिर बरहट प्रखंड ही नहीं, बल्कि पूरे जमुई जिले के प्रमुख आस्था केंद्रों में शामिल है। सावन माह के दौरान यहां हजारों श्रद्धालु भगवान शिव का जलाभिषेक और पूजा-अर्चना करने पहुंचते हैं। विशेष रुद्राभिषेक के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर श्रद्धालुओं के हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गूंजता रहा, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बन गया।

जहानाबाद में मोहम्मदी जुलूस की धूम, हजारों लोगों ने लिया हिस्सा

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। पैगंबर मोहम्मद साहब के 1500वें जन्मोत्सव के अवसर पर बुधवार को जहानाबाद शहर में भव्य मोहम्मदी जुलूस निकाला गया। जुलूस में हजारों की संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। शहर के विभिन्न चौक-चौराहों से गुजरता हुआ जुलूस अरवल मोड़ पहुंचा, जहां इसका समापन किया गया। मोहम्मदी जुलूस का नेतृत्व मोहम्मद आसिफ रजा ने किया। जुलूस के दौरान लोगों में खासा उत्साह और उमंग देखने को मिली। बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी ताकि जुलूस शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके। आयोजकों ने कहा कि मोहम्मदी जुलूस का उद्देश्य आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सौहार्द का संदेश देना है। इस दौरान लोगों से शांति, सद्भाव और आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील की गई। वहीं, पुलिस अधीक्षक के.किरण कुमार ने कहा कि जुलूस को लेकर प्रशासन की ओर से पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। पुलिस की सतर्कता और लोगों के सहयोग से जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। उन्होंने आयोजन में सहयोग करने वाले लोगों की सराहना करते हुए कहा कि जिले में शांति और सौहार्द बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

विलक्षण व्यक्तित्व की धनी थीं दादी प्रकाशमणि!

नई सोच एक्सप्रेस

फतुहा। एक महान हस्ती! सेवा, सादगी, करुणा और नेतृत्व की ऐसी मिसाल, जिसे राजनीति भी अपना ले तो समाज बदल सकता है। दादी प्रकाशमणि केवल एक आध्यात्मिक व्यक्तित्व नहीं थीं, बल्कि वे मानवता, प्रेम, अनुशासन, सेवा और कुशल नेतृत्व की ऐसी जीवंत मिसाल थीं, जिन्होंने अपने आचरण से हजारों-लाखों लोगों को प्रभावित किया। उनका जीवन यह संदेश देता था कि नेतृत्व पद, प्रतिष्ठा या अधिकार से नहीं, बल्कि व्यवहार, त्याग, विश्वास और सेवा से पैदा होता है। आज जब राजनीति में नेतृत्व को अक्सर सत्ता, सुरक्षा, सुविधाओं, पद और प्रचार से जोड़कर देखा जाता है, तब दादी प्रकाशमणि का जीवन एक बड़ा सवाल खड़ा करता है—क्या सार्वजनिक जीवन में आने वाला व्यक्ति पहले सेवक है या शासक? दादी जी का मानना था कि अपने आसपास लोगों की भीड़ खड़ी कर लेना नेतृत्व नहीं है। वास्तविक नेतृत्व वह है जिसमें लोग स्वयं को सुरक्षित, सम्मानित और विश्वास से भरा हुआ महसूस करें। यही कारण था कि उनके साथ रहने वाले लोग केवल अनुयायी नहीं थे, बल्कि स्वयं को परिवार का सदस्य समझते थे। **नेतृत्व का अर्थ—सबको साथ लेकर चलना:** दादी प्रकाशमणि की सबसे बड़ी विशेषता थी कि वे किसी को छोटा-बड़ा समझकर व्यवहार नहीं करती थीं। उनकी दृष्टि में प्रत्येक व्यक्ति के भीतर एक संभावना थी। वे लोगों को आदेश देने के बजाय उन्हें विश्वास, प्रेरणा और जिम्मेदारी देती थीं। आज की राजनीति के लिए यह सबसे बड़ा सबक है। राजनीतिक दलों में कार्यकर्ता अक्सर चुनाव के समय याद आते हैं और चुनाव समाप्त होते ही उनकी भूमिका सीमित हो जाती है। इसके विपरीत दादी जी ने संगठन को परिवार की तरह चलाने की संस्कृति विकसित की। उनका नेतृत्व यह सिखाता है कि कार्यकर्ता केवल नारा लगाने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि संगठन की आत्मा होता है। जिस नेतृत्व में कार्यकर्ता का सम्मान नहीं, वह नेतृत्व लंबे समय तक मजबूत नहीं रह सकता। **'मैं' नहीं, 'हम' की राजनीति:** दादी प्रकाशमणि की सोच का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष था—अहंकार से ऊपर उठकर सामूहिकता। आज सार्वजनिक जीवन में 'मैंने किया', 'मेरे कारण हुआ', 'मेरी उपलब्धि' जैसे शब्द तेजी से बढ़ रहे हैं। राजनीति में व्यक्तिगत प्रचार इतना बढ़ गया है कि कई बार जनसेवा पीछे और प्रचार आगे दिखाई देता है। दादी जी का जीवन इसके बिल्कुल विपरीत संदेश देता है। उनका व्यक्तित्व बताता है कि नेता की वास्तविक ताकत उसके पीछे खड़े लोगों की संख्या नहीं, बल्कि उसके प्रति लोगों का विश्वास और आत्मीयता है। **राजनीति में सादगी की जरूरत:** दादी प्रकाशमणि का जीवन सादगी का प्रतीक था। उन्होंने दिखाया कि प्रभाव पैदा करने के लिए बड़े-बड़े संसाधनों की आवश्यकता नहीं होती। एक साफ विचार, मधुर वाणी, ईमानदार व्यवहार और सेवा की भावना भी समाज में गहरा प्रभाव छोड़ सकती है। आज यदि जनप्रतिनिधि और राजनीतिक कार्यकर्ता उनके जीवन से प्रेरणा लें तो राजनीति का चरित्र बदल सकता है। जनता के बीच रहने वाला नेता जनता की समस्याओं को बेहतर समझ सकता है। सरकारी सुविधा जितनी अधिक, जनता से दूरी उतनी अधिक—यह लोकतंत्र के लिए स्वस्थ संकेत नहीं है। जनप्रतिनिधि का वास्तविक सम्मान उसके वाहन, आवास या सुरक्षा से नहीं, बल्कि उसके क्षेत्र की जनता के बीच उसकी उपलब्धता से होना चाहिए। **संवाद की शक्ति को समझना होगा:** दादी जी की एक बड़ी विशेषता थी—वे सुनती थीं। सामने वाला अपनी बात कह सके, उसकी पीड़ा समझी जाए और फिर उचित मार्गदर्शन दिया जाए—यह नेतृत्व की बुनियादी शर्त है।

मछली पालन आदिवासी समुदाय के लिए बेहतर रोजगार का विकल्प : डॉ. सुधीर कुमार सिंह

नई सोच एक्सप्रेस

जमुई। मछली पालन स्वरोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण का एक बेहतर विकल्प हो सकता है। वैज्ञानिक तकनीक और उचित प्रशिक्षण के माध्यम से किसान एवं ग्रामीण परिवार इसे आय के महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में अपना सकते हैं। उक्त बातें कृषि विज्ञान केंद्र, जमुई के प्रमुख डॉ. सुधीर कुमार सिंह ने कही। वे बुधवार को मात्स्यिकी महाविद्यालय, किशनगंज एवं कृषि विज्ञान केंद्र, जमुई के संयुक्त तत्वावधान में जिले के आदिवासी समुदाय के किसानों के लिए आयोजित व्यावसायिक मछली पालन विषयक किसान गोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। डॉ. सुधीर कुमार सिंह ने कहा कि बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना जमुई जिले में मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए कृतसंकल्पित है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. इंद्रजीत सिंह के दिशा-निर्देश पर मात्स्यिकी महाविद्यालय, किशनगंज एवं कृषि विज्ञान केंद्र, जमुई द्वारा संयुक्त कार्ययोजना बनाकर इस दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसान गोष्ठी के माध्यम से प्रतिभागियों को व्यावसायिक मछली पालन की संभावनाओं से अवगत कराया गया। साथ ही मछली पालन के दौरान किसानों के समक्ष आने वाली विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करते हुए उनके समाधान की जानकारी भी दी गई। केंद्र प्रमुख ने बताया कि आने वाले महीनों में मात्स्यिकी महाविद्यालय, किशनगंज के सहयोग से जिले के आदिवासी समुदाय के लिए मछली पालन से संबंधित विभिन्न प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक लोग इस क्षेत्र से जुड़कर अपनी आय बढ़ा सकें। कार्यक्रम के दौरान डॉ. आर. के. सिंह ने मछली पालन के विभिन्न पहलुओं, वैज्ञानिक तरीकों और व्यावसायिक संभावनाओं पर विस्तार से जानकारी दी। गोष्ठी में डॉ. प्रवीण कुमार, डॉ. आर. सिंह, मीरा देवी, झाड़ी मरांडी, बाबूलाल हेम्ब्रम और बरकी हांसदा सहित लगभग एक सौ किसानों ने भाग लिया।

राम लखन सिंह यादव कॉलेज में विधायक संजीव चौरसिया का स्वागत, वृक्षारोपण व निरीक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। राम लखन सिंह यादव कॉलेज, अनिसाबाद में बुधवार को दीघा विधायक डॉ. संजीव चौरसिया का स्वागत एवं निरीक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सुरेंद्र प्रसाद ने अंगवस्त्र व पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। इस दौरान प्राचार्य ने विधायक को मांग पत्र सौंपकर छात्रों की बढ़ती संख्या और भवनों की जर्जर स्थिति को देखते हुए विधायक क्षेत्र विकास निधि से दो छतदार कमरों एवं बरामदे के निर्माण की स्वीकृति देने का अनुरोध किया। प्रस्तावित निर्माण का आकार 80 फीट × 35 फीट है। कार्यक्रम के बाद विधायक ने कॉलेज परिसर में पौधारोपण किया। एनसीसी प्रभारी मुकेश कुमार यादव के नेतृत्व में कैडेट्स ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधे लगाए। इसके बाद विधायक ने नवनिर्मित पुलिस ओपी, मणिकचंद तालाब सहित पूरे परिसर का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं पर प्रसन्नता जताई। मौके पर उप-प्राचार्या प्रो. कुमारी संगीता, प्रो. रामबिनेश्वर सिंह, भाजपा नेता बैद्यनाथ यादव, प्रो. प्रसिध्द कुमार सहित महाविद्यालय के कई शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित रहे।

खगौल में पैगंबर मोहम्मद साहब की जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई

नई सोच एक्सप्रेस

दानापुर। ईद मिलाद-उन-नबी बड़े धूमधाम से पैगंबर मोहम्मद साहब की जयंती खगौल में मनाई गई। ताज एकता कमिटी की ओर से खगौल में धूमधाम से हर्षोल्लास के साथ छोटी खगौल, बड़ी खगौल माजिद, जमालुद्दीनचक आदि जगहों से पैगंबर मोहम्मद साहब का जुलूस धूमधाम से जुलूस निकाला गया। इस मौके पर सुजीत कुमार पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष, सुनील कुमार पूर्व उपाध्यक्ष, ताज एकता कमिटी के अध्यक्ष मोहम्मद शाहनवाज उर्फ रिंकू, चंदू प्रिंस,मोहम्मद असलम कुरैशी,सोनू कुरैशी मोहम्मद वसीम अशरफी, हाफ़िज़ , मौलाना कारी मंज़र साहेब, मोअज़्ज़ीन राशिद अशरफी साहेब, मौलाना खुर्शीद खान, मोहम्मद असलम कुरैशी, मोहम्मद बादल, मोहम्मद सर्फू, मोहम्मद आदिल, मोहम्मद, गोल्डन, मोहम्मद गुड्डू, मोहम्मद सद्दाब, मोहम्मद नसीम, मोहम्मद सहित सभी हिंदू मुस्लिम भाई ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। खगौल के थाना अध्यक्ष रंजन कुमार के निगरानी में अपर थाना अध्यक्ष विकाश कुमार, सब इंस्पेक्टर सिद्धार्थ कुमार सिंह, संजीव कुमार, नितीश कुमार आदि ने आयोजन को शांतिपूर्ण संपन्न कराने में महत्वपूर्ण योगदान किया है।

संक्षिप्त समाचार

किलकारी,बाढ़ ध्यानचंद बॉल बैडमिंटन के दोनों वर्गों के फाइनल में

पटना। किलकारी बिहार बाल भवन,पटना के तत्वावधान में बिहार बॉल बैडमिंटन संघ के तकनीकी सहयोग से किलकारी बिहार बाल भवन के बॉल बैडमिंटन कोर्ट पर खेली जा रही 17वीं ध्यानचंद स्मृति बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता के बालक वर्ग के पहले सेमीफाइनल में बाढ़ ने राजकीय बालक उच्च माध्यमिक विद्यालय राजेंद्र नगर को 35-25,35-24 से व दूसरे सेमीफाइनल में मेजबान किलकारी ने बालक मध्य विद्यालय मुसलहपुर को 35-22,35-24 से हराकर फाइनल में स्थान बनाया जबकि बालिका वर्ग के पहले सेमीफाइनल में बाढ़ ने रघुनाथ बालिका विद्यालय को 35-10,35-25 से व दूसरे सेमीफाइनल में किलकारी ने रविन्द्र बालिका विद्यालय को 35-27,35-21 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। बालक वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में किलकारी की ओर से आदित्य,निवेश,गौरव ने,राजकीय बालक विद्यालय की ओर से अर्जुन,मुकेश,बाढ़ की ओर से कौशल,विकास,प्रिंस ने व बालक मध्य विद्यालय की ओर से सूर्या, आदित्य ने एवं बालिका वर्ग में किलकारी की ओर से स्वाति,खुशी 2,रौशनी ने,रविन्द्र बालिका विद्यालय की ओर से अंजली,आदिति,बाढ़ की ओर से आराधना,अंशु,कोमल व रघुनाथ बालिका विद्यालय की ओर से आयुषी,सृष्टि ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का फाइनल मैच 27 अगस्त को दोपहर 1.00 बजे से खेला जायेगा। इस बात की जानकारी देते हुए बिहार बॉल बैडमिंटन संघ के सचिव गौरी शंकर ने बताया कि पुरस्कार वितरण अपराहन 4.00 बजे उद्योग विभाग बिहार सरकार के संयुक्त सचिव डॉ.राज कुमार यादव,पटना विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स बोर्ड की अध्यक्ष-सह-उपाध्यक्ष,बिहार बॉल बैडमिंटन संघ प्रो.सुहेली मेहता,संघ के उपाध्यक्ष सुजय सौरभ करेंगे।

नेपाल में बाढ़ से हुई जनहानि पर डॉ. संतोष कुमार सुमन ने जताई गहरी संवेदना

पटना। हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (से.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार सरकार के मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने नेपाल में बाढ़ से हुई जनहानि और भारी नुकसान पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी शोक संवेदना प्रकट करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा की इस कठिन घड़ी में नेपाल की जनता के साथ भारत की जनता की पूरी संवेदना और सहयोग की भावना है।डॉ. संतोष कुमार सुमन ने कहा कि भारत और नेपाल के बीच सदियों पुराने सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक संबंध हैं। ऐसे कठिन समय में पड़ोसी देश के साथ मजबूती से खड़ा होना हमारी मानवीय जिम्मेदारी भी है और भारतीय परंपरा भी। उन्होंने कहा कि नेपाल में राहत एवं बचाव कार्यों में जुटे लोगों को हरसंभव सहयोग मिलना चाहिए, ताकि प्रभावित परिवारों को जल्द से जल्द राहत पहुंचाई जा सके। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से बातचीत कर बाढ़ से हुई जान-माल की क्षति पर संवेदना व्यक्त करने तथा भारत की ओर से हरसंभव मानवीय सहायता उपलब्ध कराने के आश्वासन का स्वागत किया। डॉ. सुमन ने कहा कि प्रधानमंत्री की यह पहल भारत की संवेदनशील और जिम्मेदार पड़ोसी नीति को दशार्ती है। संकट की इस घड़ी में भारत का नेपाल के साथ खड़ा होना दोनों देशों के मजबूत रिश्तों और आपसी विश्वास को और मजबूती प्रदान करेगा।

नेपाल में आई बाढ़ के बाद बिहार में लोग सतर्क रहें, घबराएं नहीं : उप मुख्यमंत्री

पटना। बिहार में बाढ़ के खतरे पर उप मुख्यमंत्री -सह- जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि नेपाल में आई बाढ़ के बाद बिहार में अगले 5-6 घंटे से लेकर पूरी रात अलर्ट रहने की जरूरत है। समस्या पहले से बड़ी है, लेकिन फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। गंडक नदी पर दबाव बढ़ने की उम्मीद है। वाल्मिकीनगर बराज पर पानी आने में 2-3 घंटों का वक्त लग सकता है। सरकार के तरफ से बाढ़ राहत के लिए अतिरिक्त टीम की तैनाती की गई है। बाढ़ राहत के लिए जरूरी सामग्री भी उपलब्ध कराया गया है। नेपाल सरकार ने स्थिति का आकलन कर जानकारी दी है। नेपाल के तिब्बत प्रभाग में ग्लेशियर फटने से पानी तेजी से बढ़ रहा है। त्रिशूली नदी से देवघाट और उसके बाद गंडक नदी में पानी आयेगा। अच्छी बात है कि गंडक नदी का जल स्तर कम है। कुल मिला कर आकलन यह है कि लगभग ढाई लाख क्यूसेक पानी गंडक बराज से गुजर सकता है। पानी तेजी से आएगा, इस पर सरकार नजर बनाए हुए है। उप मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील किया कि सतर्क रहें, घबराएं नहीं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी खुद ही पूरी स्थिति पर नजर रख रहे हैं। कोसी नदी में पानी बढ़ने की अभी कोई बात सामने नहीं आई है।

अमन, चैन और भाईचारे के संदेश के साथ भागलपुर में धूमधाम से मनाया गया मिलाद-उन-नबी

भागलपुर। हजरत मोहम्मद साहब का यौम-ए-पैदाइश सह बारहवीं शरीफ बुधवार को पूरे भागलपुर जिले में अकीदत और बेहद एहतराम के साथ मनाया गया। इस मुबारक मौके पर शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक में ईद मिलादुन्नबी के भव्य आयोजन किए गए। मस्जिदों, खानकाहों और घरों को खूबसूरत रोशनी से सजाया गया, जहां विशेष नमाज और मिलाद का आयोजन हुआ। सुबह से ही मुस्लिम बाहुल्य मोहल्लों में जश्न का माहौल था। चारों तरफ 'सरकार की आमद मरहबा' और पैगंबर साहब की शान में नारे गूंज रहे थे। जुलूस में शामिल बच्चों और युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। लोग सिर पर टोपी पहने और हाथों में इस्लाम के प्रतीक हरे रंग के झंडे व तख्तियां लिए हुए थे, जिन पर शांति और इंसानियत के संदेश लिखे थे। दोपहर बाद विभिन्न मस्जिदों और मोहल्लों से जुलूस-ए-मोहम्मदी की शक्ल में लोग सड़कों पर निकले। हबीबपुर जामा मस्जिद, हबीबिया मस्जिद, चमेली चक मस्जिद और ऐतिहासिक शाहजंगी मस्जिद से बड़ी संख्या में अकीदतमंदों का कारवां रवाना हुआ। पारंपरिक रास्तों से गुजरते हुए सभी जुलूस मौलाना चक स्थित प्रसिद्ध खानकाह-ए-शहबाजिया पहुंचे। यहां एक विशाल धार्मिक सभा का आयोजन हुआ, जिसमें हजरत पैगंबर साहब के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया गया। अंत में मुल्क में अमन-चैन, तरक्की और आपसी भाईचारे के लिए सामूहिक दुआ मांगी गई। इस मौके पर उलेमा और बुद्धिजीवियों ने पैगंबर साहब के जीवन और उनकी शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि पैगंबर मोहम्मद साहब ने पूरी दुनिया को इंसानियत, दया और करुणा का पाठ पढ़ाया। उन्होंने बुराई के रास्ते पर चल रहे लोगों को सही राह दिखाई और समाज को अमन, शांति व भाईचारे का संदेश दिया। आज के दौर में उनकी शिक्षाएं पूरी मानवता के लिए बेहद प्रासंगिक हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी शांतिपूर्ण ढंग से जुलूस निकाले गए और लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर मुबारकबाद दी।

ईद मिलादुन्नबी पर पौआखाली में निकला जुलूस, 15 हजार अकीदतमंद हुए शामिल

किशनगंज। ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर बुधवार को पौआखाली थाना क्षेत्र में अकीदतमंदों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ भव्य जुलूस निकाला। जुलूस में करीब 15 हजार अकीदतमंद शामिल हुए। जुलूस में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों के साथ मुफ्ती, कारी और हाफिज सहित धर्मगुरुओं ने हिस्सा लिया। पूरे क्षेत्र में जुलूस के दौरान आपसी भाईचारे, सौहार्द और शांति का संदेश देखने को मिला। जुलूस में बिहार सरकार के पूर्व मंत्री सह उर्दू एडवाइजरी बोर्ड के अध्यक्ष नौशाद आलम, नगर उपाध्यक्ष अबु नसर आलम सहित कई वार्ड पार्षद भी शामिल हुए। अकीदतमंदों ने पूरे उत्साह के साथ जुलूस में भाग लिया। आयोजन के दौरान लोगों में धार्मिक उत्साह के साथ सामाजिक एकता और भाईचारे की भावना भी नजर आई। जुलूस को लेकर प्रशासन और पुलिस की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में समारोह आयोजित, विधायक निशा सिंह ने संभाली भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी

नई सोच एक्सप्रेस

» मंडल स्तर तक महिला मोर्चा को सशक्त बनाना हमारी प्राथमिकता : संजय सरावगी

» महिलाओं की भागीदारी से संगठन को मिलेगी नई मजबूती : संजय सरावगी

पटना।बिहार भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में बुधवार को आयोजित समारोह में नवनियुक्त महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष निशा सिंह ने विधिवत पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, प्रदेश संगठन महामंत्री भीखूभाई दालसानिया, मंत्री श्रेयसी सिंह समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता एवं महिला मोर्चा की पदाधिकारी उपस्थित रहीं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने निशा सिंह को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महिला मोर्चा को प्रदेश से लेकर मंडल स्तर तक और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाना पार्टी की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी भाजपा की संगठनात्मक शक्ति का महत्वपूर्ण आधार है। महिला मोर्चा की कार्यकर्ता सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और पार्टी के विचारों को घर-घर तक पहुंचाने का काम करें। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमेशा महिलाओं को सम्मान और नेतृत्व का अवसर दिया है। महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं की मेहनत से संगठन को बूथ, मंडल और जिला स्तर तक और मजबूत किया जाएगा। उन्होंने निशा सिंह के नेतृत्व में महिला मोर्चा के नए उत्साह और ऊर्जा के साथ काम करने का विश्वास जताया। सरावगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। बिहार में भी महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में लगातार काम हो रहा है। महिला मोर्चा इन योजनाओं का लाभ समाज की अंतिम पंक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष निशा सिंह ने पार्टी नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी दी गई है, उसका पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगी। उन्होंने कहा कि महिला मोर्चा को बूथ स्तर तक मजबूत करना, अधिक से अधिक महिलाओं को संगठन से जोड़ना और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि महिला कार्यकर्ताओं की ऊर्जा और क्षमता का उपयोग संगठन को और मजबूत बनाने में किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन महिला मोर्चा की निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष सरोज जायसवाल ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन दिव्या गुंजन ने किया। इस मौके पर राज्यसभा सांसद एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा डॉ. धर्मशिला गुप्ता, प्रदेश महामंत्री प्रीति शेखर, विधान पार्षद शिला प्रजापति, निवेदिता सिंह, महिला आयोग सदस्य एवं पूर्व प्रदेश प्रभारी महिला मोर्चा सजल झा, पिंकी कुशवाहा, प्रदेश उपाध्यक्ष अनामिका पासवान, शोभा सिंह एवं शिला सिंह कुशवाहा, सुषमा साहू, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, महिला मोर्चा हेमलता वर्मा, लाजवंती झा, प्रदेश मंत्री डॉ. रागिनी रानी, अंजनी निषाद, सीमा झा, पूर्व प्रदेश मंत्री पूनम शर्मा सहित कुमकुम देवी, शशि बलदीयार और चेतना सिंह उपस्थित रहीं।

मेहसी में अकीदत के साथ मना जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी, निकला भव्य जुलूस-ए-मोहम्मदी

नई सोच एक्सप्रेस

मेहसी। हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के यौमे विलादत के मुबारक अवसर पर बुधवार को मेहसी प्रखंड क्षेत्र में जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी बड़े ही हर्षोल्लास, अकीदत और पाकीज़गी के माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर नगर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक उत्सवी माहौल देखने को मिला। जगह-जगह सजावट की गई और जुलूस-ए-मोहम्मदी में शामिल लोगों ने नात और नारों से वातावरण को रूहानी बना दिया।हुजूर की आमद मरहबा, मुस्तफा की आमद मरहबा, ताजदार की आमद मरहबा तथा रबीउल अव्वल आया, खुश नजर सारा जहां आया जैसे नारों से मेहसी की गलियां गूंजती रहीं। बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने जुलूस में शामिल होकर अपनी मोहब्बत और अकीदत का इजहार किया।अरबी महीने 12 रबीउल अव्वल के मौके पर दाता अब्दुल हलीम शाह की मजार के निकट सहित करीब एक दर्जन गांवों से जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। जुलूस मुगलपुरा, पुरानी मेहसी, मोतीझील, मिर्जापुर, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और घरयारी चक होते हुए समदपुरा, चकलालु, बड़ा कुरैशी मोहल्ला तथा काजीचक पहुंचा। इसके बाद जुलूस पुनः दाता अब्दुल हलीम शाह की मजार पर पहुंचकर संपन्न हुआ।जुलूस में बड़ी संख्या में बच्चे, युवा और बुजुर्ग शामिल हुए। कई स्थानों पर लोगों ने जुलूस का स्वागत किया। पूरे मार्ग में अकीदतमंदों में खासा उत्साह देखने को मिला। आयोजन के दौरान आपसी भाईचारे, मोहब्बत और सौहार्द का संदेश भी दिया गया।जुलूस-ए-मोहम्मदी का आयोजन जामिया रिज़विया बड़ा कुरैशी मोहल्ला, मदरसा तज़विदुल कुरान समदपुरा, मदरसा तेगिया दारुल इस्लाम बिशम्भरपुर, नौजवान कमेटी मिर्जापुर, मदरसा हलीमिया जामिया दरगाह शरीफ सहित दामोदरपुर, मुगलपुरा, काजीचक, परतापुर, हरपुर नाग, मैन मेहसी, नया टोला समदपुरा और मोतीझील समेत दर्जनों गांवों के लोगों की ओर से किया गया।कार्यक्रम में मौलाना तस्लीम रज़ा, अनवर मकरानी, मोहम्मद निसार नूरी, हाजी महबूब अली, नईम-उल-हक, हाफिज इरशाद, मौलाना कौसर, मौलाना सादिक रिज़वी, अरकम चम्पारनी, मुफ्ती कुतबुद्दीन, हाफिज अबुज़र, सजाद अनसारी,रिज़वान अहमद, अल्फाज़ अली, मोहम्मद चंचल, शाहिद रज़ा, मेराज अहमद, मकसूद आलम, लाल बाबू,Ar रहमान ,सद्दाम अन्सारी मोहम्मद मुराद, शफी अहमद खान, अफज़ल अंसारी, मोहम्मद अली, मोहम्मद हसनैन, सैयद शमीम अहमद रिज़वी, अबुल कलाम आज़ाद,ज़ाहिद रज़ा, ज़फर इकबाल रज़ा और कासिम रज़ा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।जुलूस के दौरान लोगों ने शांतिपूर्ण एवं अनुशासित तरीके से अपनी अकीदत का इजहार किया। आयोजन ने मेहसी में धार्मिक आस्था के साथ-साथ आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द की खूबसूरत तस्वीर पेश की।

पैगंबर हजरत मोहम्मद की धुमधाम से मनाई गई जयंती

नई सोच एक्सप्रेस

केसरिया, पू.च। पैगंबर हजरत मोहम्मद की जयंती के अवसर पर बुधवार को प्रखंड के विभिन्न मदरसों के बच्चों द्वारा जुलूस निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में बच्चे एवं अन्य लोग शामिल हुए। जुलूस नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए निर्धारित मदरसा परिसर पहुंचा, जहां कार्यक्रम का समापन किया गया। इस दौरान बच्चों ने अनुशासन के साथ जुलूस में भाग लिया और आपसी भाईचारे, शांति एवं सद्भाव का संदेश दिया। इस अवसर पर कौमी एकता फ्रंट के अध्यक्ष वसील अहमद खान ने कहा कि पैगंबर हजरत मोहम्मद का जीवन पूरी मानवता के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने हमेशा प्रेम, भाईचारे, शांति और इंसानियत का संदेश दिया। उनकी शिक्षाओं को जीवन में अपनाकर समाज में आपसी सौहार्द और कौमी एकता को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों और समुदायों के लोगों को एक-दूसरे का सम्मान करते हुए मिल-जुलकर रहना चाहिए। वहीं मौलाना अनिसुर रहमान ने कहा कि पैगंबर हजरत मोहम्मद की जयंती हमें उनके आदर्शों और शिक्षाओं को याद करने का अवसर देती है। उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ मानवता, सद्भाव और भाईचारे का पाठ पढ़ाना भी जरूरी है। समाज में शांति तभी कायम रह सकती है, जब लोग एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें और आपसी प्रेम बनाए रखें। उन्होंने कहा कि जुलूस का उद्देश्य केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में एकता, शांति और भाईचारे का संदेश पहुंचाना भी है। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने क्षेत्र में अमन-चैन, आपसी सद्भाव और खुशहाली की कामना की।

ईद-उल-नबी पर निकला भव्य जुलूस, कई गांवों से उमड़ा जनसैलाब

नई सोच एक्सप्रेस

बनमा ईटहरी (सहरसा)। ईद-उल-नबी के मौके पर बुधवार को बनमा ईटहरी प्रखंड क्षेत्र के सरबेला गांव से भव्य जुलूस निकाला गया। जुलूस में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। जुलूस को लेकर सुबह से ही लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। सरबेला गांव से शुरू हुआ जुलूस सरबेला, तेलियाहाट, पहलाम, घोरदौड़ समेत अन्य गांवों से होते हुए आगे बढ़ा। विभिन्न गांवों से लोग जुलूस में शामिल हुए, जिससे जुलूस में काफी भीड़ देखने को मिली। पूरे रास्ते धार्मिक उत्साह और भाईचारे का माहौल देखने को मिला। जुलूस में शामिल लोग निर्धारित मार्ग से होते हुए सिमरी बख्तियारपुर पहुंचे, जहां जुलूस का समापन किया गया। इस दौरान लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से कार्यक्रम में भाग लिया। जुलूस के कारण रास्ते में काफी चहल-पहल रही। वहीं, जुलूस को लेकर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह सक्रिय रहा। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस जवानों की तैनाती की गई थी। पुलिस पदाधिकारी लगातार जुलूस की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए थे, ताकि किसी तरह की परेशानी उत्पन्न न हो। पुलिस की सक्रियता के बीच जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। थानाध्यक्ष कुंदन कुमार सहनी ने कहा कि ईद-उल-नबी के मौके पर निकाला गया जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस पूरी तरह मुस्तैद थी। उन्होंने लोगों से आपसी भाईचारा, शांति और सौहार्द बनाए रखते हुए पर्व मनाने की अपील की। ईद-उल-नबी के अवसर पर आयोजित इस जुलूस में आपसी भाईचारे, शांति और सौहार्द का संदेश देखने को मिला। क्षेत्र के लोगों ने शांतिपूर्ण वातावरण में पर्व मनाया और जुलूस में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

रामगढ़वा में कांग्रेस की बैठक पंचायत से वार्ड स्तर तक संगठन मजबूत करने पर जोर

नई सोच एक्सप्रेस

रामगढ़वा। मोतिहारी जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर बुधवार को वरिष्ठ कांग्रेसी नेता विनोद ओझा के आवास पर रामगढ़वा प्रखंड कांग्रेस कमेटी की बैठक हुई। प्रखंड उपाध्यक्ष उपेंद्र ओझा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रो. अखिलेश दयाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। जिलाध्यक्ष ने कहा कि बैठक में 'चलो पंचायत चलो वार्ड' और हर घर झंडा कार्यक्रम के साथ प्रखंड स्तरीय विस्तारित कमेटी की बैठक को लेकर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि अगले एक माह में पंचायत से लेकर गांव और वार्ड स्तर तक संगठन को मजबूत करने का लक्ष्य है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने की अपील की। वरिष्ठ कांग्रेसी आचार्य उमेश पाठक ने कहा कि कई वर्षों बाद रामगढ़वा प्रखंड में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक मजबूती से आयोजित हुई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस देश को सही दिशा और विकास देने वाली पार्टी है। वरिष्ठ कांग्रेसी गिरीश देव ओझा ने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा जनमानस के कल्याण के लिए काम करने की रही है। बैठक में वरिष्ठ कांग्रेसी ब्रजेश ओझा, मुरारी ओझा राशिद कमाल रक्सौल प्रखंड अध्यक्ष बिकेश चंद्रवंशी युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष उमर अंसारी गोपीकांत पाठक निकेश तिवारी चंदन ओझा व्यास पाठक बब्लू ओझा चंद्र किशोर ठाकुर जयराम पासवान प्रहलाद महतो सुदागरी यादव संदीप ओझा रवि कुमार चंद्रवंशी अंसारुल हक आबिद अली नासीर हुसैन विकास सिंह नईम अख्तर असगर अली संजय गुप्ता विनोद पांडेय अनिल तिवारी जीवन दुबे कृष्ण मोहन पांडेय सुबोध पांडेय और अनुप तिवारी समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया।

राज्य में उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता, किसानों को निर्धारित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

नई सोच एक्सप्रेस

» किसानों की आवश्यकता के अनुरूप उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित, वितरण व्यवस्था पर रहेगी सतत निगरानीः- श्री विजय कुमार सिन्हा

पटना।कृषि मंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि राज्य में उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता है तथा किसानों की आवश्यकता के अनुरूप उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। किसानों को निर्धारित व्यवस्था के तहत समय पर एवं उनकी आवश्यकता के अनुसार उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। श्री सिन्हा ने कहा कि किसानों को निर्धारित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उर्वरक की उपलब्धता, आवंटन एवं बिक्री की जिला से लेकर प्रखंड स्तर तक लगातार निगरानी की जा रही है। जिला कृषि पदाधिकारी, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी एवं प्रखंड कृषि पदाधिकारी के माध्यम से उर्वरक वितरण व्यवस्था पर सतत नजर रखी जा रही है। कृषि मंत्री ने किसानों से अपील की कि उर्वरक से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या अथवा शिकायत होने पर वे अपने जिला कृषि पदाधिकारी, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी अथवा प्रखंड कृषि पदाधिकारी से संपर्क करें। इसके अतिरिक्त किसान हेल्पलाइन सेंटर के माध्यम से भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि फर्टिलाइजर कंट्रोल ऑर्डर (FCO) के प्रावधानों के अनुरूप उर्वरक वितरण व्यवस्था को और अधिक सुचारू एवं प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। इसके तहत थोक विक्रेताओं को खुदरा विक्रेता के रूप में तथा खुदरा विक्रेताओं को थोक विक्रेता के रूप में कार्य करने की अनुमति प्रदान करने के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। इससे किसानों को उर्वरक प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होगी और वितरण व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा सकेगा। माननीय कृषि मंत्री ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य में उर्वरक की उपलब्धता एवं बिक्री पर सतत निगरानी बनाए रखें तथा यह सुनिश्चित करें कि किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप समय पर और निर्धारित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध हो। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसानों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा और उर्वरक वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता एवं सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

हेब्रोन मिशन स्कूल में राखी प्रतियोगिता आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

चकिया,पु०च०। हेब्रोन मिशन स्कूल, चकिया में रक्षाबंधन के अवसर पर विद्यार्थियों के लिए राखी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 5 से 8 तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।प्रतियोगिता के दौरान छात्र-छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता, कल्पनाशीलता और कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए आकर्षक एवं रंग-बिरंगी राखियां तैयार कीं। विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार की सजावटी सामग्री का प्रयोग कर सुंदर राखियां बनाईं और अपनी कला को प्रस्तुत किया विद्यालय के प्रधानाचार्य स्टैनली पिल्लई ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की रचनात्मक गतिविधियां बच्चों की प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ उनमें भारतीय संस्कृति एवं त्योहारों के प्रति प्रेम और सम्मान की भावना विकसित करती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में भी ऐसी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय परिसर में आयोजित प्रतियोगिता के दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों में उत्साह और रचनात्मकता का वातावरण बनाया।

आरक्षण : अधिकार, आवश्यकता और सामाजिक न्याय के बीच संतुलन

आरती कुमारी

भारत में आरक्षण का प्रश्न आज केवल राजनीतिक बहस का विषय नहीं रह गया है। यह संविधान, सामाजिक न्याय, समान अवसर, प्रतिनिधित्व और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा एक गंभीर राष्ट्रीय प्रश्न बन चुका है। आरक्षण के पक्ष में यह तर्क दिया जाता है कि यह ऐतिहासिक रूप से वंचित समुदायों को संविधान द्वारा दिया गया संरक्षण और अवसर है। दूसरी ओर यह सवाल भी लगातार उठ रहा है कि आरक्षण का मूल उद्देश्य क्या था? क्या यह व्यवस्था स्थायी रूप से किसी वर्ग को विशेष अवसर देने के लिए बनाई गई थी या इसका लक्ष्य उन समुदायों और व्यक्तियों को आगे लाना था, जो सामाजिक और शैक्षिक रूप से लंबे समय तक पीछे रहे? इस प्रश्न का उत्तर भावनाओं और राजनीतिक नारों से नहीं, बल्कि संविधान की मूल भावना और सामाजिक वास्तविकताओं के आधार पर तलाशना होगा। भारत का सामाजिक इतिहास असमानताओं से भरा रहा है। समाज के अनेक वर्गों को लंबे समय तक शिक्षा, सार्वजनिक संस्थानों, प्रशासन और सामाजिक प्रतिष्ठा के अवसरों से दूर रखा गया। संविधान निर्माताओं ने इस ऐतिहासिक वास्तविकता को समझते हुए समानता के साथ-साथ विशेष प्रावधानों की व्यवस्था की। इसका उद्देश्य केवल कुछ लोगों को सुविधा देना नहीं था, बल्कि ऐसी सामाजिक स्थिति तैयार करना था जिसमें ऐतिहासिक रूप से वंचित समुदाय भी राष्ट्र की मुख्यधारा में बराबरी से भागीदारी कर सकें। यहीं से आरक्षण की मूल भावना सामने आती है। समानता का अर्थ केवल सभी को एक जैसा अवसर देना नहीं है। यदि किसी व्यक्ति के पास शिक्षा, संसाधन और सामाजिक समर्थन की कमी है, तो उसे केवल प्रतियोगिता में खड़ा कर देना पर्याप्त नहीं होगा। वास्तविक समानता के लिए उन बाधाओं को दूर करना भी आवश्यक है, जिनके कारण वह पीछे रह गया है। लेकिन किसी भी सार्वजनिक नीति की तरह आरक्षण की व्यवस्था पर भी समय-समय पर विचार होना चाहिए। समीक्षा का अर्थ अधिकार छीनना नहीं है। समीक्षा का अर्थ यह देखना है कि जिस उद्देश्य से व्यवस्था बनाई गई थी, वह उद्देश्य कितनी हद तक पूरा हो रहा है। यदि समाज की परिस्थितियां बदली हैं, कुछ वर्गों के भीतर बड़ी आर्थिक और शैक्षिक प्रगति हुई है और कुछ लोग अभी भी अत्यंत पिछड़े हुए हैं, तो नीति के प्रभाव का मूल्यांकन लोकतांत्रिक व्यवस्था का स्वाभाविक हिस्सा होना चाहिए। आज सबसे महत्वपूर्ण सवाल यही है कि आरक्षण का लाभ वास्तव में किसे मिल रहा है। आरक्षित वर्गों के भीतर भी सामाजिक और आर्थिक असमानता मौजूद है। एक ओर ऐसे परिवार हैं जिनके पास आज भी बेहतर शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और आर्थिक संसाधन नहीं हैं, वहीं दूसरी ओर ऐसे परिवार भी हैं जिन्होंने कई पीढ़ियों में आर्थिक और सामाजिक मजबूती हासिल कर ली है। इसलिए सामाजिक न्याय की नीतियों पर चर्चा करते समय इस आंतरिक असमानता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह प्रश्न किसी जाति के विरुद्ध नहीं है। यह प्रश्न व्यवस्था की प्रभावशीलता से जुड़ा है। यदि लक्ष्य समाज के सबसे कमजोर व्यक्ति को आगे लाना है, तो यह देखना आवश्यक होगा कि क्या सबसे कमजोर व्यक्ति तक अवसर पहुंच रहा है या लाभ का बड़ा हिस्सा अपेक्षाकृत सक्षम परिवारों तक सीमित हो रहा है। इसी प्रकार आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के नागरिकों की समस्याओं को भी नजरअंदाज करना उचित नहीं है। गरीब किसान, मजदूर, छोटा दुकानदार, बेरोजगार युवा या निम्न आय वाला परिवार यदि आर्थिक संकट से गुजर रहा है तो उसकी कठिनाइयां केवल इसलिए समाप्त नहीं हो जातीं कि वह आरक्षित श्रेणी में नहीं आता। गरीबी की अपनी कोई जाति नहीं होती। अवसरों की कमी का दर्द भी किसी एक समुदाय तक सीमित नहीं है। हालांकि इसका अर्थ यह भी नहीं है कि सामाजिक और ऐतिहासिक पिछड़ेपन को केवल आर्थिक स्थिति के आधार पर समझ लिया जाए। भारत में सामाजिक भेदभाव और ऐतिहासिक वंचना का अपना अलग महत्व है। इसलिए सामाजिक न्याय की नीति बनाते समय जातीय-सामाजिक पिछड़ापन, आर्थिक स्थिति, शिक्षा, क्षेत्रीय असमानता और अवसरों की उपलब्धता जैसे विभिन्न पहलुओं को संतुलित दृष्टि से देखना होगा। आरक्षण को लेकर एक दूसरी बड़ी समस्या यह है कि कई बार इसकी बहस योग्यता के प्रश्न में बदल जाती है। यह दृष्टिकोण उचित नहीं है। आरक्षण के माध्यम से अवसर प्राप्त करने वाले असंख्य लोगों ने प्रशासन, शिक्षा, चिकित्सा, विज्ञान, राजनीति, न्याय और अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। किसी व्यक्ति की क्षमता का आकलन केवल उसकी सामाजिक श्रेणी के आधार पर करना अन्यायपूर्ण है। सवाल यह नहीं होना चाहिए कि आरक्षण से आया व्यक्ति योग्य है या नहीं। सवाल यह होना चाहिए कि देश ऐसी व्यवस्था कैसे बनाए जिसमें ऐतिहासिक रूप से वंचित व्यक्ति को अवसर भी मिले और शिक्षा तथा प्रशिक्षण के माध्यम से उसकी क्षमता को अधिकतम स्तर तक विकसित भी किया जाए। सामाजिक न्याय और उत्कृष्टता एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। सही नीति दोनों के बीच संतुलन स्थापित कर सकती है। आज भारत जिस वैश्विक प्रतिस्पर्धा के दौर से गुजर रहा है, उसमें प्रतिभा का अधिकतम उपयोग देश की आवश्यकता है। विज्ञान, तकनीक, चिकित्सा, अनुसंधान, अंतरिक्ष, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक उद्योगों में देश को सक्षम युवाओं की जरूरत है। प्रतिभा किसी जाति या वर्ग की संपत्ति नहीं है। इसलिए अवसरों की ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए जिसमें किसी प्रतिभाशाली युवा को संसाधनों के अभाव में पीछे न रहना पड़े और किसी सामाजिक रूप से वंचित व्यक्ति को केवल संसाधनों की कमी के कारण प्रतियोगिता से बाहर न होना पड़े। इसका सबसे प्रभावी समाधान केवल आरक्षण नहीं है। यदि हम ऐसी स्थिति बनाना चाहते हैं कि आने वाली पीढ़ियों में आरक्षण की आवश्यकता धीरे-धीरे कम हो, तो शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करना होगा। सरकारी विद्यालयों की गुणवत्ता में सुधार, गरीब बच्चों के लिए बेहतर शिक्षण संसाधन, ग्रामीण युवाओं के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की सुविधा, उच्च शिक्षा तक सस्ती पहुंच, कौशल विकास और पर्याप्त रोजगार अवसर—ये सभी सामाजिक न्याय के वास्तविक आधार हैं। आज भी देश के कई हिस्सों में बच्चे अच्छी शिक्षा से वंचित हैं। गांवों और छोटे शहरों के अनेक प्रतिभाशाली युवा केवल इसलिए पीछे रह जाते हैं क्योंकि उनके परिवार महंगी कोचिंग, बेहतर स्कूल या उच्च शिक्षा का खर्च वहन नहीं कर सकते। यदि राज्य इन असमानताओं को दूर करने में सफल होता है तो सामाजिक न्याय का उद्देश्य कहीं अधिक प्रभावी ढंग से पूरा होगा। आरक्षण की समीक्षा की मांग को भी तुरंत किसी समुदाय के विरोध के रूप में देखना उचित नहीं है। लोकतंत्र में सरकार की आर्थिक नीतियों की समीक्षा होती है, शिक्षा नीति की समीक्षा होती है, कर व्यवस्था में बदलाव होता है और रोजगार नीतियों का मूल्यांकन होता है। उसी प्रकार सामाजिक न्याय की नीतियों का भी समय-समय पर अध्ययन होना चाहिए। लेकिन यह समीक्षा संविधान, कानून, न्यायपालिका के निर्णयों, सामाजिक आंकड़ों और विशेषज्ञों के अध्ययन के आधार पर होनी चाहिए, न कि राजनीतिक लाभ के लिए। राजनीतिक प्रतिनिधित्व का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है। संसद और विधानसभाओं में आरक्षित सीटों की व्यवस्था का उद्देश्य उन समुदायों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देना था जो लंबे समय तक सत्ता और निर्णय प्रक्रिया से बाहर रहे। यह व्यवस्था लोकतंत्र में भागीदारी बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम रही है। लेकिन लोकतांत्रिक राजनीति का अगला लक्ष्य यह होना चाहिए कि राजनीतिक अवसर केवल स्थापित परिवारों या सीमित समूहों तक न रहें। राजनीतिक दलों को यह सुनिश्चित करना होगा कि नए नेतृत्व को अवसर मिले। किसी भी समुदाय के भीतर केवल कुछ प्रभावशाली परिवारों का राजनीतिक प्रभुत्व लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व की पूरी तस्वीर नहीं हो सकता। आम नागरिक, युवा और जमीनी स्तर पर काम करने वाले लोगों को नेतृत्व का अवसर देना ही लोकतंत्र को अधिक व्यापक बनाएगा।

आरक्षण पर बहस करते समय आंदोलन और विरोध के अधिकार को भी समझना जरूरी है। लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक और संगठन को अपनी मांग रखने, शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने और सरकार पर दबाव बनाने का अधिकार है। लेकिन हिंसा, धमकी और अराजकता किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकती। कानून का शासन सबके लिए समान होना चाहिए। सामाजिक न्याय की मांग भी संविधान के दायरे में ही मजबूत होती है। भारत किसी एक जाति या वर्ग का देश नहीं है। यह दलित का भी, आदिवासी का भी, पिछड़े वर्ग का भी, सामान्य वर्ग के गरीब नागरिक का भी और हर उस नागरिक का भी जो इस देश की व्यवस्था में अपना भविष्य तलाश रहा है। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि भारत आने वाली पीढ़ियों के लिए आज जो नीतियां बनाई जाएंगी, उनका असर उन बच्चों पर पड़ेगा जो अभी स्कूलों में पढ़ रहे हैं और जिन्हें यह भी नहीं पता कि भविष्य में वे क्या बनेंगे। इसलिए हमें यह तय करना होगा कि हम उन्हें कैसी विरासत देना चाहते हैं। क्या ऐसी व्यवस्था जिसमें जातीय पहचान लगातार अवसरों का आधार बनी रहे, या ऐसी व्यवस्था जिसमें ऐतिहासिक अन्याय की भरपाई के लिए आवश्यक संरक्षण हो, लेकिन अंतिम लक्ष्य समान अवसरों वाला समाज बनाना हो? संविधान की प्रस्तावना में न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता की बात कही गई है। इन चारों मूल्यों का संतुलन ही भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है। न्याय का अर्थ कमजोर के साथ अन्याय न होना है। समानता का अर्थ हर नागरिक को आगे बढ़ने का अवसर मिलना है। स्वतंत्रता का अर्थ अपने जीवन का रास्ता चुनने की क्षमता है और बंधुता का अर्थ समाज के विभिन्न वर्गों के बीच भाईचारा बनाए रखना है। इसलिए आरक्षण की बहस को समाज को बांटने वाली राजनीति से बाहर निकालना होगा। आरक्षण रहे या बदले, यह निर्णय भावनात्मक दबाव में नहीं बल्कि संवैधानिक प्रक्रिया और उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर होना चाहिए। सामाजिक न्याय की नीतियों का नियमित मूल्यांकन होना चाहिए और यह भी देखा जाना चाहिए कि जो लोग सबसे पीछे हैं, वे वास्तव में कितनी सहायता प्राप्त कर पा रहे हैं। साथ ही यह भी समझना होगा कि आरक्षण गरीबी, बेरोजगारी और शिक्षा की हर समस्या का समाधान नहीं है। इसके लिए व्यापक सामाजिक-आर्थिक नीति की आवश्यकता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कौशल विकास, उद्यमिता और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत किए बिना केवल आरक्षण के सहारे समानता का लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता। सबसे बड़ी चुनौती यह है कि आरक्षण को वोट बैंक की राजनीति का उपकरण बनने से कैसे रोका जाए। किसी भी राजनीतिक दल के लिए जातीय समीकरण चुनावी दृष्टि से महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

वंदेमातरम – राष्ट्र भावना, इतिहास और सियासत

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

पटना : मानवीय जीवन में जब अहंकार को हकीकत से बड़ा बना दिया जाता है, सत्य सामने दिखाई देने के बावजूद लोभ या स्वार्थ के कारण असत्य का साथ दिया जाता है और पूर्वजों की कृतियों को क्षुद्र राजनीतिक या व्यक्तिगत हितों की अग्नि में स्वाहा किया जाता है, तब दुर्भाग्य को आमंत्रण मिलता है। धर्मग्रंथों और भारतीय चिंतन परंपरा का मूल संदेश भी यही है कि सत्य, मर्यादा और कर्तव्य को क्षणिक स्वार्थ से ऊपर रखना चाहिए। आज भारतीय राजनीति जिस दौर से गुजर रही है, उसमें यह सवाल और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। राष्ट्र भावना जैसे विषय भी राजनीतिक दलों की विचारधारात्मक प्रतिस्पर्धा के केंद्र में आते जा रहे हैं। वंदेमातरम इसका सबसे प्रमुख उदाहरण बनता दिखाई दे रहा है। जिस गीत ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान करोड़ों भारतीयों में मातृभूमि के प्रति भाव जगाया, वही आज राजनीतिक बहस का केंद्र बन गया है। वंदेमातरम का इतिहास भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन से गहराई से जुड़ा हुआ है। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की रचना ने भारत की धरती को मां के रूप में देखने और उसके प्रति श्रद्धा व्यक्त करने की भावना को व्यापक बनाया। स्वतंत्रता आंदोलन में यह गीत अंग्रेजी शासन के विरुद्ध राष्ट्रीय चेतना का महत्वपूर्ण प्रतीक बना। इसलिए वंदेमातरम को केवल शब्दों और धुनों में सीमित कर देना उसके ऐतिहासिक महत्व को छोटा करना होगा। इसके साथ स्वतंत्रता संग्राम की स्मृतियां, बलिदान की कहानियां और देश के प्रति भावनात्मक समर्पण जुड़ा हुआ है। लेकिन किसी भी राष्ट्रीय प्रतीक का सम्मान तभी सार्थक होता है, जब उसे राजनीतिक हथियार बनाने के बजाय राष्ट्रीय एकता के सूत्र के रूप में देखा जाए।

वर्तमान राजनीतिक विवाद का सबसे गंभीर प्रश्न यही है कि क्या राष्ट्रवाद किसी एक राजनीतिक दल की संपत्ति हो सकता है? भारत का राष्ट्रवाद किसी पार्टी के कार्यालय से पैदा नहीं हुआ। इसकी जड़ें हजारों वर्षों की सांस्कृतिक चेतना, स्वतंत्रता आंदोलन, संविधान और देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाओं में हैं। भारतीय जनता पार्टी ने अपने राजनीतिक विकास के साथ राष्ट्रवाद और सनातन सांस्कृतिक चेतना को अपनी राजनीति का प्रमुख आधार बनाया। दूसरी ओर कांग्रेस की राजनीति का स्वर समय के साथ बदलता रहा है। कभी उसका राष्ट्रवादी स्वर स्वतंत्रता आंदोलन का प्रमुख आधार था, तो बाद के दशकों में उसने धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय और विविधता को अपनी राजनीतिक पहचान के महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में सामने रखा। यह राजनीतिक दृष्टिकोणों का अंतर हो सकता है, लेकिन राष्ट्र को किसी दल की वैचारिक सीमा में बांध देना उचित नहीं होगा। वंदेमातरम को लेकर कांग्रेस की ओर से ऐतिहासिक संदर्भ, 1937 के निर्णय और समावेशिता का तर्क सामने आता है। इतिहास को समझने के लिए इन संदर्भों की चर्चा निश्चित रूप से होनी चाहिए। लेकिन सवाल यह है कि क्या इतिहास का कोई पुराना निर्णय आज की राष्ट्रीय भावना के लिए अंतिम और अपरिवर्तनीय राजनीतिक हथियार बन सकता है? 1937 में परिस्थितियां अलग थी। स्वतंत्रता आंदोलन अपने निर्णायक चरण में था। विभिन्न समुदायों और राजनीतिक धाराओं को साथ लेकर चलने की आवश्यकता थी। उस समय वंदेमातरम के कुछ अंशों को लेकर जो राजनीतिक समझ बनी, उसका अपना ऐतिहासिक संदर्भ था। आज परिस्थितियां अलग हैं। भारत एक स्वतंत्र, संप्रभु और लोकतांत्रिक गणराज्य है। उसके पास अपना संविधान है, संसद है और लोकतांत्रिक संस्थाएं हैं। इसलिए इतिहास को समझना चाहिए, लेकिन इतिहास को वर्तमान राजनीति का स्थायी हथियार बनाना कितना उचित है, यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में सरकार के फैसलों का विरोध विपक्ष का अधिकार ही नहीं, बल्कि उसकी जिम्मेदारी भी है। सरकार गलत करे तो विपक्ष को सवाल उठाने चाहिए। संसद में बहस होनी चाहिए। जनता के बीच वैकल्पिक दृष्टिकोण रखा जाना चाहिए। लेकिन समस्या तब पैदा होती है जब विरोध का आधार केवल यह रह जाए कि फैसला सरकार ने किया है। यदि कोई निर्णय राष्ट्रीय हित में है, तो केवल इसलिए उसका विरोध नहीं किया जा सकता है कि उसे विरोधी दल की सरकार ने लिया है। इसी प्रकार यदि सरकार कोई गलत निर्णय लेती है, तो केवल इसलिए उसका समर्थन नहीं किया जा सकता कि वह अपनी पार्टी की सरकार है। राष्ट्रहित को दलहित से ऊपर रखने की कसौटी यहीं से शुरू होती है। वंदेमातरम के मामले में सबसे अधिक चिंता इस बात की होनी चाहिए कि कहीं राष्ट्रीय भावना राजनीतिक ध्रुवीकरण की शिकार न हो जाए। भाजपा के लिए यह राष्ट्र सम्मान और राष्ट्रवाद का प्रश्न हो सकता है। कांग्रेस इसे ऐतिहासिक परंपरा, संवैधानिकता और समावेशिता के संदर्भ में देख सकती है। अन्य दलों के अपने दृष्टिकोण हो सकते हैं। लेकिन आम भारतीय के लिए वंदेमातरम इन राजनीतिक व्याख्याओं से कहीं बड़ा है। एक किसान के लिए राष्ट्र उसकी मिट्टी है। एक सैनिक के लिए राष्ट्र उसकी मातृभूमि है। एक विद्यार्थी के लिए राष्ट्र उसके सपनों का भविष्य है। एक श्रमिक के लिए राष्ट्र उसकी मेहनत का मैदान है। एक नागरिक के लिए राष्ट्र उसके अधिकारों और कर्तव्यों का साझा घर है। इसलिए राष्ट्रीय प्रतीकों को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से बचाना सभी दलों की जिम्मेदारी होनी चाहिए। एक और महत्वपूर्ण प्रश्न सामने आता है कि क्या संसद और संसद द्वारा बनाए गए कानून व्यक्तिगत अथवा दलगत हितों से ऊपर हैं? लोकतंत्र का उत्तर स्पष्ट है कि हां। संसद जनता की संप्रभु इच्छा का प्रतिनिधि संस्थान है। वहां बनाए गए कानूनों और लिए गए निर्णयों पर बहस, आलोचना और न्यायिक समीक्षा की व्यवस्था संविधान ने स्वयं दी है। लेकिन किसी कानून या निर्णय का विरोध केवल राजनीतिक अहंकार के कारण करना लोकतांत्रिक संस्कृति को कमजोर करता है। इसी प्रकार सत्ता पक्ष को भी यह नहीं भूलना चाहिए कि बहुमत का अर्थ निरंकुशता नहीं है। सरकार के पास संख्या बल हो सकता है, लेकिन विपक्ष की आवाज भी लोकतंत्र का अनिवार्य हिस्सा है। सत्ता को विनम्रता चाहिए और विपक्ष को जिम्मेदारी। राजनीति में सबसे बड़ा भ्रम सत्ता को स्थायी समझ लेना है। इतिहास गवाह है कि कोई भी सत्ता हमेशा नहीं रहती है। आज जो दल सत्ता में है, कल विपक्ष में हो सकता है। आज जो विपक्ष में है, कल सरकार बना सकता है। इसलिए राजनीतिक दलों को अपने वर्तमान फैसलों के दूरगामी प्रभावों के बारे में सोचना चाहिए। यदि आज सत्ता पक्ष विपक्ष की आवाज दबाने के लिए हर संवैधानिक परंपरा को अपने हित में मोड़ता है, तो कल वही परंपरा उसके खिलाफ भी इस्तेमाल हो सकती है। यदि आज विपक्ष सरकार के हर निर्णय का केवल राजनीतिक कारणों से विरोध करता है, तो कल सत्ता में आने पर उसे भी उसी राजनीतिक संस्कृति का सामना करना पड़ सकता है। राजनीति में किया गया प्रत्येक कर्म भविष्य में मिसाल बनता है। इतिहास को लेकर राजनीति करना आसान है, लेकिन इतिहास से सीख लेना कठिन। वंदेमातरम का इतिहास बताता है कि राष्ट्रीय प्रतीक लोगों को जोड़ने की क्षमता रखते हैं। साथ ही यह भी बताता है कि राजनीतिक परिस्थितियां बदलती रहती है और समाज में विविध भावनाओं का सम्मान आवश्यक है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि वंदेमातरम को लेकर विवाद को राजनीतिक जीत-हार का प्रश्न न बनाया जाए। न भाजपा को यह मानना चाहिए कि राष्ट्रवाद पर उसका एकाधिकार है और न कांग्रेस को यह भूलना चाहिए कि राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की साझा विरासत है। राष्ट्रवाद केवल नारा लगाने में नहीं है। राष्ट्रवाद संविधान का सम्मान करने में है। कानून का पालन करने में है। कर चुकाने में है। कमजोर व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा करने में है। सैनिकों का सम्मान करने में है। किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और वंचितों के लिए न्यायपूर्ण व्यवस्था बनाने में है। यदि कोई व्यक्ति जोर से राष्ट्रगीत गाता है, लेकिन सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है, तो उसका राष्ट्रवाद अधूरा है। इसी प्रकार यदि कोई व्यक्ति राष्ट्रवादी नारे कम लगाता है।

दहेज के दानव ने विवाह जैसे पवित्र संस्कार को बनाया सौदा,बेटी को बोझ और बेटे को नीलामी की वस्तु समझने की मानसिकता बदले

कांतिलाल मांडोत

बहू को बेटी का सम्मान मिले, तभी दहेज की आग और अत्याचार का अंत होगा
युवाओं के संकल्प और समाज की जागरूकता से ही शुरू होगी कुरीति के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई।विवाह केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं, बल्कि दो परिवारों और दो जीवनों को जोड़ने वाला पवित्र सामाजिक संस्कार है। शहनाइयों की मधुर ध्वनि, वरमाला, अग्नि के फेरे और जीवनभर साथ निभाने के संकल्प के साथ दो लोग गृहस्थ जीवन की पहली सीढ़ी पर कदम रखते हैं। दुनिया के लगभग सभी समाजों में विवाह की अपनी परंपराएं रही हैं। कहीं युवक-युवती स्वयं जीवनसाथी चुनते हैं तो कहीं परिवार के बड़े-बुजुर्ग उनकी जोड़ी तय करते हैं। उद्देश्य एक ही रहा है कि परिवार और समाज की व्यवस्था प्रेम, विश्वास और जिम्मेदारी के आधार पर आगे बढ़े। लेकिन आज विवाह की यह पवित्रता दहेज जैसी कुरीति के कारण लगातार चोटिल हो रही है। विवाह कई परिवारों के लिए खुशी का अवसर होने के बजाय आर्थिक चिंता का कारण बन गया है। लड़के की शिक्षा, संस्कार, योग्यता और व्यक्तित्व से अधिक यह देखा जाने लगा है कि वह विवाह में कितना धन, कितना सोना, कौन सी कार और कितना सामान लेकर आएगा। बेटा जीवनसाथी बनने के बजाय मानो नीलामी की वस्तु बन गया है।

कांग्रेस की तुष्टिकरण नीति के लिए 'वन्दे मातरम्' कब तक निशाने पर ?

आचार्य अशोक चौधरी प्रियदर्शी

कटिहार, बिहार भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में कुछ शब्द ऐसे हैं, जो केवल शब्द नहीं होते; वे राष्ट्र की सामूहिक चेतना, संघर्ष, त्याग और स्वाधीनता की आकांक्षा के प्रतीक बन जाते हैं। 'वन्दे मातरम्' ऐसा ही एक राष्ट्रीय उद्घोष है। जिस गीत ने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संघर्ष करने वाली पीढ़ियों में मातृभूमि के प्रति समर्पण का भाव जगाया, वही गीत आज स्वतंत्र भारत की राजनीति में फिर विवाद का विषय बन रहा है। प्रश्न केवल इतना नहीं है कि 'वन्दे मातरम्' के कितने अंतरे गाए जाएं; असली प्रश्न यह है कि क्या राष्ट्रीय प्रतीकों के साथ भी वोट-बैंक की राजनीति होगी और क्या कांग्रेस अपनी पुरानी तुष्टिकरण की राजनीतिक विरासत से आज भी बाहर नहीं निकल पाई है? यह प्रश्न इसलिए अधिक गंभीर हो गया है क्योंकि अगस्त 2026 में कांग्रेस कार्यसमिति ने फिर अपने पार्टी कार्यक्रमों में 'वन्दे मातरम्' के केवल पहले दो अंतरे गाने की 1937 की परंपरा को जारी रखने का निर्णय किया है। यह निर्णय ऐसे समय आया है जब केंद्र सरकार ने आधिकारिक प्रोटोकॉल में गीत के पूर्ण रूप को स्थान देने की दिशा में कदम उठाया है। इतिहास को राजनीतिक सुविधा के अनुसार पढ़ना आसान है, लेकिन इतिहास के प्रश्नों से बचना आसान नहीं। 'वन्दे मातरम्' का राजनीतिक इतिहास कांग्रेस की कार्यशैली और तत्कालीन साम्प्रदायिक राजनीति को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की इस रचना ने उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में आकार लिया और आगे चलकर स्वदेशी आंदोलन तथा स्वतंत्रता संघर्ष में अत्यंत प्रभावशाली राष्ट्रीय गीत का रूप ग्रहण किया। 1896 के कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्रनाथ ठाकुर द्वारा इसके गायन और 1905 के स्वदेशी आंदोलन के दौरान इसकी लोकप्रियता ने इसे औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध राष्ट्रीय प्रतिरोध के प्रतीक के रूप में स्थापित कर दिया। भारत सरकार के 'वन्दे मातरम्' के 150 वर्ष संबंधी आधिकारिक विवरण में भी स्वतंत्रता आंदोलन में इसकी केंद्रीय भूमिका को रेखांकित किया गया है। फिर 1937 आया। यही वह वर्ष है जिसे आज कांग्रेस अपने निर्णय के औचित्य के आधार के रूप में सामने रखती है। उस समय कांग्रेस के भीतर यह प्रश्न उठा कि 'वन्दे मातरम्' के सभी अंतरों को राष्ट्रीय राजनीतिक मंचों पर गाया जाए अथवा उसके कुछ हिस्सों को अलग किया जाए। गीत के बाद के अंतरों में दुर्गा, लक्ष्मी और अन्य हिंदू धार्मिक प्रतीकों के संदर्भ हैं। कुछ मुस्लिम नेताओं और विद्वानों ने इन अंशों पर धार्मिक आपत्ति व्यक्त की। इस पृष्ठभूमि में कांग्रेस कार्यसमिति ने अक्टूबर 1937 में राष्ट्रीय सभाओं में मुख्यतः पहले दो अंतरों के प्रयोग का निर्णय लिया। रवींद्रनाथ ठाकुर से भी इस विषय पर राय ली गई थी।

यहां से आलोचना का प्रश्न शुरू होता है। - क्या धार्मिक संवेदनशीलता का सम्मान करना गलत था? नहीं। भारत जैसे बहुधार्मिक समाज में किसी समुदाय की वास्तविक धार्मिक भावना को समझना लोकतांत्रिक राजनीति का आवश्यक हिस्सा है। लेकिन क्या इसका अर्थ यह होना चाहिए कि बहुसंख्यक समाज की हजारों वर्षों की सांस्कृतिक चेतना से जुड़े किसी राष्ट्रीय प्रतीक को राजनीतिक दबाव के कारण सीमित कर दिया जाए? यह प्रश्न आज भी पूरी गंभीरता से पूछा जाना चाहिए। यहीं 'समावेशी राजनीति' और 'तुष्टिकरण की राजनीति' के बीच अंतर सामने आता है। समावेशी राजनीति सभी समुदायों को सम्मान देती है; तुष्टिकरण राजनीति किसी विशेष समुदाय की राजनीतिक नाराजगी से बचने के लिए अतिरिक्त रियायतें देने लगती है। कांग्रेस के आलोचकों का आरोप यही रहा है कि स्वतंत्रता से पहले और बाद में उसने अनेक अवसरों पर मुस्लिम नेतृत्व की आपत्तियों को संतुष्ट करने के लिए ऐसे राजनीतिक समझौते किए, जिनका दीर्घकालीन प्रभाव राष्ट्रीय प्रतीकों और समान नागरिकता की अवधारणा पर पड़ा लेकिन इस विषय पर एक तथ्यात्मक सावधानी भी आवश्यक है। यह कहना ऐतिहासिक रूप से सही नहीं होगा कि 1937 का निर्णय केवल 'मुस्लिम वोट' के कारण लिया गया था। उस समय कांग्रेस नेतृत्व के भीतर राष्ट्रीय एकता, साम्प्रदायिक तनाव और भविष्य के स्वतंत्र भारत की बहुलतावादी संरचना को लेकर वास्तविक चिंताएं भी थीं। गांधी और नेहरू सहित कई नेताओं ने यह माना कि राष्ट्रीय प्रतीक ऐसा होना चाहिए जिसे विभिन्न समुदाय सहजता से स्वीकार कर सकें। इसलिए 1937 के निर्णय को केवल एक पंक्ति में 'मुस्लिम तुष्टिकरण' कह देना इतिहास को अत्यधिक सरल बना देगा।

लेकिन इसके साथ दूसरा प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है—यदि 1937 की परिस्थिति में लिया गया निर्णय आज भी कांग्रेस के लिए बाध्यकारी राजनीतिक सिद्धांत है, तो क्या कांग्रेस ने यह मान लिया है कि भारत की सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियां 89 वर्षों में बदली ही नहीं हैं? आज भारत 1937 का औपनिवेशिक भारत नहीं है। आज भारत एक स्वतंत्र, संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य है। संविधान नागरिकों को समानता देता है, धार्मिक स्वतंत्रता देता है और किसी भी नागरिक को उसकी धार्मिक पहचान के आधार पर दूसरे दर्जे का नागरिक नहीं बनाता। ऐसे में राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति दृष्टिकोण भी व्यापक राष्ट्रीय भावना पर आधारित होना चाहिए, न कि पुराने राजनीतिक समीकरणों पर। यहां कांग्रेस से पूछा जाना चाहिए कि यदि वह 'वन्दे मातरम्' के पहले दो अंतरों को ही पर्याप्त मानती है तो क्या वह देश को यह समझाने को तैयार है कि शेष अंतरे भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत का हिस्सा नहीं हैं? यदि वे ऐतिहासिक रचना का हिस्सा हैं, तो उन्हें केवल राजनीतिक असुविधा के कारण सार्वजनिक स्मृति से दूर रखना कितना उचित है?

और यदि कांग्रेस का उत्तर यह है कि उसे केवल अपने पार्टी कार्यक्रमों में ऐसा करने का अधिकार है, तो तकनीकी रूप से यह बात सही हो सकती है। किसी राजनीतिक दल को अपने कार्यक्रम का स्वरूप निर्धारित करने का अधिकार है। लेकिन कांग्रेस स्वयं को भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की प्रमुख राजनीतिक विरासत का उत्तराधिकारी भी मानती है। इसलिए उसके सांस्कृतिक निर्णय स्वाभाविक रूप से सार्वजनिक विमर्श को प्रभावित करते हैं।

यह भी ध्यान रखना चाहिए कि 'वन्दे मातरम्' को संविधान ने राष्ट्रगान नहीं बनाया। 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने स्पष्ट किया कि 'जन गण मन' राष्ट्रगान होगा और 'वन्दे मातरम्', जिसने स्वतंत्रता संघर्ष में ऐतिहासिक भूमिका निभाई, उसे भी समान सम्मान और समान दर्जा दिया जाएगा। यह निर्णय संविधान सभा के अभिलेख में दर्ज है।

यानी स्वतंत्र भारत के संस्थापकों ने 'जन गण मन' और 'वन्दे मातरम्' को परस्पर प्रतिस्पर्धी प्रतीक नहीं बनाया। उन्होंने दोनों को सम्मान दिया। एक राष्ट्रगान बना, दूसरा राष्ट्रीय गीत। दोनों की अपनी ऐतिहासिक भूमिका रही।

फिर आज समस्या क्या है?

समस्या तब पैदा होती है जब राजनीतिक दल राष्ट्रीय प्रतीकों को अपनी वैचारिक सुविधा के अनुसार चुनने लगते हैं। यदि 'वन्दे मातरम्' का सम्मान करना राष्ट्रवाद है तो इसे किसी एक दल की संपत्ति नहीं बनाया जाना चाहिए। और यदि किसी नागरिक को इसके किसी अंश से धार्मिक आपत्ति है तो उसे अपनी असहमति रखने का लोकतांत्रिक अधिकार होना चाहिए। भारत की शक्ति इसी संतुलन में है।

लेकिन राजनीतिक दलों के लिए प्रश्न अलग है। राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय प्रतीकों को वोट बैंक की गणित से ऊपर रखना चाहिए। यदि कांग्रेस आज भी 1937 के निर्णय को राजनीतिक रूप से दोहरा रही है, तो उसके आलोचकों को यह पूछने का पूरा अधिकार है कि क्या यह इतिहास के प्रति प्रतिबद्धता है या उस पुराने तुष्टिकरण मॉडल की राजनीतिक निरंतरता?

कांग्रेस यह भी नहीं भूल सकती कि 'वन्दे मातरम्' किसी एक धर्म के लोगों ने मिलकर अंग्रेजों के विरुद्ध इस्तेमाल किया था। स्वतंत्रता आंदोलन में यह गीत उस समय राष्ट्रीय प्रतिरोध की भाषा बना जब भारत गुलाम था। उस समय न तो सत्ता कांग्रेस के पास थी, न वोट बैंक की आज की गणित थी। लोगों के सामने एक विदेशी शासन था और उसके विरुद्ध राष्ट्रीय अस्मिता की लड़ाई थी। यही कारण है कि आज 'वन्दे मातरम्' को केवल हिंदू-मुस्लिम विवाद के चश्मे से देखना भी गलत होगा। यह भारत की राष्ट्रीय चेतना के इतिहास का हिस्सा है।

सवाल यह भी है कि क्या 'मातृभूमि' के प्रति सम्मान को किसी धर्म की पूजा के बराबर समझना उचित है? यदि कोई व्यक्ति धार्मिक कारणों से किसी अभिव्यक्ति को स्वीकार नहीं करना चाहता, तो उसका अधिकार अपनी जगह है। लेकिन दूसरे नागरिकों के लिए वही अभिव्यक्ति मातृभूमि के प्रति सम्मान का प्रतीक हो सकती है। लोकतंत्र दोनों दृष्टिकोणों के सह-अस्तित्व की अनुमति देता है।

इसलिए 'वन्दे मातरम्' को लेकर राजनीति का रास्ता आदेश या दबाव नहीं होना चाहिए, बल्कि इतिहास और संविधान के संतुलित विवेक का होना चाहिए।

बोकारो में आजसू जिला कार्यसमिति की बैठक, संगठन विस्तार और जनसंघर्ष की रणनीति पर मंथन

नई सोच एक्सप्रेस

बोकारो। आजसू पार्टी बोकारो जिला कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को बोकारो परिसदन में आयोजित हुई। बैठक में पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सह झारखंड सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, आगामी सांगठनिक कार्यक्रमों और जनहित के मुद्दों पर संघर्ष की रणनीति को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए सुदेश कुमार महतो ने कहा कि पार्टी की असली ताकत सक्रिय कार्यकर्ताओं और मजबूत संगठनात्मक ढांचे में निहित है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा आम जनता से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाने का आह्वान किया। उन्होंने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, पंचायत एवं प्रखंड स्तर पर सांगठनिक गतिविधियों को तेज करने तथा जनता के साथ निरंतर संवाद स्थापित करने पर जोर दिया। बैठक की अध्यक्षता आजसू पार्टी बोकारो जिला अध्यक्ष सचिन महतो ने की, जबकि संचालन जिला उपाध्यक्ष संजय दास ने किया। इस दौरान उत्तरी छोटानागपुर प्रभारी सह पूर्व विधायक डॉ. लम्बोदर महतो, मांडू विधायक निर्मल महतो, केंद्रीय महासचिव काशीनाथ सिंह समेत पार्टी के कई पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में आगामी राजनीतिक एवं सांगठनिक कार्यक्रमों, बूथ स्तर तक संगठन के विस्तार और जनहित के मुद्दों पर संघर्ष को तेज करने को लेकर कार्ययोजना तैयार की गई। कार्यकर्ताओं ने संगठन को और मजबूत बनाने तथा जनता से जुड़े मुद्दों पर लगातार संघर्ष करने का संकल्प लिया। 27 अगस्त को रांची में होगी महत्वपूर्ण सांगठनिक बैठक आजसू पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से 27 अगस्त को सुबह 10 बजे केंद्रीय कार्यालय, हरमू, रांची में महत्वपूर्ण सांगठनिक बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो करेंगे। बैठक में सभी जिलों के जिला अध्यक्ष, जिला संयोजक, जिला प्रभारी, प्रमंडल प्रभारी, BLA-1 तथा सभी विधानसभा क्षेत्रों के प्रभारी शामिल होंगे। इस दौरान विधानसभा क्षेत्रवार दौरे, प्रखंड स्तर पर सांगठनिक तैयारी, विशिष्ट जनों से संवाद, बूथ स्तर तक संगठन विस्तार तथा आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की जाएगी।

राष्ट्रीय मंत्री बनने के बाद पहली बार भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचे प्रदीप वर्मा, हुआ भव्य स्वागत

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कमिटी में मंत्री नियुक्त होने के बाद डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा बुधवार को पहली बार भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचे। इस दौरान पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनका आत्मीय स्वागत करते हुए नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं एवं बधाई दी। प्रदेश कार्यालय पहुंचने पर डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने सर्वप्रथम भाजपा के पथ प्रदर्शक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने डॉ. वर्मा को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके अनुभव और नेतृत्व क्षमता से पार्टी को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मंत्री का दायित्व मिलना संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, समर्पण और कार्यक्षमता का सम्मान है। श्री साहू ने इसके लिए केंद्रीय नेतृत्व के प्रति आभार भी जताया। संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि डॉ. प्रदीप वर्मा के कुशल नेतृत्व और संगठनात्मक अनुभव से निश्चित रूप से पार्टी को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। वहीं डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने कहा कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा सौंपा गया अहम दायित्व उनके लिए केवल सम्मान नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है। भाजपा कार्यकर्ता आधारित संगठन है, जहां मेहनत, परिश्रम और समर्पण के बल पर कार्यकर्ता ऊंचे से ऊंचे पद तक पहुंच सकता है। यह जिम्मेदारी केवल उनका सम्मान नहीं, बल्कि झारखंड के सभी भाजपा कार्यकर्ताओं के स्नेह और मेहनत का सम्मान है। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य फोकस संगठन के विस्तार और मजबूती पर रहेगा तथा वे पूरी प्रतिबद्धता और निष्ठा के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करेंगे। डॉ. वर्मा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, मुनेश्वर साहू, दीपक बंका, हेमंत दास, सूरज चौरसिया, अशोक बड़ाईक, केके गुप्ता, शोभा यादव, नीरज सिंह, सूरज शाहदेव, राहुल अवस्थी, रजनीश पांडे, रमेश सिंह, राकेश भास्कर, ललित ओझा, शशि भूषण भगत, पंकज सिन्हा, गोपाल सोनी, इंद्रजीत यादव सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा के लिए हर आदिवासी-मूलवासी का सवाल 'दिमागी नक्सल' : विनोद पांडेय

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, रघुवर दास और भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा की नजर में आदिवासी-मूलवासी, गरीब और अपने अधिकारों की आवाज उठाने वाला हर व्यक्ति संदेह के घेरे में है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से जमीन, जंगल, पानी, खनिज और रोजगार के अधिकार की मांग को नक्सलवाद कहना झारखंड की जनता का अपमान है। पांडेय ने कहा कि भाजपा नेताओं को खनिज संपदा के आंकड़े गिनाने से पहले उन गांवों का दर्द समझना चाहिए, जहां खनन के कारण जमीन गई, जंगल उजड़े और लोगों को विस्थापन झेलना पड़ा। उन्होंने कहा कि झामुमो खनन एवं औद्योगिक विकास का विरोधी नहीं है, लेकिन जमीन का सम्मान, आदिवासी अधिकारों की सुरक्षा, स्थानीय युवाओं को रोजगार और खनिज संपदा में झारखंडी हित की प्राथमिकता जरूरी है। एमएमडीआर संशोधन अधिनियम को लेकर रघुवर दास के बयान पर उन्होंने कहा कि केवल राजस्व और कर के आंकड़ों की चर्चा से मूल सवालों से ध्यान नहीं भटकाया जा सकता। उन्होंने भाजपा से राजनीतिक असहमति को नक्सलवाद से जोड़ने की राजनीति बंद कर झारखंड की जनता की समस्याओं को समझने की अपील की।

खेल युवाओं के सपनों को उड़ान देने का सबसे सशक्त माध्यम : सुदेश महतो

बोकारो। बोकारो सेक्टर-4 स्थित कुमार मंगलम स्टेडियम में आयोजित 2nd NTPC राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता का बुधवार को भव्य समापन हुआ। समापन समारोह में झारखंड सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में मांडू विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो, गोमिया के पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो एवं सेवानिवृत्त न्यायाधीश एस.के. अग्निहोत्री विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। आयोजकों ने सुदेश महतो का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर सुदेश महतो ने प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया तथा देशभर से पहुंचे प्रतिभावान तीरंदाजों का उत्साहवर्धन किया। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि खेल केवल मैदान पर जीत हासिल करने का माध्यम नहीं, बल्कि हुनर, हौसले और मेहनत के दम पर देश का नाम रोशन करने का जुनून है।उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों से आए प्रतिभावान खिलाड़ियों ने बोकारो की धरती पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर इस आयोजन को गौरवपूर्ण बनाया है। ऐसे राष्ट्रीय स्तर के आयोजन युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने और अपने सपनों को नई उड़ान देने की प्रेरणा देते हैं। सुदेश महतो ने कहा कि झारखंड में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत है कि खिलाड़ियों को बेहतर अवसर, संसाधन और प्रोत्साहन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए आयोजकों एवं तीरंदाजी संघ के पदाधिकारियों को बधाई दी और सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य तथा सफलता की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में तीरंदाजी संघ के पदाधिकारी, प्रशिक्षक, खिलाड़ी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

निःशुल्क सेवालय सेवा शिविर में कांवरियों की सेवा, रंजन चौधरी सम्मानित

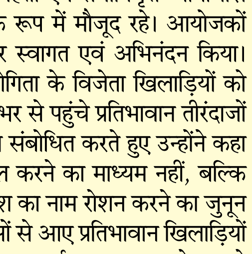

देवघर। स्थानीय तिवारी चौक रोड एवं जलसार पार्क के निकट आयोजित "निःशुल्क सेवालय" सेवा शिविर का समापन श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ हुआ। शिविर में बोल बम कांवरियों के लिए चाय, पानी, शरबत, लस्सी, जूस, नारियल पानी, फल, हलुआ सहित विभिन्न फलाहार एवं चिकित्सा की व्यवस्था की गई। शिविर के सफल आयोजन एवं समापन पर राष्ट्रवादी संगठन 'सैल्यूट तिरंगा' के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष रंजन कुमार चौधरी को उनके सराहनीय प्रयासों के लिए उत्तम साह एवं प्रभाष गुप्ता ने पुष्पमाला पहनाकर एवं बुके देकर सम्मानित किया। इस दौरान उनके सेवा भाव, सकारात्मक सोच एवं कुशल प्रबंधन की सराहना की गई। आयोजकों ने कहा कि सेवा ही संगठन की शक्ति है। सामाजिक योगदान के साथ सनातन संस्कृति एवं धार्मिक विरासत को बढ़ावा देने की दिशा में ऐसे सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। शिविर में रंजन कुमार चौधरी सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने सक्रिय योगदान दिया।

डीएवी मुनिडीह में वैदिक सप्ताह के तहत हुआ वृक्षारोपण

मुनिडीह, धनबाद। डीएवी पब्लिक स्कूल, मुनिडीह में वैदिक सप्ताह के दूसरे दिन वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कक्षा दो से चार तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए और उनके संरक्षण व नियमित देखभाल का संकल्प लिया। विद्यालय की प्राचार्या इंदु प्रसाद ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को वृक्षों के महत्व की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रभारी मेघा परासर समेत जेपी महतो, मौमिता विश्वास, चेतना, मनीषा पांडेय, कृष्णा प्रसाद, आरएम पटेल सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं का योगदान रहा।

एसआईआर की विसंगतियों को लेकर भाजपा ने निर्वाचन विभाग को सौंपा ज्ञापन

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड भाजपा ने विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (SIR) के तहत दावा एवं आपत्तियां दर्ज करने की प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और विसंगतियों को लेकर निर्वाचन विभाग को ज्ञापन सौंपा है। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सह एसआईआर के प्रदेश संयोजक राकेश प्रसाद ने अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपते हुए पूरे मामले की जांच कराने तथा दोषी व्यक्तियों पर कार्रवाई की मांग की। भाजपा ने विशेष रूप से संथाल परगना प्रमंडल में मतदाता सूची को लेकर सामने आ रही विसंगतियों पर चिंता जताई है। पार्टी ने कहा कि स्वच्छ और त्रुटिरहित मतदाता सूची लोकतंत्र की मजबूती का आधार है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे SIR का उद्देश्य प्रत्येक पात्र भारतीय मतदाता का नाम सूची में सुनिश्चित करना तथा अपात्र या गैर-भारतीय व्यक्ति का नाम शामिल होने से रोकना है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि झारखंड के कई क्षेत्रों में संबंधित अधिकारी और कर्मचारी निर्धारित नियमों के अनुरूप कार्य नहीं कर रहे हैं। पार्टी ने समाचार पत्रों में प्रकाशित संबंधित खबरों की छाया प्रतियां भी ज्ञापन के साथ संलग्न की हैं। भाजपा ने मांग की कि 15 सितंबर 2026 तक चलने वाली दावा एवं आपत्ति अवधि के दौरान जिन मतदाताओं का नाम प्रारूप मतदाता सूची में दर्ज है, लेकिन 2003 के आधार पर उनका सत्यापन नहीं हो पाया है और वे 'नो मैपिंग' सूची में हैं, उनकी सुनवाई के बाद विधानसभा क्षेत्रवार स्वीकृत सूची सार्वजनिक की जाए, ताकि पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। ज्ञापन में साहेबगंज जिले के राजमहल विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 343, गृह संख्या 01 का उदाहरण देते हुए कहा गया कि वर्ष 2019 की मतदाता सूची में जहां चार मतदाताओं के नाम थे, वहीं 25 जुलाई 2024 को प्रकाशित सूची में यह संख्या बढ़कर 39 हो गई। भाजपा ने सूची में दर्ज मतदाताओं की आयु और पारिवारिक संबंधों में भी कथित विसंगतियों का उल्लेख किया है। इसी प्रकार राजमहल विधानसभा के बूथ संख्या 187, गृह संख्या 137 में वर्ष 2019 में 12 मतदाता होने के मुकाबले वर्तमान सूची में 26 मतदाताओं के नाम होने का दावा किया गया है। भाजपा ने बोरियो विधानसभा क्षेत्र के मंडरो प्रखंड स्थित लालमाटी गांव की मतदाता सूची में बड़ी संख्या में मुस्लिम मतदाताओं के नाम होने का भी उल्लेख किया है। पार्टी ने इस मामले की भी जांच कराने की मांग की है। ज्ञापन में साहेबगंज जिले में मतदाताओं की उम्र और पारिवारिक संबंधों से जुड़ी कथित विसंगतियों का भी उल्लेख किया गया है। भाजपा का आरोप है कि कुछ मामलों में पिता-पुत्र की उम्र में महज दो-तीन वर्ष का अंतर दर्ज है, जबकि अन्य मामलों में पारिवारिक संबंधों और उम्र को लेकर गंभीर विरोधाभास सामने आए हैं। वहीं, गोड्डा विधानसभा के बसंतराय प्रखंड में बूथ संख्या 9 और 38 पर बीएलए-2 द्वारा प्रस्तुत फार्म-7 लेने से बीएलओ द्वारा कथित रूप से इनकार किए जाने का भी मामला ज्ञापन में उठाया गया है। भाजपा के अनुसार इसकी मौखिक सूचना प्रखंड विकास पदाधिकारी और अनुमंडल पदाधिकारी, गोड्डा को दी गई, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। भाजपा ने यह भी आरोप लगाया कि बूथ संख्या 9 पर बीएलए-2 द्वारा दिए गए फार्म-7 तथा बीएलए-2 के नाम और राजनीतिक दल की जानकारी सार्वजनिक कर दी गई, जिसके कारण संबंधित बीएलए-2 को स्थानीय स्तर पर दबाव और धमकी का सामना करना पड़ रहा है। पार्टी ने इसे निर्वाचन आयोग के निर्देशों का उल्लंघन बताते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की। राकेश प्रसाद ने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता और पारदर्शिता लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने निर्वाचन विभाग से सभी शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों पर कार्रवाई करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी करने की मांग की। ज्ञापन सौंपने के दौरान बबन गुप्ता और सुनील साहू भी मौजूद रहे।

MMDR संशोधन बिल पर कांग्रेस का भाजपा पर पलटवार, रघुवर दास से मांगा उनके शासनकाल का हिसाब

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास द्वारा MMDR संशोधन बिल के समर्थन में दिए गए बयान पर तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि झारखंड की खनिज संपदा पर राज्य के अधिकार और राजस्व को कमजोर करने वाले किसी भी प्रावधान को "राज्यहित" बताना जनता को गुमराह करने की कोशिश है। केशव महतो कमलेश ने कहा कि भाजपा को पहले यह बताना चाहिए कि उसके शासनकाल में झारखंड की खनिज संपदा से राज्य और जनता को कितना वास्तविक लाभ मिला तथा खनन प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति में कितना सुधार हुआ। उन्होंने कहा कि केवल यह कहना कि खनिज राजस्व का 90 प्रतिशत राज्यों को मिलता है, पर्याप्त जवाब नहीं है। असली सवाल यह है कि राज्यों के राजस्व अधिकार और नीति-निर्धारण की क्षमता को सीमित करने की जरूरत क्यों पड़ रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि झारखंड की जमीन, जंगल और खनिज यहां की जनता, आदिवासियों और मूलवासियों की प्राकृतिक संपदा हैं। इनसे होने वाला राजस्व शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, पेयजल और खनन प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्वास पर खर्च होना चाहिए। DMFT को लेकर भाजपा पर निशाना DMFT को लेकर लगाए जा रहे आरोपों पर केशव महतो कमलेश ने कहा कि DMFT कानून के तहत बनी व्यवस्था है, जिसका उद्देश्य खनन प्रभावित लोगों को स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने भाजपा से सवाल किया कि रघुवर दास के मुख्यमंत्री रहते खनन प्रभावित क्षेत्रों में स्वच्छ पानी, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और रोजगार की स्थिति क्यों नहीं सुधरी। उन्होंने कहा कि चाईबासा, धनबाद, चतरा, पाकुड़ समेत राज्य के कई खनन क्षेत्रों की जनता आज भी अपने अधिकारों और बेहतर जीवन के लिए संघर्ष कर रही है। भाजपा से पूछे पांच सवाल केशव महतो कमलेश ने भाजपा से पूछा कि MMDR संशोधन के बाद झारखंड के राजस्व अधिकार सुरक्षित रहने की कानूनी गारंटी क्या है? मिनिरल बियरिंग लैंड सेस के अधिकार को कमजोर करने की कोशिश क्यों की जा रही है? खनिज दोहन में स्थानीय लोगों और आदिवासी समुदायों के हितों की रक्षा कैसे होगी? खनिज संपदा से होने वाले आर्थिक लाभ और रोजगार में झारखंड की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए केंद्र ने क्या ठोस कदम उठाए हैं? यदि यह बिल पूरी तरह राज्यहित में है तो सभी राजनीतिक दलों और खनिज प्रभावित समुदायों के साथ इसकी प्रत्येक धारा पर चर्चा करने में भाजपा को आपत्ति क्यों है? उन्होंने कहा कि कांग्रेस वैज्ञानिक और पारदर्शी तरीके से खनिज संसाधनों के दोहन के खिलाफ नहीं है, लेकिन ऐसा कोई कानून स्वीकार नहीं किया जा सकता जो राज्यों के अधिकारों को कमजोर करे और झारखंड की जनता को उसकी प्राकृतिक संपदा के उचित लाभ से वंचित करे। केशव महतो कमलेश ने रघुवर दास पर निशाना साधते हुए कहा, "झारखंड की जनता को उपदेश देने से पहले अपने शासनकाल का हिसाब दीजिए। खनिज संपदा पर झारखंड का अधिकार किसी राजनीतिक दल की मेहरबानी नहीं, बल्कि जनता का हक है। कांग्रेस इस हक की लड़ाई विधानसभा से लेकर सड़क और संसद तक पूरी मजबूती से लड़ेगी।"

कानून से ऊपर न जनप्रतिनिधि, न पुलिस : डॉ. देवशरण भगत

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। विधायक जयराम महतो और पुलिस पदाधिकारी के बीच हुए विवाद पर आजसू पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत ने कहा कि लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि और पुलिस—दोनों की अपनी संवैधानिक मर्यादा और जिम्मेदारी है। किसी जनप्रतिनिधि द्वारा पुलिस पदाधिकारी के साथ अभद्र या अपमानजनक भाषा का प्रयोग उचित नहीं है, लेकिन पुलिस भी प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राजनीतिक विवाद का पक्षकार नहीं बन सकती। उन्होंने कहा कि यदि किसी जनप्रतिनिधि ने मर्यादा का उल्लंघन किया है तो कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन पुलिस की जवाबदेही भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। पुलिस जनता की सुरक्षा, न्याय और विश्वास की संस्था है। आम नागरिक जब अपनी शिकायत लेकर थाने पहुंचता है, तो उसे संवेदनशीलता और सम्मान के साथ सुना जाना चाहिए। डॉ. भगत ने कहा कि जनप्रतिनिधि जनता की आवाज हैं और पुलिस कानून-व्यवस्था की जिम्मेदार संस्था है। दोनों के बीच टकराव का सबसे बड़ा नुकसान आम जनता को होता है। इसलिए किसी भी विवाद को सार्वजनिक आरोप-प्रत्यारोप और प्रेस कॉन्फ्रेंस का विषय बनाने के बजाय निष्पक्ष जांच के माध्यम से सुलझाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। विधायक हों या पुलिस अधिकारी, सभी को अपनी मर्यादा में रहना होगा। जनप्रतिनिधि की भाषा में शालीनता और पुलिस के व्यवहार में संवेदनशीलता लोकतंत्र की दोनों अनिवार्य शर्तें हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से आग्रह किया कि जनता के साथ व्यवहार में संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। पुलिस की वर्दी अधिकार का प्रतीक जरूर है, लेकिन वह अधिकार जनता के विश्वास से जुड़ा है। प्रत्येक नागरिक को सम्मानपूर्वक सुनना और उसकी शिकायत पर विधिसम्मत कार्रवाई करना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

हर थाने में CCTV कैमरे लगाने का फैसला पारदर्शी पुलिसिंग की दिशा में बड़ा कदम : विजय शंकर नायक

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने राज्य के सभी थानों में CCTV कैमरे लगाने के कैबिनेट फैसले का स्वागत करते हुए इसे पारदर्शी पुलिसिंग और पुलिस की जवाबदेही मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। उन्होंने कहा कि थाना आम नागरिक के लिए न्याय और सुरक्षा का पहला संस्थागत केंद्र है। थानों के प्रवेश द्वार, रिसेप्शन, पूछताछ कक्ष, हवालात, मालखाना और अन्य संवेदनशील स्थानों पर CCTV की प्रभावी व्यवस्था से पुलिसकर्मियों और आम नागरिकों, दोनों के अधिकारों की बेहतर सुरक्षा होगी। किसी घटना की स्थिति में CCTV फुटेज निष्पक्ष जांच में भी मददगार साबित होगा। नायक ने कहा कि CCTV लगाने के साथ फुटेज को सुरक्षित रखने, नियमित निगरानी और रिकॉर्ड से छेड़छाड़ रोकने की पुख्ता व्यवस्था भी जरूरी है। इसके लिए पर्याप्त स्टोरेज, डिजिटल बैकअप और ऑडिट व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने थानों में सिटीजन फैसिलिटेशन डेस्क, महिला एवं वरिष्ठ नागरिक सहायता काउंटर तथा शिकायतों की ऑनलाइन ट्रैकिंग व्यवस्था मजबूत करने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि पुलिस सुधार का मतलब केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखना नहीं, बल्कि आम जनता के साथ सम्मानजनक व्यवहार, समयबद्ध शिकायत निवारण और कमजोर वर्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी है। महिला पुलिसकर्मियों की पर्याप्त तैनाती, साइबर अपराध सहायता डेस्क तथा दिव्यांग और बुजुर्ग नागरिकों के लिए सुगम व्यवस्था को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि CCTV फुटेज आम जनता के साथ-साथ पुलिसकर्मियों के लिए भी तथ्यात्मक सुरक्षा कवच का काम करेगा। उन्होंने सरकार से CCTV परियोजना में पारदर्शी खरीद प्रक्रिया, गुणवत्तापूर्ण उपकरण, नियमित रखरखाव और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की, ताकि यह योजना केवल घोषणा बनकर न रह जाए और हर थाना आने वाले नागरिक को सुरक्षा व न्याय का भरोसा मिल सके।

मतदाता सूची में उम्र की विसंगतियों की जांच में बरतें पूरी सावधानी : के. रवि कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने राज्य के सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची में उम्र से संबंधित तार्किक विसंगतियों के मामलों की गंभीरता और सावधानी से जांच कर नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि किसी एक दस्तावेज के आधार पर निर्णय लेने के बजाय जन्मतिथि, पारिवारिक संबंध और अन्य उपलब्ध अभिलेखों का समेकित रूप से परीक्षण किया जाए। के. रवि कुमार ने निर्देश दिया कि यदि एक ही माता-पिता की एक से अधिक संतानें मतदाता सूची में दर्ज हैं, तो उनकी जन्मतिथि और जन्म संबंधी दस्तावेजों का आपस में मिलान किया जाए। माता-पिता और संतानों की उम्र में तार्किक अंतर सहित परिवार से जुड़े उपलब्ध अभिलेखों की भी जांच की जाए, ताकि वास्तविक पात्र मतदाता को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि सुनवाई के दौरान खतियान, वंशावली और अन्य पारिवारिक अभिलेखों का भी सावधानीपूर्वक परीक्षण किया जाए। यदि किसी व्यक्ति द्वारा खतियान या वंशावली में छेड़छाड़ कर स्वयं को किसी परिवार का वंशज बताते हुए मतदाता सूची में शामिल होने का प्रयास किए जाने की जानकारी मिलती है, तो इसकी सूचना संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ) को दी जाए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि गलत अथवा असत्य विवरण, बयान या घोषणा के आधार पर मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के प्रयासों की जांच कर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और अन्य संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों में यदि किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता भी सामने आती है, तो उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर उसके विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने स्पष्ट किया कि नोटिस और सुनवाई की प्रक्रिया का उद्देश्य किसी पात्र भारतीय नागरिक को परेशान करना नहीं, बल्कि मतदाता सूची में मौजूद तार्किक विसंगतियों का निराकरण करना है। प्रत्येक मतदाता को अपना पक्ष रखने और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने का पर्याप्त अवसर दिया जाए। जांच पूरी होने के बाद ही कारणयुक्त आदेश पारित किया जाए। के. रवि कुमार ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के माध्यम से तैयार मतदाता सूची और उससे संबंधित अभिलेखों को स्थायी रूप से संरक्षित किया जाना है। इसलिए सत्यापन और सुनवाई के दौरान दस्तावेजों एवं विवरणों की शुद्धता बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी अधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों और निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का अक्षरशः पालन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि एसआईआर का उद्देश्य शुद्ध और त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करना है। एक भी पात्र भारतीय नागरिक का नाम मतदाता सूची से नहीं छूटे और किसी अपात्र अथवा विदेशी नागरिक का नाम शामिल न हो, इसके लिए सभी संबंधित पक्षों का सहयोग आवश्यक है।

संक्षिप्त समाचार

जिओ नेटवर्क की खराब सेवा से उपभोक्ता परेशान, कॉलिंग में आ रही लगातार दिक्कत

चतरा। जिले के मयूरहैण्ड विभिन्न क्षेत्रों में जिओ नेटवर्क की खराब सेवा से उपभोक्ताओं को इन दिनों भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि कई इलाकों में जिओ का नेटवर्क कमजोर रहने के कारण मोबाइल से कॉल करने और बात करने में काफी दिक्कत हो रही है। कई बार जरूरी कॉल कनेक्ट ही नहीं होती, जबकि कॉल लगने के बाद आवाज कट-कटकर सुनाई देती है और बातचीत बीच में ही बाधित हो जाती है। नेटवर्क की समस्या के कारण लोगों के जरूरी काम प्रभावित हो रहे हैं। ऑनलाइन कार्य, बैंकिंग से जुड़ी गतिविधियों और आपसी बातचीत में भी परेशानी आ रही है। उपभोक्ताओं का कहना है कि जिओ का रिचार्ज कराने के बावजूद बेहतर नेटवर्क सेवा नहीं मिल पा रही है। परेशान उपभोक्ताओं ने संबंधित कंपनी के अधिकारियों से नेटवर्क व्यवस्था की जांच कर जल्द से जल्द सुधार करने की मांग की है, ताकि लोगों को कॉलिंग और इंटरनेट सेवा का सुचारु रूप से लाभ मिल सके।

लोन पॉलीक्लिनिक, क्रालगुंड काज़ियाबाद में मुफ़्त मेडिकल कैंप का आयोजन

काज़ियाबाद।स्थानीय समुदाय को आसानी से अच्छी क्वालिटी वाली हेल्थकेयर सेवाएँ देने के मकसद से, 47 AD रेजिमेंट, 7 सेक्टर RR और लोन पॉलीक्लिनिक के सहयोग से लोन पॉलीक्लिनिक, क्रालगुंड, काज़ियाबाद में एक मुफ़्त मेडिकल कैंप लगाया गया। इस कैंप में स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कई तरह की हेल्थकेयर सेवाएँ पाईं, जिनमें मुफ़्त मेडिकल सलाह, जाँच सेवाएँ और रियायती दरों पर हेल्थकेयर सुविधाएँ शामिल थीं। कैंप में मरीज़ों को मेडिकल सलाह और एक्सपर्ट की राय देने के लिए जनरल फ़िज़िशियन डॉ. बशीर अहमद और स्किन व हेयर स्पेशलिस्ट डॉ. साइमा अमीन मौजूद थे। कैंप के तहत, लोगों को मुफ़्त सलाह, लैब टेस्ट पर 30% की छूट, डिजिटल एक्स-रे और ECG सेवाओं पर 20% की छूट और दवाओं पर छूट दी गई। यह पहल समुदाय की भलाई और इलाके में हेल्थकेयर सुविधाओं तक पहुँच को बेहतर बनाने के लिए शामिल संगठनों की प्रतिबद्धता को दिखाती है। आयोजकों ने बताया कि ऐसी पहल से बीमारियों से बचाव (प्रिवेंटिव हेल्थकेयर) को बढ़ावा मिलता है और लोग समय पर मेडिकल सलाह लेने के लिए प्रोत्साहित होते हैं। **कैंप का संदेश थाः** "आपकी सेहत • हमारी प्राथमिकता • हमारी प्रतिबद्धता" आयोजकों ने स्थानीय समुदाय के सहयोग और भागीदारी के लिए उनका आभार व्यक्त किया और एक स्वस्थ और बेहतर भविष्य की दिशा में योगदान देने वाली ऐसी पहल को जारी रखने के अपने संकल्प को दोहराया। **अधिक जानकारी के लिएः** 6005803327 | 7006282619 | 6005109232

सुल्तानगंज के गंगा घाटों पर उमड़ा आस्था के साथ स्वच्छता का संकल्प, स्कूली बच्चों ने चलाया जागरूकता अभियान

भागलपुर। विश्व प्रसिद्ध राजकीय श्रावणी मेला के अवसर पर बुधवार को सुल्तानगंज के उत्तरवाहिनी गंगा घाटों को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए एक विशेष मुहिम चलाई गई। जिला प्रशासन और जिला गंगा समिति, भागलपुर के तत्वावधान में नमामि गंगे घाट और अजगैवीनाथ मंदिर सीढ़ी घाट पर व्यापक 'गंगा स्वच्छता एवं गंगा जागरूकता अभियान' का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को गंगा को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करना था। गंगा को प्रदूषण मुक्त बनाने के संकल्प के साथ इस अभियान में स्कूली बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। नमामि गंगे घाट पर आनंदराम ढंनढनियां सरस्वती विद्या मंदिर, भागलपुर के भैया-बहनों (छात्र-छात्राओं) ने श्रमदान किया। वहीं दूसरी ओर, अजगैवीनाथ मंदिर सीढ़ी घाट पर दीक्षा इंटरनेशनल स्कूल के छात्र-छात्राओं ने स्वच्छता अभियान चलाकर घाटों की सफाई की और बैनर-पोस्टर के माध्यम से श्रद्धालुओं को जागरूक किया। अभियान को सफल बनाने में जिला गंगा समिति के महादेव प्रसाद रजक ने मुख्य भूमिका निभाई। दीक्षा इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक संजय पासवान के साथ शिक्षक अंकित पांडे, अंकित आनंद, संजीत, किरण कुमारी, शिल्पी गुप्ता और तिलोत्तमा चौधरी ने बच्चों का मार्गदर्शन किया। इसके साथ ही आनंदराम सरस्वती विद्या मंदिर, भागलपुर से पशुपति नाथ दुबे, शुभम कुमार, श्वेता, श्रुति जी और सामाजिक कार्यकर्ता पवन कुमार मिश्रा जी ने खुद घाटों पर उतरकर गंगा स्वच्छता के लिए श्रमदान किया और लोगों से गंगा में गंदगी न फैलाने की अपील की। इस अभियान की स्थानीय लोगों और दूर-दराज से आए कांवरियों ने काफी सराहना की।

व्यक्ति,परिवार,समाज व राष्ट्र रक्षा का आह्वान करता है रक्षाबंधन का त्योहार

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी।स्नान-दान सहित श्रावणी पूर्णिमा एवं रक्षाबंधन का पुनीत पर्व 28 अगस्त शुक्रवार को मनाया जाएगा। इस वर्ष 27 अगस्त गुरुवार को दिन में 08:31 बजे से पूर्णिमा तिथि लग रही है जो 28 अगस्त शुक्रवार को दिन में 09:18 बजे तक रहेगी। चूंकि शुक्रवार को सूर्योदय पूर्णिमा तिथि में हो रहा है,अतः उदया तिथि को मानते हुए सम्पूर्ण दिन रक्षाबंधन का त्योहार अपनी अपनी परंपरा के अनुसार मनाना उचित होगा। आज ही वेद के विभिन्न शाखाओं के अनुयायी एक साथ मिलकर सबसे पवित्र श्रावणी उपाकर्म विधिवत सम्पन्न करेंगे। उक्त जानकारी महर्षिनगर स्थित आर्षविद्या शिक्षण प्रशिक्षण सेवा संस्थान-वेद विद्यालय के प्राचार्य सुशील कुमार पाण्डेय ने दी। उन्होंने बताया कि रक्षाबंधन का त्योहार केवल भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक हीं नहीं है अपितु यह चार वर्णों की अद्वितीय शक्तियों से युक्त व्यक्ति,परिवार,समाज व राष्ट्र रक्षा का आह्वान भी करता है। यह पर्व आत्मबोध एवं आत्मज्ञान का दिन है। प्राचार्य पाण्डेय ने बताया कि पौराणिक मान्यता के अनुसार प्राचीन काल में एक बार बारह वर्षों तक देवासुर संग्राम होता रहा,जिसमें देवताओं का पराभव हुआ और असुरों ने स्वर्ग पर अधिपत्य कर लिया। पराजित एवं चिन्तित इन्द्र देवगुरु बृहस्पति के पास गए और कहने लगे कि इस समय न तो मैं यहाँ सुरक्षित हूँ और न ही यहाँ से कहीं निकल ही सकता हूँ। ऐसी दशा में मेरा युद्ध करना ही अनिवार्य है,जबकि अब तक के युद्ध में हमारा पराभव ही हुआ है। इस वार्तालाप को इन्द्राणी भी सुन रही थीं । उन्होंने कहा कि कल श्रावण शुक्ल पूर्णिमा है,मैं विधान पूर्वक रक्षासूत्र तैयार करुँगी,उसे आप स्वस्तिवाचन पूर्वक ब्राम्हणों से बँधवा लीजिएगा। इससे आप अवश्य विजयी होंगे। दूसरे दिन इन्द्र ने रक्षाविधान और स्वस्तिवाचन पूर्वक रक्षाबंधन करवाया जिसके प्रभाव से उनकी विजय हुयी। तब से यह पर्व मनाया जाने लगा।एक बार भगवान कृष्ण के हाथ में चोट लग जाने से रक्तस्राव होने पर द्रोपदी ने अपनी साड़ी का पल्लू फाड़कर उनके हाथ में बाँधा था। श्रीकृष्ण ने उसे रक्षासूत्र मानते हुए कौरवों की सभा में द्रोपदी की लाज बचायी थी। मेवाड़ की रानी कर्णावती ने भी मुगल शासक हुमायूँ को गुजरात एवं मालवा के शासक के चित्तौड़ पर आक्रमण के विरुद्ध सहायता देने के लिए राखी भेजी थी।आज के दिन बहन भाई को रक्षासूत्र बाँधती है और भाई बहन की रक्षा का वचन देता है। इस दिन गुरु अपने शिष्यों को,ब्राह्मण अपने यजमानों को एवं प्रजा अपने राजा को रक्षासूत्र बाँधते हैं। इस दिन पर्यावरण सुरक्षा की दृष्टि से वृक्षों में भी रक्षासूत्र बाँधने का विधान है। इसके पीछे धारणा है कि वे उनकी रक्षा करें।

बिजली आपूर्ति में आ रही बाधा को लेकर ग्रामीणों ने किया सड़क जाम ,कार्रवाई की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

नवादा।नवादा जिले के पकरीबरावां में बुधवार को पकरीबरावां थाना क्षेत्र के मड़वा गांव के सैकड़ों ग्रामीणों ने बिजली आपूर्ति में अनियमितता एवं ट्रांसफार्मर के जल जाने के विरोध में मड़वा मोड के समीप कौआकोल-पकरीबरावां पथ को जाम कर विरोध जताया है। लगातार दो घंटे तक आवागमन अवरुद्ध रहे ।जिससे सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई। भीषण गर्मी में लोग इस चिलचिलाती धूप में काफी परेशान दिखाई दिए। जिसके बाद मामले की सूचना पकरीबरावां थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर रंजन चौधरी दल बल के साथ जाम स्थल पर पहुंचे और लोगों से मामले की जानकारी ली । ग्रामीणों ने बताया कि गांव में लगातार एक माह से ट्रांसफार्मर जल रहा है और विभाग द्वारा कम पावर का ट्रांसफॉर्मर लगाकर खानापूर्ति कर दी जा रही है पिछले चार दिनों से ट्रांसफार्मर जला हुआ है और विभाग पहल नहीं कर रही है। जिसपर थानाध्यक्ष ने तत्काल विद्युत विभाग के कनीय अभियंता से इस संबंध में जानकारी लेते हुए लोगों को आश्वस्त कराया कि चौबीस घंटे के भीतर ट्रांसफार्मर गांव में लगा दिया जाएगा जिसके बाद लोग शांत हुए और आवागमन बहाल कराया जा सका। इस दौरान चार बजे शाम को पुनः सुचारू रूप से आवागमन बहाल कराया गया।

मयूरहंड बीडीओ सह-सीओ मनीष कुमार प्रखंड मुख्यालय से रहे बाहर,सुरक्षित सह-चलंत दंडाधिकारी का नहीं किया कर्तव्य-निर्वहन

नई सोच एक्सप्रेस

» प्रखंड के लोगों का आरोप बीडीओ सह-सीओ नहीं रहते हैं प्रखंड मुख्यालय में,अपनी निजी वाहन से हजारीबाग से करते हैं आना-जाना
» बीडीओ किसी नियम कानून की परवाह नहीं करते

मयूरहंड (चतरा)।उपायुक्त सह-जिला दंडाधिकारी चतरा की गोपनीय शाखा द्वारा पैगम्बर हजरत मोहम्मद के जन्म दिन को ईद मिलादे-उन-नवी को मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा त्यौहार मनाए जाने के अवसर पर जिले भर में शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने जाने को लेकर प्रखंड-स्तर पर भी प्रखंड और पुलिस प्रशासन के पदाधिकारियों और कर्मियों को दंडाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया है।थाना प्रभारी समेत पुलिस प्रशासन क्षेत्र में शांतिपूर्ण विधि व्यवस्था कायम रखने के लिए मुस्तैद थी।लेकिन, बीडीओ सह-सीओ मनीष कुमार प्रखंड मुख्यालय से बाहर रहकर सुरक्षित सह-चलंत दंडाधिकारी के रूप में कर्तव्य-निर्वहन नहीं किया।प्रखंड कर्मियों में पंद्रहवीं वित्त आयोग के जेई दीपक कुमार,पंचायत सेवक चंदन कुमार और जे एस एल पी एस पंकज कुमार अपने कर्तव्य पर मुस्तैद थे।लेकिन बीडीओ की तरह मनरेगा जेई आदिल इकबाल द्वारा उपायुक्त चतरा के आदेश का जानबूझकर उल्लंघन किया और दंडाधिकारी के रूप में कर्तव्य-निर्वहन नहीं किया।आदिल इकबाल का मोबाइल फोन भी बंद पाया गया।बीडीओ मनीष कुमार किसी के आदेश और किसी नियम कानून की परवाह नहीं करते।जबकि प्रखंड स्तर पर ये सबसे जिम्मेदार पदाधिकारी हैं।क्या कोई दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित होने पर ही दंडाधिकारी की आवश्यकता होती है।ज्ञात हो प्रखंड क्षेत्र के सेवाल पपरो में कुछ वर्ष पूर्व सांप्रदायिक सौहार्द तार-तार होकर विधि व्यवस्था की गंभीर स्थिति उत्पन्न कर दी थी।शांति समिति की बैठकों में बीडीओ इन तथ्यों से वाकिफ हैं।फिर भी उनके गैर-जिम्मेदाराना रवैए में कोई सुधार नहीं हुआ है।थाना प्रभारी राहुल दुबे एवं गश्ती पुलिस बल सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहे और शांति व सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्यौहार को संपन्न कराया।

न्याय यात्रा के दौरान भद्रकाली मंदिर पहुंचे देवेंद्र नाथ महतो

नई सोच एक्सप्रेस

इटखोरी (चतरा)। न्याय यात्रा के दौरान छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो इटखोरी स्थित मां भद्रकाली मंदिर पहुंचे और विधिवत पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद उन्होंने प्रेस वार्ता कर अपने आंदोलन के उद्देश्य पर विस्तार से बात रखी। देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि "यह आंदोलन किसी व्यक्ति या दल के खिलाफ नहीं, बल्कि भ्रष्ट भर्ती व्यवस्था के खिलाफ है। योग्य अभ्यर्थियों को उनका हक दिलाने और भर्ती प्रक्रिया को निष्पक्ष बनाने के लिए यह आंदोलन किया जा रहा है।" उन्होंने आरोप लगाया कि बाहर से आने वाले अभ्यर्थी पैसे के बल पर नौकरी हासिल कर रहे हैं, जिससे योग्य स्थानीय अभ्यर्थियों के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता की मांग की। इस मौके पर JLKM के मयूरहंड प्रखंड अध्यक्ष बीरेंद्र कुमार दांगी विजय कुमार दांगी सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिहार में छात्रों पर लाठीचार्ज के खिलाफ बाबूलाल मरांडी चुप क्यों? राकेश सिन्हा ने साधा निशाना

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने भाजपा नेता एवं झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि छात्रों के मुद्दे पर पत्र लिखना उनकी नैतिक जिम्मेदारी है, तो उन्हें बिहार में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज और वाटर कैनन के इस्तेमाल के खिलाफ भी आवाज उठानी चाहिए। राकेश सिन्हा ने कहा कि बिहार में अपने अधिकारों और मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे छात्रों पर पुलिस कार्रवाई हुई, लेकिन बाबूलाल मरांडी इस मुद्दे पर मौन हैं। उन्होंने सवाल किया कि झारखंड में छात्रों के प्रति चिंता और बिहार में छात्रों पर कार्रवाई के मामले में चुप्पी क्यों? यदि बाबूलाल मरांडी वास्तव में छात्रों के हितैषी हैं, तो उन्हें बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को पत्र लिखकर छात्रों पर हुई कार्रवाई की निंदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना छात्रों का अधिकार है। सरकार का दायित्व है कि छात्रों की बात सुने, संवाद करे और उनकी समस्याओं का समाधान निकाले। लाठीचार्ज और वाटर कैनन किसी भी लोकतांत्रिक सरकार की पहली प्रतिक्रिया नहीं होनी चाहिए। राकेश सिन्हा ने कहा कि बाबूलाल मरांडी को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या छात्रों पर लाठीचार्ज और वाटर कैनन का इस्तेमाल सही है? यदि गलत है, तो वे बिहार सरकार के खिलाफ आवाज कब उठाएंगे? उन्होंने सवाल किया कि क्या भाजपा के लिए लोकतंत्र और छात्रों के अधिकारों का पैमाना राज्य बदलते ही बदल जाता है? उन्होंने कहा कि बाबूलाल मरांडी झारखंड के नेता प्रतिपक्ष हैं और उनकी जिम्मेदारी केवल राजनीतिक बयान देने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उन्हें राज्यहित से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। राकेश सिन्हा ने कहा कि MMDR संशोधन बिल झारखंड के खनिज अधिकार और राजस्व से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। इसलिए बाबूलाल मरांडी को प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इस बिल को वापस लेने की मांग करनी चाहिए। राकेश सिन्हा ने कहा कि कांग्रेस छात्रों के अधिकार, लोकतांत्रिक आंदोलन और संवाद की राजनीति में विश्वास करती है। भाजपा नेताओं को भी राजनीतिक सुविधा से ऊपर उठकर समान लोकतांत्रिक मानदंड अपनाने चाहिए। यदि बाबूलाल मरांडी वास्तव में छात्रों और झारखंड के हितों को लेकर गंभीर हैं, तो उन्हें बिहार के छात्रों के पक्ष में भी आवाज उठाने के साथ-साथ MMDR बिल के मुद्दे पर केंद्र सरकार के समक्ष झारखंड का पक्ष मजबूती से रखना चाहिए।

टाटीझरिया प्रखंड क्षेत्र में अकीदत और धूमधाम से मनाया गया जश्ने ईद-मिलादुन -नबी

नई सोच एक्सप्रेस

» पैगंबर साहब के संदेशों को किया गया याद

टाटीझरिया (हजारीबाग)।पैगंबर मोहम्मद साहब के जन्मदिवस जश्ने ईद- मिलाद-दून-नबी) का पर्व टाटीझरिया प्रखंड क्षेत्र में अत्यधिक श्रद्धा, उत्साह और आपसी भाईचारे के साथ संपन्न हुआ। इस्लामी कैलेंडर के तीसरे महीने रबी-उल-अव्वल में मनाया जाने वाला यह पर्व मुस्लिम समुदाय के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है, जिसकी परंपरा लगभग 1501 वर्षों से चली आ रही है। इस अवसर पर प्रखंड क्षेत्र के झरपो, आमनारी, केशड़ा, घुघलिया, बौधा, बांडी, डुमर, धर्मपुर, और बेडमक्का, जरगा समेत कई गांवों में भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दिन में अकीदतमंदों द्वारा आकर्षक जुलूस निकाला गया, वहीं शाम को मस्जिदों के समक्ष जुटकर लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद दी। त्योहार के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और शांति बनाए रखने के लिए टाटीझरिया पुलिस प्रशासन पूरे क्षेत्र में मुस्तैद रहा। टाटीझरिया थाना प्रभारी इंद्रजीत कुमार सहित पुलिस बल की सतर्कता और प्रशासनिक गश्त के कारण पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। आयोजन को सफल बनाने में सदर फ़ैजान अंसारी उर्फ हाजी भाई, शहादत अंसारी, मकसूद अंसारी, मुख्तार मियां, अख्तर मियां, साहबान अंसारी और तय्यब मियां, इब्राहिम अंसारी सहित कई स्थानीय समाजसेवियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। समारोह के दौरान साहबान अंसारी ने पूरे टाटीझरिया प्रखंड क्षेत्रवासियों को ईद-उल-नबी की तहे दिल से बधाई दी। वहीं झरपो निवासी साहबान अंसारी के बच्चों—सिफत परवीन, निकत परवीन और वारिस अंसारी ने भी पर्व की धार्मिक व सामाजिक विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए सभी को शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

नबी हजरत मोहम्मद की अजमत और सीरत के संदेश के साथ हजारीबाग में निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी

नई सोच एक्सप्रेस

» मूसलाधार बारिश भी नहीं डिगा सकी अकीदतमंदों का हौसला, "सरकार की आमद मरहबा" के उद्घोष से गूंजता रहा शहर

हजारीबाग।1501वें जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी के मुबारक अवसर पर बुधवार को हजारीबाग शहर में अकीदत, एहतराम और धार्मिक उत्साह के साथ जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। जामा मस्जिद सेंट्रल कमेटी के तत्वावधान में आयोजित इस जुलूस में शहर के विभिन्न मोहल्लों के साथ-साथ आसपास के गांवों से करीब 100 जुलूस शामिल हुए। जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। जामा मस्जिद रोड से निकाले गए जुलूस-ए-मोहम्मदी की निगरानी एदारा-ए-शरिया के चीफ काजी एवं जामा मस्जिद के खतीब व इमाम मुफ्ती अब्दुल जलील सादी की देखरेख में की गई। जुलूस के दौरान नबी-ए-करीम हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की अजमत, सीरत और सुन्नतों का बयान करते हुए नात-ए-रसूल पेश की गई।

मूसलाधार बारिश में भी नहीं थमा जुलूसःजुलूस-ए-मोहम्मदी के दौरान दोपहर करीब 3 बजे से लगातार मूसलाधार बारिश होती रही। बारिश ने एक मिनट के लिए भी पीछा नहीं छोड़ा, लेकिन बारिश की परवाह किए बिना अकीदतमंद पूरे उत्साह और अकीदत के साथ जुलूस में शामिल रहे। तेज बारिश के बावजूद लोगों का जोश और धार्मिक उत्साह चरम पर देखने को मिला। बारिश के बीच भी नबी-ए-करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की अजमत और शान में नारे गूंजते रहे। "सरकार की आमद मरहबा, दिलदार की आमद मरहबा, मुख्तार की आमद मरहबा" के उद्घोष से पूरा हजारीबाग शहर गुंजायमान होता रहा। अकीदतमंदों का यह जज्बा जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी के प्रति उनकी गहरी आस्था और मोहब्बत को प्रदर्शित कर रहा था।

सादगी और एहतराम के साथ जुलूस निकालने की की गई थी अपीलः जामा मस्जिद सेंट्रल कमेटी की ओर से जुलूस को सादगी और एहतराम के साथ निकालने की अपील पहले से की जा रही थी। कमेटी के पदाधिकारियों ने 12 रबीउल अव्वल से करीब दस दिन पूर्व ही विभिन्न गांवों और मोहल्लों में पहुंचकर कमेटियों एवं मोहल्ले के सदर-सचिवों से मुलाकात की थी। इस दौरान जुलूस को अनुशासित, सादगीपूर्ण और धार्मिक भावना के अनुरूप निकालने का आह्वान किया गया था। कई जुलूस नात-ए-रसूल, दरूद-ओ-सलाम और नबी-ए-करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की सीरत व अजमत के संदेश के साथ सादगीपूर्ण तरीके से आगे बढ़े, जिसकी लोगों ने सराहना की। वहीं कुछ स्थानों पर तेज आवाज में डीजे बजने को लेकर आम लोगों में नाराजगी भी देखने को मिली। लोगों का कहना था कि जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी का वास्तविक संदेश नबी-ए-करीम की सीरत, सुन्नत, अखलाक और इंसानियत की शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाना है। कुछ लोगों ने यहां तक कहा कि समाज में दिल के मरीज के अलावे गंभीर रोगी एवं कई वृद्ध लोग भी रहते हैं जिनको तेज ध्वनि से लगातार खतरा बना रहता है। ऐसे में किसी की जान भी जा सकती है और इसको लेकर पिछले वर्ष के जुलूस ए मोहम्मदी के दौरान डीजे के शोर से एक व्यक्ति की मृत्यु की हो चुकी थी इसलिए ऐसे खतरों से बचना चाहिए और डीजे के शोर से लोगों को हमेशा बचना चाहिए। यह कहीं से दुरूस्त नहीं है। **सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजामः** जुलूस के दौरान प्रशासनिक स्तर पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। शहर के विभिन्न स्थानों पर दंडाधिकारी एवं पुलिस बल के जवानों की तैनाती की गई थी। प्रशासनिक अधिकारियों ने पूरे जुलूस पर नजर रखते हुए शांतिपूर्ण माहौल में कार्यक्रम संपन्न कराने के लिए पूरी मुस्तैदी दिखाई। **जगह-जगह हुआ जुलूस का स्वागतः** जुलूस के मार्ग में विभिन्न सामाजिक एवं सेवा संगठनों तथा जनप्रतिनिधियों की ओर से स्वागत शिविर लगाए गए। इन शिविरों में जुलूस में शामिल अकीदतमंदों के बीच फल, शरबत, पानी, बिस्किट सहित अन्य सामग्री का वितरण किया गया। सेवा और स्वागत के इस कार्य की लोगों ने सराहना की। **सीरत, सुन्नत और इंसानियत का दिया पैगामः** इस वर्ष हजारीबाग में निकले जुलूस-ए-मोहम्मदी ने एक महत्वपूर्ण संदेश भी दिया कि नबी हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की सीरत और सुन्नतों को अपने जीवन में अपनाते हुए सादगी, अनुशासन, एहतराम और इंसानियत के साथ जश्न मनाया जा सकता है। कई जुलूसों में नात-ए-रसूल और सीरत-ए-पाक के संदेशों के माध्यम से यही भावना दिखाई दी। बहरहाल, मूसलाधार बारिश के बावजूद अकीदतमंदों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई और जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी अकीदत, धार्मिक उत्साह और भाईचारे के माहौल में संपन्न हुआ। पूरे आयोजन के दौरान नबी-ए-करीम हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की अजमत, सीरत, सुन्नत और इंसानियत के पैगाम को प्रमुखता से याद किया गया। जुलूस-ए-मोहम्मदी के दौरान जुलूस का स्वागत करने वालों में पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस के जिला अध्यक्ष जयप्रकाश भाई पटेल, वार्ड नंबर 16 के पार्षद जमील अहमद उर्फ बब्लू कुरैशी, जमील खान, जामा मस्जिद सेंट्रल कमिटी के इरफान अहमद काजू, शकील बिहारी, साबिर अली, कांग्रेस प्रदेश संयोजक विनोद कुशवाहा, सदर विधानसभा के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी मुन्ना सिंह, कांग्रेस अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश महासचिव तस्लीम अंसारी, शादाब कुरैशी, झामुमो केंद्रीय सदस्य मोहम्मद इजहार, झामुमो जिला कोषाध्यक्ष मोहम्मद अख्तर, झामुमो नगर उपाध्यक्ष शोएब खान, कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष बाबर अंसारी, कांग्रेस नगर अध्यक्ष परवेज अहमद, कटकमसांडी अल्पसंख्यक कांग्रेस अध्यक्ष हैदर अली, पेलावल दक्षिणी पंचायत समिति सदस्य सलाउद्दीन उर्फ बबलू, पेलावल उत्तरी पंचायत समिति सदस्य मोहम्मद साबिर, एआईएमआईएम जिला उपाध्यक्ष मिस्बाह उल इस्लाम, शाहरुख कुरैशी, मोईनुद्दीन खान, समाजसेवी जेपी जैन, रामकिशोर सावंत, सुबोध आकाश, शब्बीर अहमद, मकसीर आलम, एन जी मेमोरियल स्कूल के निदेशक हाजी परवेज आलम, राजू , युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष मोहम्मद जाबिर, नौशाद सहित कई समाजसेवी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

प्रमुख समाजसेवी करतार सिंह भारतीय एडवोकेट का निधन, उपेन्द्र सिंह ने दी श्रद्धांजलि

आगरा। प्रमुख समाजसेवी एवं भीम नगरी केंद्रीय समिति के मुख्य संरक्षक, हम सभी के प्रिय बाबूजी करतार सिंह भारतीय एडवोकेट का 25 अगस्त की रात्रि में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से सामाजिक एवं जनसेवा से जुड़े लोगों में शोक की लहर दौड़ गई। श्री करतार सिंह भारतीय बाबूजी का संपूर्ण जीवन समाज सेवा, सामाजिक समरसता तथा जनकल्याण के कार्यों के लिए समर्पित रहा। उन्होंने समाज के उत्थान एवं संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके निधन से समाज ने एक सम्मानित मार्गदर्शक, संरक्षक एवं प्रेरणास्रोत को खो दिया है। भारतीय जाटव समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भाजपा नेता उपेन्द्र सिंह ने उनके निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि स्वर्गीय करतार सिंह भारतीय जी का सामाजिक जीवन सदैव प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने समाज के लिए जो कार्य किए हैं, उन्हें सदैव याद रखा जाएगा। आज उपेन्द्र सिंह अपनी टीम के साथ ताजगंज स्थित मोक्षधाम पहुँचे और स्वर्गीय करतार सिंह भारतीय के अंतिम संस्कार में शामिल होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएँ व्यक्त कीं तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

जातिसूचक टिप्पणी और मारपीट का आरोप, बुजुर्ग महिला ने पुलिस आयुक्त से लगाई FIR की गुहार

आगरा। हरिपर्वत थाना क्षेत्र में घरेलू काम करने वाली एक बुजुर्ग महिला ने रश्मि शर्मा पर जातिसूचक टिप्पणी, गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने पुलिस आयुक्त को प्रार्थना पत्र देकर FIR दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता के अनुसार, 24 अगस्त को काम के दौरान आरोपी महिला ने उसे काम छोड़ने को कहा। विरोध करने पर कथित रूप से जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए गाली-गलौज और मारपीट की गई तथा हाथ में पकड़े चमचे से हमला किया गया। शोर सुनकर घर के अन्य सदस्यों ने बीच-बचाव कर उसे बचाया। पीड़िता का आरोप है कि 25 अगस्त को भी उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की गई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। उसने स्थानीय पुलिस को शिकायत देने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने पुलिस आयुक्त से मामले की निष्पक्ष जांच, FIR दर्ज करने और नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का पक्ष अभी सामने नहीं आया है।

लक्ष्मी हॉस्पिटल में भव्य महा रुद्राभिषेक, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच लोककल्याण और सुख-समृद्धि की हुई कामना

वाराणसी। सावन के पावन महीने में लक्ष्मी हॉस्पिटल रोडवेज,कैंट के परिसर में श्री महा रुद्राभिषेक का भव्य आयोजन किया गया | वैदिक मंत्रोच्चार और भगवान शिव के जयघोष से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के अर्चक श्रीकांत मिश्र के नेतृत्व में ब्राह्मणों ने विधि-विधान पूर्वक महा रुद्राभिषेक संपन्न कराया | इस दौरान भगवान शिव का विधिवत पूजन-अर्चन कर लोककल्याण,सुख-समृद्धि और शांति की कामना की गई | आयोजन में लक्ष्मी हॉस्पिटल के चेयरमैन लक्ष्मी प्रसाद राय,भाजपा काशी क्षेत्र चिकित्सा प्रकोष्ठ के संयोजक और प्रबंध निदेशक डॉ.अशोक राय,कृभको के निदेशक अजय राय,डा॰रक्षा राय अभय राय,डॉ.आदर्श राय,दिव्यांशु राय सहित परिवार के सदस्य और अनेक विशिष्टजन उपस्थित रहे ||

वर्ल्ड ट्रेड सेंटर ठाणे का निर्माण अंतिम चरण में

मुंबई। वेलस्पन वन का वर्ल्ड ट्रेड सेंटर (डब्ल्यूटीसी) ठाणे प्रोजेक्ट निर्माण के अंतिम चरण में पहुंच गया है। ठाणे के वागले एस्टेट में विकसित हो रही इस परियोजना में कुल निवेश 1,000 करोड़ से अधिक रहने का अनुमान है। इसमें किरायेदारों द्वारा अपने कार्यालयों और आंतरिक साज-सज्जा पर किया जाने वाला निवेश भी शामिल है। परियोजना से जुड़े किरायेदारों के नेटवर्क में करीब 5,000 कर्मचारियों के लिए रोजगार के अवसर और सुविधाएं उपलब्ध होने की उम्मीद है। अब तक परियोजना का करीब 30 प्रतिशत हिस्सा लीज पर दिया जा चुका है और इस साल के अंत तक यहां परिचालन शुरू होने की संभावना है।डब्ल्यूटीसी ठाणे को भारत के पहले इंटीग्रेटेड अर्बन डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। परिसर में ग्रेड-ए कार्यालयों के साथ एक्सपीरियंस सेंटर, खान-पान (एफएंडबी) और शहरी लॉजिस्टिक्स सुविधाएं एक ही जगह उपलब्ध होंगी। परियोजना में 50 से अधिक ब्रांडों को जगह देने की तैयारी है। आर्किटेक्ट हफीज कॉन्ट्रैक्टर द्वारा डिजाइन किए गए इस प्रोजेक्ट में आधुनिक बुनियादी ढांचे, स्वचालन और ग्रीन बिल्डिंग तकनीकों पर विशेष जोर दिया गया है। आदित्य बिड़ला समूह ने अपने वॉल्ट संचालन के लिए यहां जगह लीज पर ली है। वहीं, वेलस्पन समूह भी परियोजना से जुड़ने वाले प्रमुख ब्रांडों में शामिल है। डब्ल्यूटीसी लाइसेंस के तहत ग्राहकों को वैश्विक कारोबारी नेटवर्क से जुड़ने का अवसर भी मिलेगा।

ब्रज लोक रस पुस्तक का हुआ लोकार्पण, ब्रज की लोक गाथाओं से रूबरू कराएगी पुस्तक

नई सोच एक्सप्रेस

मथुरा। ब्रज संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, सावन के आखिरी सोमवार को ठाकुर श्री राधा रमण महाराज जी मंदिर, गढी हयातपुर, मथुरा परिसर में आयोजित एक गरिमामयी समारोह में मन्दिर प्रबन्ध समिति के सचिव समाजसेवी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता ओ.पी. उपाध्याय के कर-कमलों द्वारा पुस्तक 'ब्रज लोक रस' का लोकार्पण किया गया। इस पुस्तक के लेखक चौधरी ओमप्रकाश डागुर हैं, जो बृज में लोक गायक, संगीताचार्य के रूप में जाने जाते हैं । इन्हें सन 2024 में बृज गौरव रत्न से सम्मानित किया गया, एवं 2025 में लोक कला मर्मज्ञ से सम्मानित किया जा चुका है। उक्त दक्षताओं के लिए मथुरा की सांसद हेमा मालिनी , पदम श्री अनूप जलोटा, अनेकों माननीय विधायकों एवं उत्तर प्रदेश बृज तीर्थ विकास परिषद द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है। डागुर ने गहन शोध और समर्पण के साथ ब्रज की समृद्ध लोक गाथाओं को इस पुस्तक में संकलित किया है। लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता ओमप्रकाश सारस्वत पूर्व कानूनगो साहब द्वारा की गयी, समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि डॉ ओमप्रकाश सारस्वत पूर्व शिक्षा अधिकारी ने कहा कि "यह पुस्तक ब्रज की अनमोल धरोहर, इसकी लोक गाथाओं को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित करने का एक सराहनीय प्रयास है। बृज का हर कण एक लोक कथा समेटे हुए है । पुस्तक के लेखक चौधरी ओमप्रकाश डागुर ने पुस्तक के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बृज लोक रस में मैंने इन गाथाओं को उनके मूल स्वरूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है, ताकि पाठक बृज की असली रसधारा का आनंद ले सकें।" कार्यक्रम का सफल संचालन लेखक डॉ. कुलदीप सारस्वत, कुलसचिव शुभम यूनिवर्सिटी द्वारा किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक और विद्वान उपस्थित रहे, जिनमें रामबाबू व्यास, मोहित उपाध्याय, राहुल सारस्वत एडवोकेट, प्रधान प्रतिनिधि ठाकुर विष्णु परमार आदि प्रमुख थे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों को पुस्तक की प्रतियां भेंट की गईं और लेखक चौधरी ओमप्रकाश डागुर को इस महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मंदिर के सेवायत पुजारी महेशानंद महाराज का अत्यंत सहयोग रहा।

श्री विश्वेश्वर नाथ महादेव का हुआ भव्य महारुद्राभिषेक

नई सोच एक्सप्रेस

उत्तरपाड़ा। माखला के दलईपारा स्थित श्री श्री विश्वेश्वर नाथ मंदिर के पावन प्रांगण में देवाधिदेव महादेव के महारुद्राभिषेक का अलौकिक एवं भव्य आयोजन श्रद्धा और आस्था के अत्यंत उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। प्रातःकाल से ही मंदिर परिसर वेदपाठी विप्रों के सस्वर वैदिक मंत्रोच्चार, शंखध्वनि और 'हर-हर महादेव' के गगनभेदी जयकारों से गुंजायमान रहा। दूध, दही, मधु, घृत, शर्करा, गंगाजल एवं सुगंधित द्रव्यों की अनवरत धाराओं से आशुतोष भगवान शिव का अभिषेक कर उन्हें बेलपत्र, धतूरा, मदार और भस्म से नयनाभिराम रूप में सुसज्जित किया गया। इस आध्यात्मिक अनुष्ठान में भगवान आशुतोष के दिव्य स्वरूप का दर्शन और पूजन करने के लिए श्रद्धालुओं का अपार जनसैलाब उमड़ पड़ा। वातावरण उस समय और भी भावविभोर हो उठा जब मातृशक्ति और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने एक स्वर में देवाधिदेव की आरती गाई। आयोजन में विशेष रूप से आशा सिंह, नीलम सिंह, रीमा सिंह, शीला सिंह, स्नेह सिंह, कंचन सिंह, उदय भान सिंह, राधेश्याम सिंह, अनिल सिंह, बृज किशोर पांडेय, श्रीप्रकाश सिंह, दिलीप मिश्रा, अजय सिंह, चंद्रिका सिंह, झुन्ना राय, रमेश पांडेय, कमलेश सिंह, कामाख्या सिंह, शैलेंद्र सिंह, विनय सिंह, आदित्य त्रिपाठी, नंदलाल मिश्रा, रंगबहादुर सिंह, नवीन पाठक, सुशील सिंह, अजीत दास, तारकेश्वर सिंह, तहसीलदार सिंह, अशोक सिंह, नीरज ओझा, सुजीत सिंह एवं नरेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। रुद्राभिषेक और महाआरती के पूर्ण होते ही पूरा परिसर शिवमय ऊर्जा से आलोकित हो उठा। अनुष्ठान के उपरांत व्यापक स्तर पर महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसे ग्रहण करने हेतु भक्तों का तांता लगा रहा। देर शाम तक चले इस पावन धार्मिक उत्सव ने समूचे क्षेत्र को आध्यात्मिक शांति और भक्ति की अविरल धारा में सराबोर कर दिया।

» वैदिक ऋचाओं और भक्तिरस में डूबा माखला

DPS फरीदाबाद के छात्र देवांश सिंह ने इंटरनेशनल ओलंपियाड – इंग्लिश में गोल्ड मेडल जीता

नई सोच एक्सप्रेस

फरीदाबाद। दिल्ली पब्लिक स्कूल (DPS), फरीदाबाद की 5वीं कक्षा के छात्र देवांश सिंह ने इंटरनेशनल ओलंपियाड – इंग्लिश में प्रतिष्ठित गोल्ड मेडल जीतकर अपने स्कूल और परिवार का नाम रोशन किया है। देवांश की यह उपलब्धि उनकी लगन, कड़ी मेहनत और अंग्रेज़ी भाषा पर उनकी मज़बूत पकड़ को दर्शाती है। उनकी इस सफलता का श्रेय उनकी क्लास टीचर, मिस साक्षी के निरंतर मार्गदर्शन और प्रोत्साहन को भी जाता है; उनके सहयोग ने देवांश की शैक्षणिक क्षमताओं को निखारने में अहम भूमिका निभाई है। इस होनहार छात्र को DPS मथुरा रोड, फरीदाबाद की प्रिंसिपल, मिस संगीत चक्रवर्ती का आशीर्वाद और प्रोत्साहन भी मिला है। उनका नेतृत्व और प्रोत्साहन छात्रों को पढ़ाई-लिखाई और अन्य गतिविधियों में बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता रहता है। गोल्ड मेडल जीतना देवांश सिंह, उनके माता-पिता, शिक्षकों और पूरे DPS फरीदाबाद समुदाय के लिए गर्व का क्षण है। उनकी यह कामयाबी दूसरे छात्रों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है, ताकि वे भी पूरे समर्पण, आत्मविश्वास और दृढ़ता के साथ अपने लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ सकें।देवांश सिंह को इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाई और भविष्य में और भी सफलताएँ पाने के लिए ढेर सारी शुभकामनाएँ!

वाल्मीकि राष्ट्रीय महामंडलेश्वर स्वामी विवेक नाथ महाराज स्वर्गीय रानी देवी 13वीं के मौके पर सत्संग करने पहुंचे

नई सोच एक्सप्रेस

नई दिल्ली। वाल्मीकि समाज के सबसे बड़े राष्ट्रीय महामंडलेश्वर स्वामी विवेक नाथ महाराज ने आज स्वर्गीय रानी देवी के स्वर्गवास के उपरांत 13वीं के मौके पर भगवान वाल्मीकि भक्ति सत्संग के भव्य आयोजन मैं शामिल हुए और उन्होंने जीवन मृत्यु के रहस्य को अपने सत्संग द्वारा उजागर करते हुए भक्त जनों को इसका सार बताया और कहा कि भक्त जनों को अपने जीवन में नेक कार्य करने चाहिए तभी व्यक्ति जीवन मृत्यु के इस चक्र से मुक्त हो पाएगा बगैर गुरु ज्ञान नहीं है इस जीवन में गुरु की शरण में जाना अति आवश्यकता है तभी व्यक्ति मनुष्य का जीवन सफल होगा और उसे सद्गति प्राप्त होगी और मोह माया से व्यक्ति आजाद होगा तभी भगवान की प्राप्ति होगी जब व्यक्ति सत्य को पहचाने का और अपने जीवन में परोपकार के कार्य करेंगा इस मौके पर वाल्मीकि समाज के राष्ट्रीय महामंडलेश्वर स्वामी विवेक नाथ महाराज ने अति सुंदर भजनों की प्रस्तुति की जिसे सुनकर भक्त भाव विभोर हो गए जैसा कि ज्ञात हो हमारे समाजसेवी और भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री संजीव जावा जी की माता जी रानी देवी का गत दिनों स्वर्गवास हो गया आज उनकी 13 वी के मौके पर सत्संग करने वाल्मीकि राष्ट्रीय महामंडलेश्वर अपने तमाम साधु संतों के साथ पहुंचे थे इस मौके पर गायक ओमपाल बम लहरी द्वारा भी मधुर भजनों का आयोजन किया गया एवं प्रमोद बंसी वाल्मीकि भजन गायक द्वारा मधुर भजनों का आयोजन किया गया इस मौके पर महाराज विराट नाथ जी महंत राजू नाथ चंदेल जी चंद्रप्रकाश वर्मा अरविंद जी अमन सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे

» राष्ट्रीय महामंडलेश्वर स्वामी विवेक नाथ जी ने जीवन मरण के रहस्य को सत्संग में उजागर किया

95वीं बटालियन सीआरपीएफ मुख्यालय,पहड़िया में भावुक हुआ रक्षाबंधन,बहनों ने जवानों की कलाई पर बांधा रक्षा सूत्र

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी। 95 बटालियन केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल के मुख्यालय मे हर्षोल्लास से रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया | इस मौक़े पर राजेश्वर बालापुरकर कमांडेंट 95 बटालियन ने कहा जवान अपने घरों से दूर है उनको यह एहसास दिलाना कि उनका परिवार आसपास ही है इसलिए ऐसे कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है | इस कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि अर्चना बालापुरकर थी | मुख्यातिथि एवं विशिष्ट अतिथि नें रक्षाबंधन कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा वहाँ पर उपस्थित अधिकारियों जवानों एवं विभिन्न संस्थाओं विद्यालय से आए हुए बच्चों तथा जवानों को शुभकामनाएं दी है | 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने बुधवार को सीआरपीएफ के जवान भाइयों के लिए डायनेमिक स्कूल, अतुलानंद रेजिडेंशियल,लायन्स क्लब वाराणसी,लीला फाउंडेशन क्लब, ब्रह्माकुमारी संस्था,डायनेमिक स्कूल बहनों ने रक्षाबंधन का कार्यक्रम किया | इसके बाद बहनों ने बड़ी संख्या में सीआरपीएफ भाइयों को रक्षा सूत्र बांधकर सरहद की रक्षा के साथ ही खुद की सुरक्षा का वचन लिया | बहनों की राखी सीआरपीएफ के जवानों की कलाई बांधी जवान भाइयों के माथे पर बहनों ने तिलक लगाया,आरती उतारी, मुंह मीठा कराया और फिर कलाइयों पर रंग बिरंगी राखियां बांधी, जवानों ने भी बदले में उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिया | कार्यक्रम में 95 बटालियन के सुनीता देवी,कुमारी रिंकू,माधवी सिंह,आलोक कुमार द्वितीय कमान अधिकारी,नवनीत कुमार उपकमांडेंट,अभिषेक सिंह सहायक कमांडेंट,95 बटालियन के 100 से अधिक जवान भाइयों को रक्षा सूत्र बांधा गया इस दौरान कई जवानों की आंख भर आई | कमांडेट राजेश्वर बालापुरकर ने कहा कि लायन्स क्लब, लीला फाउंडेशन क्लब,संत अतुलानंद रेजिडेंशियल,ब्रह्म कुमारी संस्था, डायनेमिक स्कूल की बहनो ने घर परिवार जैसा माहौल बना दिया यह कहते हुए उनकी आंखें भर आई | इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से संत अतुलानंद रेजिडेंशियल के किरण सिंह एव छात्राएं,ओम शांति से ब्रह्माकुमारी तपोसी,राधिका और बच्चियाँ,छात्राओं नें भाग लिया ||

» घर से दूर जवानों को मिला परिवार का एहसास,सौ से अधिक सीआरपीएफ जवानों को बहनों ने बांधी राखी

साहित्यिक संध्या में स्व. पं. रामयज्ञ पाण्डेय को दी श्रद्धांजलि

नई सोच एक्सप्रेस

प्रतापगढ़। स्व. पं. रामयज्ञ पाण्डेय के स्मृति दिवस पर सैलखा पट्टी स्थित आवास पर विचार गोष्ठी एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन उनके सुपुत्र शिक्षक पं. राकेश कुमार पाण्डेय ने किया, जबकि संयोजन पं. अनिल प्रताप त्रिपाठी 'प्रवात' ने किया। मुख्य अतिथि पवन कुमार सिंह ने स्व. पाण्डेय को युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि उनका व्यक्तित्व अनुकरणीय था। विशिष्ट अतिथि बद्री नारायण मिश्र और ओंकार नाथ मिश्र ने भी उनके सामाजिक एवं शैक्षणिक योगदान को याद किया। उद्घाटन अतिथि भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश त्रिपाठी ने उन्हें आदर्श शिक्षक एवं समाजसेवी बताया। कवि सम्मेलन में अयोध्या की पूनम मिश्रा, अम्बेडकर नगर की प्रतिमा तिवारी, प्रतापगढ़ की चांदनी दुबे सहित कई कवियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कर श्रद्धांजलि अर्पित की। नियाज़ प्रतापगढ़ी ने 'आजकल मन उदास रहता है, सारा सावन उदास रहता है, आप क्या छोड़कर गए आंगन, घर का आंगन उदास रहता है' रचना से भावुक कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पं. हरि प्रसाद मिश्रा ने की और संचालन रविन्द्र अजनबी ने किया। अंत में आयोजक राकेश कुमार पाण्डेय ने सभी अतिथियों एवं कवियों का आभार जताया।

वास्तविक जीवन रील्स से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है: पूर्व रेलवे ने रेल पटरियों पर अतिक्रमण और खतरनाक ट्रैक-साइड स्टंट के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की

नई सोच एक्सप्रेस

कोलकाता। सुश्री गीतिका पांडेय, महाप्रबंधक, पूर्व रेलवे के नेतृत्व में पूर्व रेलवे लगातार व्यापक जन-जागरूकता अभियान चला रही है, जिसमें नागरिकों से रेलवे पटरियों से दूर रहने और सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की जा रही है। पूर्व रेलवे द्वारा सुरक्षित और सुगम आवागमन के लिए फुट ओवर ब्रिज, रोड ओवर ब्रिज और रोड अंडर ब्रिज सहित व्यापक बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने के बावजूद, आम लोगों द्वारा रेलवे पटरियों को अनधिकृत रूप से पार करने से गंभीर सुरक्षा जोखिम पैदा कर रहा है। रेलवे ट्रैक परिचालन के लिए निर्धारित मार्ग हैं; ये पैदल चलने के लिए शॉर्टकट या तस्वीरें खींचने और सोशल मीडिया रील बनाने का स्थान नहीं हैं। पटरियों पर थोड़ी-सी असावधानी या गलत निर्णय भी किसी अनमोल जीवन को हमेशा के लिए खत्म कर सकता है। खतरनाक उल्लंघनों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए, श्री अमिया नंदन सिन्हा, महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, पूर्व रेलवे ने अनधिकृत रूप से रेलवे ट्रैक पर आवाजाही और जोखिम भरे सोशल मीडिया स्टंट पर अंकुश लगाने के लिए सभी मंडलों में कड़ी कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। 1 मई 2026 से 31 जुलाई 2026 तक तीन महीने की अवधि में पूर्व रेलवे के सुरक्षा बलों ने रेलवे अधिनियम की धारा 147 के तहत उल्लंघन करने वालों के खिलाफ व्यापक कार्रवाई की। पूर्व रेलवे के चार मंडलों—आसनसोल, हावड़ा, मालदा टाउन और सियालदह—में कुल 828 अभियोजन मामले दर्ज, 813 मामले पकड़े गए और 853 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा, 6,608 जुर्माना मामले दर्ज किए गए, जिनमें अदालत के माध्यम से 3,18,220 का जुर्माना वसूल किया गया तथा कुल 33,12,900 की पेनाल्टी प्राप्त हुई। मंडलवार विवरण इस प्रकार है- आसनसोलः 152 अभियोजन मामले, 152 पकड़े गए मामले, 156 गिरफ्तार व्यक्ति, 561 जुर्माना मामले, 90,900 का अदालती जुर्माना और 2,82,000 की पेनल्टी। हावड़ाः 96 अभियोजन मामले, 96 पकड़े गए मामले, 97 गिरफ्तार व्यक्ति, 3,468 जुर्माना मामले, 51,320 का अदालती जुर्माना और 17,33,900 की पेनल्टी।**मालदा टाउनः** 298 अभियोजन मामले, 288 पकड़े गए मामले, 300 गिरफ्तार व्यक्ति, 1,145 जुर्माना मामले, 37,500 का अदालती जुर्माना और 5,78,500 की पेनल्टी। सियालदहः 282 अभियोजन मामले, 277 पकड़े गए मामले, 300 गिरफ्तार व्यक्ति, 1,434 जुर्माना मामले, 1,38,500 का अदालती जुर्माना और 7,18,500 की पेनल्टी। पूर्व रेलवे के अधिकारी इस बात पर जोर देते हैं कि प्रवर्तन अभियान पूरी सतर्कता और दृढ़ता के साथ जारी रहेंगे, लेकिन केवल कड़ी कानूनी कार्रवाई से समस्या का समाधान नहीं हो सकता। इसके लिए आम जनता में आत्म-जागरूकता और जिम्मेदार व्यवहार भी आवश्यक है। पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझि ने कहा- "कोई भी सोशल मीडिया वीडियो या शॉर्टकट आपकी जान जोखिम में डालने के लायक नहीं है। हम सभी से आग्रह करते हैं कि निर्धारित पुलों और सुरक्षित क्रॉसिंग का ही उपयोग करें, क्योंकि आपकी सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।"

कुणाल रावल के टाटा क्लिक लग्जरी पर मेंसवेयर कलेक्शन की धूम

नई सोच एक्सप्रेस

मुंबई। देश के प्रमुख लग्जरी प्लेटफॉर्म्स में से एक, टाटा क्लिक लग्जरी पर विशेष रूप से क्यूरेट किए गए चुनिंदा कलेक्शन को लॉन्च कर कुणाल रावल ने अपने मेंसवेयर सफर में एक नए अध्याय की शुरुआत की है। इसके जरिए ब्रांड अपने आधुनिक भारतीय ओकेजनवेयर की विस्तृत श्रेणी को ग्राहकों के बीच लेकर आ रहा है। करीब दो दशकों से कुणाल रावल ने भारतीय मेंस वियर की परिभाषा को बदलने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने इसे सीमित विकल्पों वाली कैटेगरी से निकालकर व्यक्तिगत पहचान, नए प्रयोगों और 'लग्जरी ऑफ ऑप्शनेलिटी' से जोड़ा है। टाटा क्लिक लग्जरी पर ब्रांड का आना इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए देश भर के पुरुषों के लिए उनके इस खास नजरिए को और भी सुलभ बनाएगा। आज के भारतीय पुरुषों की पसंद के कई रूप देखने को मिलते हैं, जिनमें कॉउचर कैजुअल, इंडियन ब्लैक टाई, इवनिंग वेयर और मॉडर्न ग्रूम के लिए सेरेमोनियल आउटफिट्स शामिल हैं। कुर्ता, बंडी, बंदगला, जैकेट, कोटी, शर्ट और ट्राउजर का यह खास कलेक्शन छोटे पारिवारिक समारोहों से लेकर शाम की पार्टियों और शादियों के हर फंक्शन में आसानी से पहना जा सकता है। इस पूरे कलेक्शन के केंद्र में कुणाल रावल की सिग्नेचर डिजाइनिंग शैली है, जहाँ भारतीय शिल्प को खास तौर पर मेंस वियर के अनुसार ढाला गया है। कपड़ों की टेलरिंग ऐसी है जो मूवमेंट को आसान बनाती है, वहीं इसकी बनावट में आराम और भारतीय मौसम का पूरा ख्याल रखा गया है। इन आउटफिट्स के सिलहट को मल्टीपर्पज लुक देने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे इन्हें बार-बार स्टाइल किया जा सकता है। कुणाल रावल, फाउंडर-क्रिएटिव डायरेक्टर ने कहा, "पुरुषों के फैशन में ढेरों विकल्प होना मेरे लिए हमेशा से अहम रहा है। आज के पुरुष कपड़ों की फिटिंग, क्राफ्ट, आराम और उसकी उपयोगिता को अच्छी तरह समझते हैं। उन्हें चंद तय डिजाइन्स के बजाय सैकड़ों बेहतरीन लुक्स में से चुनने की आजादी होनी चाहिए। भारत के प्रमुख लग्जरी लाइफस्टाइल प्लेटफॉर्म 'टाटा क्लिक लग्जरी' के साथ पार्टनरशिप को लेकर हम बहुत उत्साहित हैं, क्योंकि इसकी देशव्यापी पहुँच से हमारा यह कलेक्शन एक बड़े ग्राहक वर्ग तक पहुँचेगा। पुरुष जितना ज्यादा ओकेजन वेयर को एक्सप्लोर करें, मेंस वियर उतना ही दिलचस्प होता जाएगा।" श्री गोपाल अस्थाना, सीईओ, टाटा क्लिक लग्जरी ने कहा, "हम अपने ग्राहकों को बेहतरीन लग्जरी अनुभव और चुनिंदा डिजाइनर ब्रांड देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आगामी त्योहारों और शादियों के सीजन को देखते हुए ओकेजन-लेड ड्रेसिंग की मांग काफी बढ़ रही है। प्रीमियम भारतीय मेंस वियर रेंज का विस्तार करने के लिए यह बिल्कुल सही समय है। कुणाल रावल ने अपनी खास डिजाइनिंग शैली से आधुनिक भारतीय मेंस वियर को नए सिरे से परिभाषित किया है."

पढ़ाई के साथ-साथ रोज़गार
शॉर्ट टर्म कोर्स

रेगुलर कॉलेजों में पढ़ाई के साथ-साथ रोज़गारपरक स्किल सिखाने के लिए तरह-तरह के शॉर्ट टर्म कोर्स हैं। इनमें कोई समाज कार्य से जुड़ा है तो कोई स्वास्थ्य और खेल के क्रियाकलापों से। कोई शैक्षिक गतिविधियों में महत्त्वपूर्ण कड़ी साबित होने की ट्रेनिंग देता है तो कोई समाज में भूले-भटके और दिशाहीन लोगों को राह दिखाने की। तीन माह की अवधि वाले ये सर्टिफिकेट कोर्स थ्योरी और प्रैक्टिकल, दोनों से लैस हैं।

ट्रैवल एंड टूरिज़्म

इसमें छात्रों को टूरिज़्म को प्रमोट करने की गतिविधियों में भाग लेने की ट्रेनिंग दी जाती है। मसलन टूरिस्टों के लिए टिकटिंग की व्यवस्था हो या उन्हें दर्शनीय स्थलों पर ले जाने में गाइड करने की, उन्हें ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी देने का सवाल हो या वहां की खासियत बताने का, ये सब चीज़ें इस कोर्स का हिस्सा हैं।

काउंसलिंग एंड गाइडेंस

यह कोर्स छात्रों को करियर की राह में मार्गदर्शक बनने की ट्रेनिंग देता है। शिक्षा का क्षेत्र हो या खेलकूद, मनोविज्ञान का मामला हो या वोकेशनल ट्रेनिंग का, आज हर जगह काउंसलिंग की ज़रूरत पड़ रही है। इसमें छात्रों को एक दक्ष परामर्शदाता बनने का हुनर सिखाया जाता है। यूजीसी ने 11वें प्लान में विभिन्न शिक्षण संस्थानों में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर खोलने की योजना तैयार की है। इस तरह के सेंटर पर काउंसिलिंग के लिए ऐसे युवाओं की ज़रूरत रहेगी।

वोलंटियर मैनेजमेंट

यह कोर्स सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर भाग लेने वाले वोलंटियर्स को तैयार करता है। आज देश से लेकर विदेश तक तरह-तरह की संस्थाएं चल रही हैं। उन्हें अपने कार्यों को सही तरीके से अंजाम देने के लिए फील्ड में काफी संख्या में वोलंटियर्स की ज़रूरत पड़ती है। इसके लिए उन्हें ऐसे युवाओं की आवश्यकता होती है, जो इस कार्य में दक्ष हों। वोलंटियर मैनेजमेंट ऐसे ही छात्रों को तैयार करता है। वोलंटियर क्या है। उसका रोल क्या है। अपने कार्यों को किस ढंग से अंजाम तक पहुंचाना है, ये चीज़ें इस कोर्स में बताई जाती हैं।

स्पोर्ट्स एंड मेडिसिन

यह कोर्स स्पोर्ट्स मेडिसिन के बारे में छात्रों को जागरूक करता है। खेलकूद के दौरान फिज़ियोथेरेपिस्ट के साथ कैसे मददगार बनें, इसकी ट्रेनिंग इस कोर्स के तहत दी जाती है। विभाग के शिक्षक डॉ. राजेश ने बताया कि पैरामेडिकल वर्कर के रूप में काम करने के लिए यह कोर्स युवाओं को तैयार करता है। इसमें छात्र डॉक्टर नहीं, बल्कि उसके हेल्पर के रूप में काम करते हैं। चाहे वह कॉमनवेल्थ गेम हो या कोई और नेशनल गेम, ऐसे वर्करों की सदा ज़रूरत पड़ती है।

स्पोर्ट्स एंड साइंस जर्नलिज़्म

यह कोर्स पत्रकारिता के अंतर्गत स्पेशलाइज्ड यानी किसी विशेष क्षेत्र में जाने की आधारभूत ट्रेनिंग देता है। छात्रों को इस क्षेत्र में कैसे काम करना है, कैसे अपनी पहचान बनानी है और इसके लिए क्या-क्या तरकीबें अपनानी हैं, इसकी जानकारी प्रदान करता है।

दाखिले की प्रक्रिया

कोर्स में आवेदन 12वीं पास कोई भी छात्र कर सकता है। आवेदन के बाद छात्रों का साक्षात्कार लिया जाता है। इसके बाद मेरिट लिस्ट तैयार होती है। मेरिट लिस्ट में 80 प्रतिशत एकेडमिक प्रदर्शन और 20 प्रतिशत साक्षात्कार का होता है। इसके बाद तय सीटों के मुताबिक लिस्ट तैयार की जाती है।

सेवा और समर्पण का पेशा नर्सिंग

नर्सिंग स्वास्थ्य सेवा से जुड़ा ऐसा पेशा है, जिसमें व्यक्तियों, परिवारों या यूं कहें कि समुदायों की स्वास्थ्य संबंधी देखरेख की जाती है, ताकि जब तक जीवन है, उसे भरपूर जिया जा सके। न केवल किसी भी अस्पताल की, बल्कि समाज की अनिवार्यता है नर्सिंग। सेवा जब शीर्ष पर पहुंचती है तो नर्सिंग का रूप ले लेती है। वैसे भी नर्स होना समर्पण की एक गाथा है, जिसमें जीवन का संगीत बजता है।

पढ़ाई व पात्रता

भारत में कई नर्सिंग स्कूल हैं, जो डिप्लोमा, डिग्री और पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स करा रहे हैं। इनके अलावा, मिडवाइफरी कोर्स भी चलाए जाते हैं।

बीएससी नर्सिंग

पात्रता – जीव विज्ञान, भौतिकी व रसायन विज्ञान के साथ 12वीं उत्तीर्ण, कोर्स अवधि – 3 से 4 वर्ष इसमें दाखिला लेने वालों को नर्सिंग, प्राथमिक उपचार और मिडवाइफरी के बारे में मूलभूत जानकारी दी जाती है। इन्हें सैद्धांतिक के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

एमएससी नर्सिंग

पात्रता – बीएससी नर्सिंग, कोर्स अवधि – 2 वर्ष
जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी (जीएनएम)
पात्रता – जीव विज्ञान, भौतिकी व रसायन विज्ञान के साथ 12वीं उत्तीर्ण, कोर्स अवधि – 3 1/2 वर्ष इस प्रोग्राम को करने वाली नर्सें हेल्थ टीम की सदस्य के रूप में काम करती हैं और अस्पतालों व ऐसे स्थानों पर महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

सहायक नर्स मिडवाइफ/हेल्थ वर्कर (एएनएम)

पात्रता – 10वीं उत्तीर्ण, कोर्स अवधि – 18 महीने
एएनएम कोर्स में इस बात का प्रशिक्षण दिया जाता है कि ग्रामीण इलाकों के मरीजों खासतौर पर बच्चों, महिलाओं व बूढ़ों की देखभाल कैसे करनी है।

कैसा है यह प्रोफेशन

नर्सिंग का अधिकार एक सामाजिक अनुबंध के तहत मिलता है, जो पेशेवर अधिकारों व उत्तरदायित्वों का वर्णन करता है। लगभग सभी देशों में नर्सिंग प्रैक्टिस कानून से परिभाषित और नियंत्रित होती है और इस पेशे में शामिल होने को राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर रेगुलेट किया जाता है। नर्सिंग समुदाय का मुख्य उद्देश्य तो यही है कि सबको उच्च कोटि की देखरेख मिले और इसके साथ ही सभी मानकों, दक्षताओं व इनसे जुड़ी आचार संहिता इत्यादि का पालन हो सके। एक प्रोफेशनल नर्स बनने के लिए शिक्षा के कई रास्ते हैं, लेकिन सबको नर्सिंग सिद्धांत और व्यवहार पढ़ना पड़ता है तथा क्लिनिकल स्किल्स में प्रशिक्षण लेना ही पड़ता है। नर्स हर उस व्यक्ति की देखरेख करती है, जिसे इसकी जरूरत है, चाहे वह किसी भी उम्र और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का क्यों न हो। इस प्रोफेशन में शारीरिक विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, नर्सिंग सिद्धांत और प्रौद्योगिकी का समावेश होता है।

काम का माहौल

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी आज प्रशिक्षित नर्सों की कमी है। इस कमी की एक वजह यह बताई जाती है कि जिस वातावरण या माहौल में नर्सें काम करती हैं, वह ठीक नहीं है। हाल के एक समीक्षा पत्र में यह दर्शाया गया है कि नर्सों के काम करने की स्थितियां अच्छी नहीं हैं। पत्र कहता है कि समग्र रूप से नर्सिंग के काम में काफी अधिक काम इनके जिम्मे है, क्योंकि नर्सों की कमी है। एक नर्स को कई मरीजों को देखना पड़ता है और कई काम करने पड़ते हैं। इसके साथ समुचित रोशनी नहीं होती, डॉक्टरों की लिखावट पढ़ने में समस्या आती है। काम के घंटे काफी लंबे होते हैं। इन सबके बावजूद नर्सों को मरीजों की देखभाल का जिम्मा उठाना पड़ता है और वे उठा रही हैं। इस पेशे की पवित्रता तो इसी से बनती है कि हर हाल में बीमार की केयर करनी है और जिनमें सेवा भाव का अतिरेक है, वे बिना किसी शिकायत इसे करती हैं और कर रही हैं। अस्पताल या नर्सिंग होम भी आज अच्छे बनने लगे हैं। सुविधाएं भी बढ़ रही हैं।

नौकरी के अवसर एवं करियर विकल्प

नर्सिंग से संबंधित इन पाठ्यक्रमों को करने के बाद निम्नलिखित जगहों पर नौकरी मिल सकती है – अस्पताल, नर्सिंग होम, क्लिनिक एवं स्वास्थ्य विभाग, अनाथालय एवं वृद्धाश्रम, सेना, स्कू, इंडस्ट्रियल हाउसेज एवं फैक्ट्रीज, रेलवे एवं सार्वजनिक क्षेत्र के मेडिकल विभाग

प्रशिक्षण संस्थान

हॉस्पिटल नर्सिंग

आज सबसे अधिक नर्सें अस्पतालों में ही काम करती हैं। इन्हें किसी भी क्षेत्र विशेष में कार्य करना पड़ता है जैसे सजरी, मेटरनिटी, इन्टेंसिव केयर, पेडिएट्रिक्स, रिहेबिलिटेशन इत्यादि।

पब्लिक हेल्थ नर्सिंग

इसके तहत नर्सें किसी भी सरकारी या निजी क्लिनिकों में, शहरी व ग्रामीण इलाकों के स्वास्थ्य विभागों में काम करती हैं और स्थानीय आबादी को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराती हैं। ये व्यक्तियों, परिवारों व अन्य समूहों को स्वास्थ्य शिक्षा, रोगों की रोकथाम, पोषण और शिशु की देखभाल संबंधी निर्देश देती हैं।

मिलिटरी नर्सिंग

सेना के जवानों को चिकित्सा सेवा प्रदान करती हैं।

शिक्षा

इसमें नर्सिंग के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करना होता है।

इंडस्ट्रियल नर्सिंग/ऑक्यूपेशनल हेल्थ नर्सिंग

ये औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े चिकित्सकों के साथ काम करती हैं और कामगारों को उनकी सुरक्षा के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य की भी देखरेख करती हैं। किसी दुर्घटना के समय इनकी बहुत जरूरत होती है।

साइकिएट्रिक नर्सिंग

ऐसी नर्सिंग में मानसिक रूप से बीमार लोगों की देखभाल करनी होती है। इस काम में काफी धैर्य व समर्पण की जरूरत होती है। इसमें मनोचिकित्सकों व अन्य विशेषज्ञों के साथ काम करना होता है।

पेडिएट्रिक नर्सिंग

यह बीमार बच्चों की मां की तरह देखभाल का क्षेत्र है।

ऑर्थोपेडिक नर्सिंग

इसमें फिजियोथेरेपी और पुनर्वास संबंधी कार्य करने होते हैं।

वेतन

नर्सों का वेतन उनके सीनियर होने के साथ-साथ बढ़ता जाता है। सरकारी अस्पतालों में काम करने वाली नर्सों को 35,000 रुपये मासिक वेतन मिलता है, जबकि निजी अस्पतालों या नर्सिंग होम्स में काम करने वाली नर्सों को 10,000 से 12,000 रुपये मासिक वेतन मिलता है। मिडवाइफ को 4,000 रुपये मिलते हैं और हेल्थ वर्कर्स को 1,000 रुपये से लेकर 2,000 रुपये प्रतिमाह मिलते हैं।

कंप्यूटर ग्राफिक्स का है ज़माना

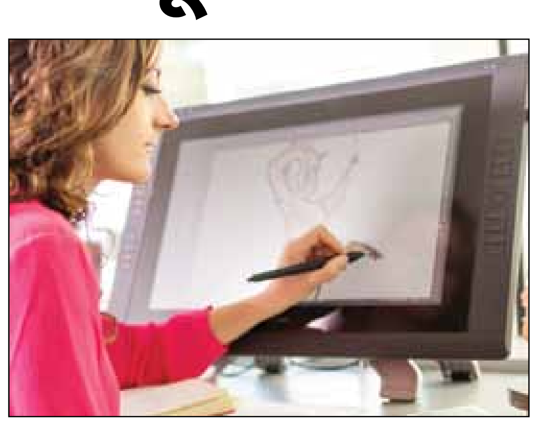

आज हर घर में अपनी जगह बना चुका कंप्यूटर शायद इतना उपयोगी और लोकप्रिय नहीं हो पाता यदि कंप्यूटर ग्राफिक्स की दुनिया में इतने सारे नए प्रयोग देखने को नहीं मिले होते। यह टॉपिक कंप्यूटर कोर्सेज का भी एक अहम हिस्सा होता है और करियर के लिहाज़ से भी यह हॉट च्वॉइस रहता है। एक से बढ़ कर एक कंप्यूटर गेम्स के रोमांच का मज़ा लेने से लेकर कंप्यूटर पर एनिमेटेड मूवीज़ का लुत्फ उठाना इतना मज़ेदार और आसान नहीं होता यदि ग्राफिक्स में दिन प्रतिदिन नई हलचलें नहीं मचती। आजकल सभी सॉफ्टवेयर जीयूआई आधारित होते हैं जिस कारण इन्हें उपयोग करना काफी आसान हो जाता है। इंटरफेस के रूप में यहां मेन्यू, आइकॉन आदि का उपयोग किया जाता है, जो काफी सुविधाजनक और फास्ट होता है। वास्तव में यह सब ग्राफिक्स का ही तो खेल होता है। कंप्यूटर के द्वारा बनाए जाने वाले ग्राफिक्स कंप्यूटर ग्राफिक्स कहलाते हैं। इसे इस प्रकार से भी कहा जा सकता है कि कंप्यूटर द्वारा इमेज डाटा को जब रिप्रजेंट और मैनिपुलेट किया जाए तो उसे ग्राफिक्स कहते हैं। एनिमेशन, मूवीज़, गेम्स इंडस्ट्रीज़ आदि में इसका खूब प्रभाव पड़ा है। कंप्यूटर द्वारा जब डाटा का पिक्टोरियल रिप्रेजंटेशन और मैनिपुलेशन किया जाता है तो उसे हम ग्राफिक्स कह सकते हैं। कंप्यूटर ग्राफिक्स कंप्यूटर साइंस का एक फील्ड है, जिसके अंतर्गत हम विजुअल कंटेंट को मेनिपुलेट और डिजिटली सिनथेसाइजिंग करने के विधि के बारे में पढ़ते हैं। एनिमेशन भी कंप्यूटर ग्राफिक्स के अंतर्गत ही आता है। एनिमेशन वास्तव में कंप्यूटर की सहायता से मूविंग इमेज (चलती-फिरती पिक्चर) बनाने की कला है। आपको राज़ की बात बताते हैं कि जब भी आप ऐसे एनिमेटिड इमेज देखें तो यह मत सोचिए कि वास्तव में यह चलती फिरती इमेज है। दरअसल होता यह है कि जब स्क्रीन पर कोई इमेज दिखती है तो बहुत जल्द उसी तरह की दूसरी इमेज पहले वाले इमेज को रिप्लेस करती रहती है। यह प्रक्रिया इतनी तेज़ी से होती है कि हम समझ बैठते हैं कि इमेज मूवमेंट कर रही है, जबकि वास्तव में एक इमेज दूसरे इमेज को इसके थोड़े आगे-आगे रिप्लेस करती रहती है।

एप्लीकेशन एरिया

एजुकेशन, साइमुलेशन, ग्राफ रिप्रेजंटेशन, इंजीनियरिंग, मेडिसिन, इंडस्ट्री, आर्ट, एंटरटेनमेंट आदि सभी क्षेत्रों में कंप्यूटर ग्राफिक्स का बोलबाला है। कंप्यूटर-एडेड डिज़ाइन द्वारा इंजीनियरिंग और आर्किटेक्चर में ग्राफिक्स का खुब इस्तेमाल किया जाता है। फाइन आर्ट, कमर्शियल आर्ट एप्लीकेशंस में भी इसका उपयोग किया जाता है। टेलीविज़न शोज़, म्यूज़िक वीडियो, मोशन पिक्चर्स आदि में भी ग्राफिक्स का ही कमला रहता है।

ग्राफिक्स सॉफ्टवेयर

ग्राफिक्स के लिए उपलब्ध सॉफ्टवेयर को आमतौर पर दो भागों में रखा जाता है–जनरल प्रोग्रामिंग पैकेज और स्पेशल परपज एप्लीकेशंस पैकेज। जनरल प्रोग्रामिंग पैकेज सॉफ्टवेयर में कई ग्राफिक्स फंक्शंस होते हैं, जो हाई-लेवल प्रोग्रामिंग लैंग्वेजों में उपयोग किए जाते हैं। इन फंक्शंस द्वारा पिक्चर कंपोनेंट्स डिज़ाइन किए जाते हैं। स्पेशल एप्लीकेशंस पैकेज आमतौर पर उनके लिए हैं, जो कंप्यूटर एक्सपर्ट तो नहीं होते, फिर भी डिस्प्ले जेनरेट कर सकते हैं।

आवारापन 2 ने तोड़ा वेलकम टू द जंगल का रिकॉर्ड

14 अगस्त को रिलीज हुई आवारापन 2 इमरान हाशमी के करियर की सबसे बड़ी फिल्म बनकर उभरी है। वीकेंड पर शानदार कलेक्शन करने के बाद, इसकी कमाई में 11वें दिन बेशक मंदी देखी गई, लेकिन इसने अक्षय कुमार की फिल्म वेलकम टू द जंगल का लाइफटाइम रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इसी के साथ इमरान की फिल्म 2026 की शीर्ष-5 सबसे कमाऊ फिल्मों की सूची में शामिल हो चुकी है। आइए देखें फिल्म का ताजा कलेक्शन कितना रहा है। सैकनिल्क के मुताबिक, आवारापन 2 ने दूसरे हफ्ते में 11वें दिन (सोमवार) 2.75 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसके बाद फिल्म का घरेलू स्तर पर कलेक्शन 139 करोड़ रुपये और ग्रॉस कलेक्शन 165.75 करोड़ रुपये हो गया है। विश्व स्तर पर इसने अब तक 196.55 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही फिल्म 200 करोड़ के क्लब में दाखिल होगी। नितिन कक्कड़ द्वारा निर्देशित फिल्म में दिशा पाटनी और शबाना आजमी भी हैं। कुल 139 करोड़ रुपये के कलेक्शन के साथ, आवारापन 2 ने अक्षय की वेलकम टू द जंगल (137.93 करोड़ रुपये) के लाइफटाइम कलेक्शन को मात दे डाली है। इसने 2026 की शीर्ष-5 सर्वाधिक कमाई वाली हिंदी फिल्मों में अपनी जगह कायम की है, जिनमें पहले से धुरंधर 2 (1,186.32 करोड़), बॉर्डर 2 (362.76 करोड़), भूत बंगला (199.23 करोड़) और धमाल 4 (177.91 करोड़) मौजूद हैं। बता दें कि आवारापन 2 का पहला भाग इसी नाम से 2007 में आया था।

रणबीर कपूर की ब्रह्मास्त्र 2 में नहीं होंगी दीपिका पादुकोण, टीम ने की पुष्टि

रणबीर कपूर की आगामी फिल्मों में ब्रह्मास्त्र 2 भी शामिल है, जिसका निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे हैं। पिछले दिनों रिपोर्ट्स में कहा गया कि दीपिका पादुकोण इस परियोजना का हिस्सा हो सकती हैं। उन्हें फिल्म में अमृता की भूमिका के लिए लेने का विचार चल रहा है। हालांकि, इन अटकलों और फैंस के उत्साह पर पानी फिर गया है, क्योंकि अभिनेत्री फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। इसकी पुष्टि आधिकारिक तौर पर दीपिका की टीम द्वारा की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, दीपिका के प्रवक्ता ने ब्रह्मास्त्र 2 में उनकी कथित कास्टिंग को लेकर चल रही अफवाहों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने कहा, दीपिका पादुकोण के ब्रह्मास्त्र 2 का हिस्सा होने या किसी भी रूप में इस परियोजना से जुड़े होने की सभी हालिया खबरें असत्य

हैं। उनके कथन ने अटकलों पर विराम लगा दिया, लेकिन उन लोगों को झटका दिया है, जो दीपिका और रणबीर को पर्दे पर एक साथ देखने की उम्मीद लगाए बैठे थे। खबर है कि सैयारा अभिनेत्री अनीत पड्डा से फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए संपर्क किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, एक सूत्र ने कहा, अनीत को ब्रह्मास्त्र 2 में एक महत्वपूर्ण भूमिका के लिए संपर्क किया गया है। बातचीत चल रही है, लेकिन 9अभी तक कुछ भी तय नहीं हुआ है। बता दें कि रणबीर अभिनीत ब्रह्मास्त्र 2 में आलिया भट्ट भी अपने किरदार में वापसी करेंगी। शूटिंग 2027 के मध्य में शुरू हो सकती है।

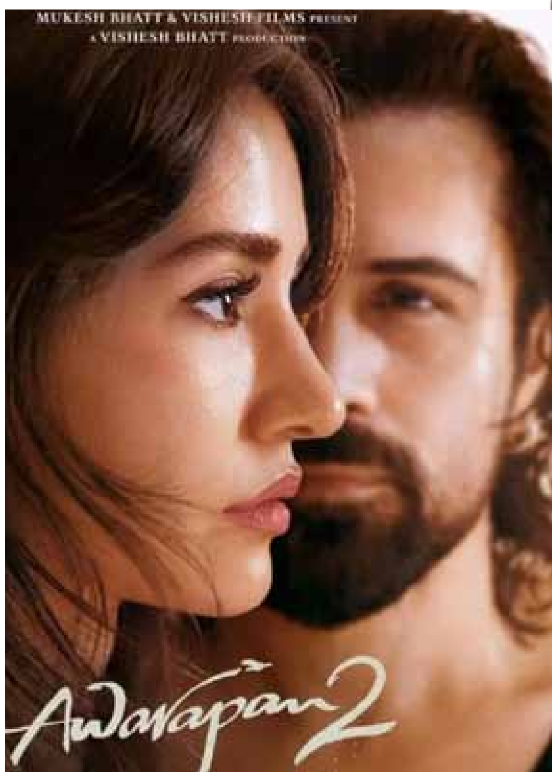

'ब्रह्मास्त्र 2' में अनीत पड्डा की एंट्री की चर्चा से बॉलीवुड में मची हलचल, नई जोड़ी पर टिकीं नजरें

निर्देशक अयान मुखर्जी की फैंटेसी-एडवेंचर फ्रेंचाइज़ी 'ब्रह्मास्त्र' की अगली किस्त को लेकर सिनेमा गलियारों में सुगबुगाहट तेज़ हो चुकी है। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की सुपरहिट फिल्म 'ब्रह्मास्त्र पार्ट वन: शिवा' के बाद से ही इसके सीक्वल 'ब्रह्मास्त्र पार्ट टू: देव' का दर्शक बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर सामने आईं ताज़ा खबरों ने फैंस के बीच एक नया उत्साह और उत्सुकता भर दी है। फिल्म में 'अमृता' के दमदार किरदार को लेकर लंबे समय से बॉलीवुड की शीर्ष अभिनेत्रियों के नामों पर चर्चा चल रही थी। हालांकि, अब इस भूमिका और कास्टिंग से जुड़े नए समीकरण सामने आ रहे हैं। सबसे ज्यादा चर्चा युवा अभिनेत्री अनीत पड्डा को लेकर हो रही है। रिपोर्ट्स की मानें तो मेकर्स ने अनीत को 'ब्रह्मास्त्र 2' में एक बेहद महत्वपूर्ण और प्रभावकारी किरदार निभाने का प्रस्ताव दिया है। यद्यपि अनीत की टीम और मेकर्स के बीच बातचीत शुरुआती दौर में है और आधिकारिक मुहर लगना बाकी है, फिर भी इस खबर ने उद्योग में एक नई बहस छेड़ दी है। अनीत पड्डा की इस संभावित एंट्री को लेकर फिल्म समीक्षकों का मानना है कि अयान मुखर्जी इस बार अपनी स्टारकास्ट में एक नया और ताज़ा चेहरा जोड़ना चाहते हैं। अयान की फिल्मों की हमेशा यह खासियत रही है कि वे अपनी पटकथा में युवा ऊर्जा और अद्वितीय स्क्रीन प्रेजेंस वाले कलाकारों को जगह देते हैं। यदि अनीत इस प्रोजेक्ट से जुड़ती हैं, तो यह उनके करियर का अब तक का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट जहां अपने पुराने और लोकप्रिय अवतार (शिवा और ईशा) में वापस लौटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, वहीं नए किरदारों का समावेश कहानी के दायरा और रहस्य को और बढ़ा देगा। सूत्रों के अनुसार, अयान मुखर्जी फिलहाल फिल्म की पटकथा और प्री-प्रोडक्शन के काम को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं। दृश्य प्रभावों (VFX) और विशाल सेटिंग्स के कारण इसके निर्माण में लंबा समय लगने की उम्मीद है। फिलहाल की रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग 2027 के मध्य तक शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। भारतीय सिनेमा की इस सबसे बड़ी फैंटेसी यूनिवर्स में नए चेहरों का जुड़ना और कहानी का विस्तार दर्शकों के लिए एक अद्भुत और रोमांचक अनुभव लेकर आने वाला है। अब सभी की निगाहें मेकर्स की ओर से आने वाले आधिकारिक ऐलान पर टिकी हुई हैं।

हैवान का ट्रेलर जारी, सैफ अली खान का दिखा संघर्ष अक्षय कुमार की हैवानियत ने उड़ाए होश

अक्षय कुमार और सैफ अली खान स्टारर हैवान का ट्रेलर आखिरकार आ गया है. प्रियदर्शन डायरेक्टेड यह फिल्म एक डार्क और दिलचस्प थ्रिलर का वादा करती है. ट्रेलर फिल्म की अनप्रिडिक्टेबल दुनिया की एक झलक दिखाता है. साथ ही दोनों लीड एक्टर्स के बीच चूहे-बिल्ली की लड़ाई भी दिखाई जाती है.

अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम पर हैवान का ट्रेलर अपलोड किया है और कैप्शन में लिखा, टीजर में साया देख चुके हो, अब हैवान से मिलो. ट्रेलर में अक्षय कुमार हैवान के रोल में खूंखार अवतार में दिख रहे हैं, जबकि सैफ अली खान एक अंधे आदमी का रोल कर रहे हैं, जो शायद एक सिंगल फादर है. 2 मिनट 34 सेकंड के ट्रेलर में डरावना माहौल दिखाया गया है. इसकी शुरुआत एक ऐसे आदमी से होती है जो मदद के लिए बेताब होकर रो रहा है और मौत की तरफ धकेले जाने से पहले अपनी जान की भीख मांग रहा है. परेशान करने वाली शुरुआत तुरंत आगे की कहानी का टोन सेट कर देती है. ट्रेलर में आगे सैफ का इंट्रोडक्शन होता है, जिसका कैरेक्टर सामने आने वाले रहस्य के सेंटर में लगता है. इसके बाद अक्षय एक नेगेटिव रोल में एक डरावने और खतरनाक आदमी के रोल में दिखते हैं. दोनों कैरेक्टर इस खतरनाक गेम में एक-दूसरे से भिड़ते हुए लगते हैं. हैवान के ट्रेलर में जो बात सबसे अलग

है, वह है सैफ का किरदार. एक्टर ने एक अंधे आदमी का रोल किया है, जो अक्षय के साथ एक जानलेवा लड़ाई में फंस जाता है. किरदार की विकलांगता कहानी का एक अहम हिस्सा है, न कि सिर्फ किरदार की कोई पर्सनल खासियत. ट्रेलर में कहानी का ज्यादातर हिस्सा जानबूझकर छिपाकर रखा गया है, लेकिन यह दिखाता है कि शहर में कई मर्डर हो रहे हैं. सैयामी खेर कहानी में एक पुलिस ऑफिसर के तौर पर आती हैं, जो सभी हत्याओं की जांच कर रही हैं. सैफ के किरदार के शॉट्स के बीच, एक वॉइस-ओवर कहता है, अंधा होने से बुरा पता है क्या होता है? बेवकूफ होना. यह लाइन सैफ के किरदार के आस-पास के रहस्य में एक और परत जोड़ती है और इशारा करती है कि वह शुरू में जो दिखता है उससे कहीं ज्यादा हो सकता है. अक्षय कुमार और सैफ अली खान 17 साल बाद फिर से स्क्रीन शेयर कर रहे हैं. 2008 में आई टशन उनकी आखिरी फिल्म थी. दोनों ने पहले मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी और यह दिल्लगी (1994), तू चोर मैं सिपाही (1996) और कीमत (1998) जैसी फिल्मों में साथ काम किया है. फिल्म में अक्षय कुमार और सैफ अली खान के अलावा, बोमन ईरानी, श्रेया पिलगांवकर, सैयामी खेर, राजपाल यादव, शारिब हाशमी, राजेश शर्मा, पहल चौधरी और मनोज जोशी भी है. वेंकट के नारायण और शैलजा देसाई फेन द्वारा केवीएन प्रोडक्शंस और थेस्पियन फिल्म्स के तहत प्रोड्यूस की गई हैवान 11 सितंबर को थिएटर में रिलीज होगी.

यादों के झरोखों से : केके की आवाज में बसता था हर दिल का अफसाना

भारतीय संगीत जगत के उन चुनिंदा गायकों में शामिल कृष्ण कुमार कुन्नथ, जिन्हें दुनिया केके के नाम से जानती है, आज भी अपनी आवाज के जरिए करोड़ों श्रोताओं के दिलों में जिंदा हैं। उनकी गायकी में प्रेम, दोस्ती, जुदाई, संघर्ष और जिंदगी के अनगिनत रंग सुनाई देते थे। कॉलेज की यादों से लेकर पहली मोहब्बत तक, केके के गीतों ने एक पूरी पीढ़ी की भावनाओं को आवाज दी। केके का जन्म 23 अगस्त 1968 को दिल्ली में हुआ था। उनका परिवार मूल रूप से मलयाली था। उन्होंने सेंट मैरी स्कूल से पढ़ाई की और बाद में किरोड़ीमल कॉलेज से वाणिज्य में स्नातक की डिग्री हासिल की। संगीत के प्रति उनका लगाव बचपन से था और कॉलेज के दिनों में वह रॉक बैंड का हिस्सा भी रहे। संगीत की दुनिया में आने से पहले केके ने संघर्ष का दौर देखा। उनके जीवन से जुड़ा एक चर्चित किस्सा यह भी है कि स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने कुछ महीनों तक सेल्समैन की नौकरी की थी। बताया जाता है कि वह जिस लड़की से प्यार करते थे, उसके परिवार को यह भरोसा दिलाने के लिए नौकरी कर रहे थे कि वह कामकाजी हैं। हालांकि कुछ समय बाद उन्हें एहसास हो गया कि उनका वास्तविक रास्ता संगीत की दुनिया में है। इसके बाद उन्होंने जिंगल गाने और बनाने शुरू किए। उन्हें गायक लेस्ली लुईस के साथ काम करने का अवसर मिला और धीरे-धीरे उनकी आवाज विज्ञापन जगत में पहचानी जाने लगी। बाद में वह मुंबई पहुंचे और हिंदी फिल्म संगीत में अपनी जगह बनाने के लिए संगीतकारों से मिलने लगे। फिल्मों में उन्हें शुरुआती अवसर विशाल भारद्वाज की फिल्म 'माचिस' में मिला, लेकिन व्यापक

पहचान फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' के लोकप्रिय गीत 'तड़प तड़प' से हासिल हुई। इसके बाद केके ने अनेक यादगार गीतों को अपनी आवाज दी और हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, मराठी, बंगाली, असमिया और गुजराती भाषाओं में भी गाने रिकॉर्ड किए। 31 मई 2022 को कोलकाता में लाइव प्रस्तुति के बाद उनका निधन हो गया। 53 वर्ष की उम्र में दुनिया को अलविदा कहने के बावजूद केके की आवाज आज भी संगीत प्रेमियों के लिए जिंदा है और उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

ओह माय डॉग को यूएई के सिनेमाघरों में दिखाएंगे निर्देशक अमित राय

निर्देशक अमित राय की फिल्म ओह माय डॉग भारत के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रिलीज होने जा रही है। पंकज त्रिपाठी अभिनीत यह एक भावनात्मक पारिवारिक-ड्रामा है, जिसने 7 अगस्त को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज होकर कुल 5.03 करोड़ रुपये कमाए थे। इसका बड़ा कारण टॉम हॉलैंड की फिल्म स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे का दबदबा और सीमित स्क्रीन्स मिलना था। अब यह फिल्म यूएई और मिडिल ईस्ट के सिनेमाघरों में रिलीज दस्तक देने के लिए तैयार है। फिल्म समीक्षक तरण आदर्श की पोस्ट के मुताबिक, ओह माय डॉग 4 सितंबर, 2026 को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और मिडिल ईस्ट के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। निर्माताओं के इस कदम से फिल्म को मध्य पर्व

के दर्शकों से जुडने का मौका मिलेगा। बाबूलाल बिस्कोप और थिंकिंग हैट्स एंटरटेनमेंट के बैनर तले निर्मित, ओह माय डॉग एक बच्चे और कुत्तों के बीच के बेहद खूबसूरत रिश्ते पर आधारित है। फिल्म में पवन मल्होत्रा, माही राय और राजेश कमार भी हैं।

रोजाना कुछ लिखने की आदत आपके लिए होगी बहुत फायदेमंद

रोजाना कुछ लिखने की आदत डालना एक जरूरी कदम है, जो आपके विचारों को साफ करने और मानसिक शांति देने में मदद करता है। यह आदत न केवल आपके लिखने की क्षमता को सुधारती है, बल्कि आपको अपने जीवन के अनुभवों को बेहतर तरीके से समझने में भी मदद करती है। इस लेख में हम आपको कुछ सरल और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप रोजाना कुछ लिखने की आदत डाल सकते हैं और इसे बनाए रख सकते हैं।

सुबह का समय चुनें: लिखने के लिए सुबह का समय सबसे अच्छा होता है, जब आपका मन ताजा होता है और कोई भी काम करने की ऊर्जा भरपूर होती है।

सुबह उठते ही नाश्ते से पहले या बाद में कुछ मिनट निकालकर लिखने की आदत डालें। इससे आपका दिन सही दिशा में शुरू होगा और आप पूरे दिन ऊर्जावान महसूस करेंगे। नियमितता से लिखने की आदत डालने के लिए सुबह का समय सबसे उपयुक्त है। अपने विचारों और अनुभवों को नोट करने के लिए हमेशा एक डायरी अपने पास रखें। इससे आप कहीं भी, कभी भी अपने विचारों को आसानी से लिख सकते हैं। डायरी का इस्तेमाल करने से आपके पास एक ऐसा स्थान होगा, जहां आप अपने सभी विचारों को एक जगह पर संकलित कर सकते हैं। इसके अलावा यह लिखने की आदत को नियमित बनाए रखने में मदद करेगा। इस तरह से आप लिखने की प्रक्रिया को और भी बेहतर बना सकते हैं। लिखने के लिए विषय चुनना बहुत जरूरी होता है, ताकि आपको सोचने में मुश्किल न हो। आप अपने जीवन के अनुभव, यात्रा, किताबें या कोई भी ऐसा विषय चुन सकते हैं, जो आपको पसंद हो। विषय चुनने से आपका ध्यान केंद्रित रहेगा और आप बेहतर तरीके से लिख पाएंगे। इसके अलावा एक ही विषय पर लगातार लिखने से आपकी लिखने की क्षमता भी बढ़ेगी और आप अपने विचारों को साफ तरीके से व्यक्त कर सकेंगे।

खुद पर दबाव न डालें: रोजाना कुछ लिखते समय खुद पर कोई दबाव न डालें कि आपको बहुत अच्छा या लंबा लिखना है। बस अपने विचारों को स्वतंत्र रूप से बहने दें। इससे आपका लेखन स्वाभाविक रहेगा और आप इसे लंबे समय तक बनाए रख सकेंगे। इसके अलावा खुद पर कोई दबाव डालने से आपकी रचनात्मकता भी प्रभावित हो सकती है, इसलिए आराम से और बिना किसी चिंता के लिखें, ताकि आप अपनी लिखने की प्रक्रिया का पूरा आनंद ले सकें।

छोटी-छोटी शुरुआत करें

किसी भी आदत को शुरू करने के लिए सबसे पहले छोटी-छोटी शुरुआत करना जरूरी होता है। शुरुआत में केवल 5-10 मिनट तक ही लिखें और धीरे-धीरे समय बढ़ाएं। इससे आदत बनाने में आसानी होगी और आप इसे लंबे समय तक बनाए रख सकेंगे। छोटी शुरुआत करने से मनोबल भी बना रहता है और आप इसे नियमित रूप से करने के लिए प्रेरित रहते हैं। इस तरह आप बिना किसी दबाव के अपनी लिखने की आदत को विकसित कर सकते हैं।

एशियाई खेलों से पहले फिटनेस पर मीराबाई का फोकस, हर सप्ताह लेती हैं अमेरिकी विशेषज्ञ से सलाह

एजेंसी, नई दिल्ली

टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू एशियाई खेलों में अपने पहले पदक के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी तरह जुटी हुई हैं। सितंबर में जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों से पहले चोट से बचना उनकी प्राथमिकता है। इसके लिए वह अमेरिकी स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग विशेषज्ञ डॉ. आरोन हॉर्शिग से हर सप्ताह वीडियो कॉल के जरिए प्रशिक्षण और फिटनेस पर चर्चा करती हैं। मीराबाई ने साई मीडिया से कहा, ''हर गुरुवार को वीडियो कॉल में प्रशिक्षण, रिकवरी और आगे की रणनीति पर चर्चा करते हैं। हर चीज की बारीकी से समीक्षा होती है। डॉ. हॉर्शिग खुद भारोत्तोलक रहे हैं, इसलिए वह शरीर की हर मांसपेशी को समझते हैं। लगातार समीक्षा से मैं फिट रहने में सफल रही हूं।'' मीराबाई और हॉर्शिग का साथ नवंबर, 2020 से है। मीराबाई अपने लंबे समय के कोच विजय शर्मा के साथ मोदीनगर में अभ्यास कर रही हैं। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में तीसरा स्वर्ण पदक जीतने के बाद भी उन्होंने प्रशिक्षण में कोई ब्रेक नहीं लिया। मीराबाई ने कहा, ''मैं सीधे मोदीनगर लौटकर प्रशिक्षण में लग गई। मैं घर, मणिपुर भी नहीं गई। मैंने खुद के लिए चुनौती रखी है कि जब तक एशियाई खेलों में पदक नहीं जीतती, घर नहीं जाऊंगी।'' एशियाई खेलों का पदक मीराबाई के शानदार करियर में अब तक अधूरा अध्याय है। वह ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीत चुकी हैं। हालांकि चोट के कारण 2018 जकार्ता एशियाई खेलों से बाहर रही थीं, जबकि 2022 हांगझोउ एशियाई खेलों में कूल्हे और जांघ की चोट के कारण चौथे स्थान पर रही थीं। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में मीराबाई ने महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग में कुल 190 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने स्नैच में 85 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 105 किग्रा वजन उठाया तथा तीनों वर्गों में राष्ट्रमंडल खेलों के रिकॉर्ड बनाए। हालांकि मीराबाई ग्लासगो में प्रतिस्पर्धा के स्तर को लेकर बहुत उत्साहित नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो राष्ट्रमंडल खेलों की प्रतियोगिता मेरे लिए बहुत कठिन नहीं थी। असली परीक्षा आगे है।'' मीराबाई के अनुसार एशियाई खेलों में चीन, उत्तर कोरिया, जापान और थाईलैंड की भारोत्तोलकों से सबसे कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है।

श्रीलंका 290 रन पर ऑलआउट, भारत ने दिया फॉलोऑन

एजेंसी, कोलंबो

भारत ने दूसरे और अंतिम टेस्ट के चौथे दिन श्रीलंका को पहली पारी में 290 रन पर ऑलआउट कर फॉलोऑन के लिए मजबूर कर दिया। भारत ने अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 503 रन बनाकर घोषित की थी। दिन की शुरुआत के बाद भारत को श्रीलंका की आखिरी दो विकेट हासिल करने में सिर्फ 15 मिनट लगे। सोनल दिनूषा ने शानदार 103 रन बनाए। यह इस सीरीज में उनका दूसरा शतक है। वह श्रीलंका की पारी के आखिरी बल्लेबाज के रूप में आउट हुए।

भारत के लिए पदार्पण कर रहे स्पिनर सारांश जैन ने श्रीलंका के आखिरी दोनों विकेट झटके। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और स्पिनर मानव सुथार ने भी तीन-तीन विकेट हासिल किए। समाचार लिखे जाने तक श्रीलंका ने अपनी दूसरी पारी में 5 रन पर 1 विकेट खो दिया है। सिराज ने लाहिरू उडारा (03) को सारांश जैन के हाथों कैच आउट कराया।

एंथनी एंड्रयूज बने भारतीय अंडर-17 महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के सहायक कोच

एजेंसी, नई दिल्ली

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बुधवार को एंथनी एंड्रयूज को भारतीय अंडर-17 महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का सहायक कोच नियुक्त किया है। जोआकिम अलेक्जेंडरसन टीम के मुख्य कोच बने रहेंगे।

ईस्ट बंगाल एफसी के मुख्य कोच एंड्रयूज क्लब और भारतीय टीम की जिम्मेदारी दोहरी भूमिका में संभालेंगे। वह ईस्ट बंगाल को लगातार दो बार भारतीय महिला लीग (आईडब्ल्यूएल) का खिताब दिला चुके हैं। उनके नाम आईडब्ल्यूएल के इतिहास में सर्वाधिक चार खिताब हैं। उन्होंने 2021-22 और 2022-23 में गोकुलम केरल एफसी तथा 2024-25 और 2025-26 में ईस्ट बंगाल के साथ खिताब जीते। एंड्रयूज के मार्गदर्शन में ईस्ट बंगाल ने हाल में एएफसी महिला चैंपियंस लीग 2026-27 के प्रारंभिक चरण में भी जीत दर्ज की। इसके साथ ही ईस्ट बंगाल लगातार दो सत्र एएफसी महिला चैंपियंस लीग के ग्रुप चरण में पहुंचने वाला पहला भारतीय महिला क्लब बना। एंड्रयूज अब ताशकंद में भारतीय अंडर-17 महिला टीम से जुड़ गए हैं। टीम 27 और 30 अगस्त को उज्बेकिस्तान के खिलाफ दो अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच खेलेगी। ये मुकाबले एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप चीन 2027 क्वालीफायर की तैयारियों का हिस्सा हैं। क्वालीफायर मुकाबले पांच से 11 अक्टूबर तक मलेशिया में होंगे।

एशियाई खेलों से पहले सिंड्रेला दास और पायस जैन टॉप्स विकास योजना में शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली । एशियाई खेल 2026 से पहले भारतीय टेबल टेनिस की युवा प्रतिभा सिंड्रेला दास को टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) की विकास योजना में शामिल किया गया है। कोलकाता की 17 वर्षीय सिंड्रेला ने हाल के दिनों में शानदार प्रदर्शन कर यह उपलब्धि हासिल की है। सिंड्रेला के अलावा पुरुष युगल खिलाड़ी पायस जैन और अंकुर भट्टाचार्य भी टॉप्स विकास योजना का हिस्सा हैं। सिंड्रेला ने इस साल थाईलैंड में आयोजित एशियाई युवा चैंपियनशिप में लड़कियों के युगल में रजत और एकल में कांस्य पदक जीता था। उनके इन प्रदर्शन के बाद उन्हें टॉप्स की विकास श्रेणी में शामिल किया गया। इससे पहले 2023 में उन्होंने अंडर-15, अंडर-17 और अंडर-19 एकल में राष्ट्रीय रैंकिंग के खिताब जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था। टॉप्स ने इस साल टेबल टेनिस में 14 से 17 वर्ष की उम्र के युवा खिलाड़ियों के लिए एक विशेष समूह तैयार किया था। सिंड्रेला भी इस समूह का हिस्सा थीं। इस पहल का उद्देश्य 2030 राष्ट्रमंडल खेलों और 2036 ओलंपिक के लिए भारत की युवा प्रतिभाओं को तैयार करना है। एशियाई खेल 2026 के लिए भारत की 10 सदस्यीय टेबल टेनिस टीम में सिंड्रेला दास, श्रीजा अकुला, दिया चिताले, यशस्विनी घोरपड़े, सुतीर्था मुखर्जी, साथियान, मनुश शाह, मानव ठक्कर, हरमीत देसाई और पायस जैन शामिल हैं।

विश्व कप स्वर्ण के बाद एशियाई खेलों में पदक पर सुचि की नजर

एजेंसी, नई दिल्ली

हरियाणा के झज्जर जिले के छोटे-से गांव सासरौली की 20 वर्षीय पिस्टल निशानेबाज सुचि इंदर सिंह फोगाट की कहानी संघर्ष, आत्मविश्वास और लगातार सुधार की मिसाल है। 13 साल की उम्र में भिवानी की गुरु द्रोणाचार्य शूटिंग अकादमी में पिस्टल थामने वाली सुचि आज जूनियर विश्व रिकॉर्डधारी और कई बार की आईएसएसएफ विश्व कप स्वर्ण पदक विजेता हैं। अब उनकी नजरें आइची-नागोया एशियाई खेलों में 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा पर हैं। अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए सुचि ने एक आधिकारिक बयान में कहा, ''जब मैंने निशानेबाजी शुरू की थी, तब कोई मुझे नहीं जानता था। मैं सिर्फ 13 साल की सामान्य लड़की थी, जिसके पास भारतीय टीम की जर्सी भी नहीं थी। आज उस जर्सी को पहनना मेरे लिए गर्व की बात है। यह बताती है कि मैंने कितनी लंबी यात्रा तय की है।'' सुचि के लिए निशानेबाजी किसी तय योजना का हिस्सा नहीं थी। उन्होंने संयोग से इस खेल को अपनाया और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनका मानना है कि निशानेबाजी ने उन्हें अपनी पहचान खुद बनाने का अवसर दिया। उन्होंने कहा, ''लोग निशानेबाजी को देखकर सोचते हैं कि इसमें मुश्किल क्या है, बस खड़े होकर निशाना लगाना है। लेकिन वे यह नहीं देखते कि खिलाड़ी के अंदर क्या चल रहा होता है।

बिजनेस

मॉपशॉप डिस्ट्रिब्यूशन ने निवेशकों को किया निराश, डिस्काउंट लिस्टिंग के बाद कोई हलचल नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

फैसिलिटी मैनेजमेंट सप्लाई (एफएमएस) सेक्टर में काम करने वाली कंपनी मॉपशॉप डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने कमजोरी के साथ एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 138 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 0.72 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 137 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के बाद से ही इस शेयर में कोई हलचल नहीं हुई है। मतलब न तो इस शेयर को लिवाल मिल रहा है और न ही इसकी बिकवाली हो रही है, जिसकी वजह से दोपहर 11:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद भी कंपनी के शेयर 137 रुपये के स्तर पर ही बने हुए थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर एक रुपये यानी 0.72 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है। कंपनी का 27.26 करोड़ रुपये का आईपीओ 19 से 21 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.59 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.27 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.91 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 19.75 लाख शेयर जारी हुए हैं। इनमें लगभग पांच करोड़ रुपये के 3.75 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं, जबकि लगभग 22 करोड़ रुपये के 16 लाख नए शेयर बिके हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी कमर्शियल गाड़ियों की खरीदारी करने, रूफ टॉप ग्रिड सोलर पावर प्लांट का सेटअप करने, पुराने कर्ज को कम करने, आईपीओ से जुड़े खर्चों की भरपाई करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। मॉपशॉप डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 81 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 1.42 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 3.48 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 30.02 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 37.86 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 42 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 3.92 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 6.59 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ कम होकर 5.14 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 1.25 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत, एशिया में भी खरीदारी का रुख

एजेंसी, नई दिल्ली । ग्लोबल मार्केट से आज मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में आज आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। कच्चे तेल की कीमत में आई गिरावट और बॉन्ड यील्ड में कमी होने की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार पॉजिटिव सेंटीमेंट बना रहा, जिससे वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.32 प्रतिशत उछल कर 7,677.28 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 171.11 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,151.30 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.05 प्रतिशत मजबूत होकर 53,601.91 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

धनवेल हाइब्रिड सीड्स ने निवेशकों को दिया झटका, फ्लैट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

एग्रीकल्चर सेक्टर के लिए उन्नत गुणवत्ता वाले बीज तैयार करने वाली कंपनी धनवेल हाइब्रिड सीड्स लिमिटेड के शेयरों ने आज अपने आईपीओ निवेशकों को करारा झटका दिया। कंपनी के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट ने फ्लैट लेवल पर एंट्री हुई। निवेशकों को तब और झटका लगा, जब बिकवाली के दबाव में ये शेयर लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 99 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 99 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के निवेशकों को और झटका तब लगा, जब ये शेयर बिकवाली के दबाव में लुढ़क कर 94.05 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 4.95 रुपये यानी पांच प्रतिशत का नुकसान हो गया। कंपनी का 26.73 करोड़ रुपये का आईपीओ 19 से 21 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.65 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन फुली सब्सक्राइब यानी 100 प्रतिशत हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.24 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन आया था। जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 3.08 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 27 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ में शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, आईपीओ से जुड़े खर्चों की भरपाई करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। धनवेल हाइब्रिड सीड्स लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 1.91 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 2.16 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 6.12 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 35.49 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 44.13 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 74.59 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 1.94 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 5.97 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ उछल कर 7.68 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में मामूली गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आज लगातार तीसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 220 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 240 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। कीमत में हुए इस बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,63,740 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,63,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,50,090 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,50,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,63,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,50,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,63,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,50,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,63,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,50,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,63,740 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,50,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

शुरुआती कारोबार में उतार-चढ़ाव के बीच शेयर बाजार में दबाव, ऊपरी स्तर से फिसले सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान उतार चढ़ाव के बीच दबाव बनता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के तुरंत बाद बिकवाली का हल्का झटका भी लगा, लेकिन थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। हालांकि सुबह दस बजे के बाद एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया, जिससे दोनों सूचकांक की चाल कमजोर पड़ने लगी। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.25 प्रतिशत और निफ्टी 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 236.01 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,892.10 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण पहले पांच मिनट में ही यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से लगभग 90 अंक फिसल कर 77,805.62 अंक के स्तर पर आ गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। बाजार में लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से पहले आधे घंटे के कारोबार में ही यह सूचकांक 77,986.84 अंक के स्तर तक पहुंच गया।

स्टॉक मार्केट में गजा एसेट मैनेजमेंट की मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

कैटेगरी वन और कैटेगरी टू के इंडिया फोकस फंड्स के लिए इनवेस्टमेंट मैनेजर के रूप में और भारत में कंपनियों को कैपिटल देने वाले ऑफशोर फंड्स के लिए एडवाइजर के तौर पर काम करने वाली कंपनी गजा अल्टरनेटिव एसेट मैनेजमेंट के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 160 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 15.75 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 185.20 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 15.63 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 185 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 191.65 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि बाद में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण ये 170.55 रुपये के स्तर तक गिर भी गया। दोपहर 11:15 बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर 176.08 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में मुनाफा वसूली होने के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 16.08 रुपये यानी 10.05 प्रतिशत के फायदे में थे। इस कंपनी का 1,553 करोड़ रुपये का आईपीओ 19 से 21 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोन: 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।